मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	45.6	33.3
जमशेदपुर	44.2	30.4
डालटनगंज	45.7	31.7

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in ● रांची, रविवार 16 जून 2024 ● ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 10 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 68 ● आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

एनटीपीसी चट्टी बरियातू परियोजना में बिना पुनर्वासित किए खनन जारी

● जिला प्रशासन ने सरकार को भेजी रिपोर्ट, नहीं हुई कोई कार्रवाई ● राष्ट्रपति तक ले चुकी हैं मामले का संज्ञान, फिर भी अभयदान

प्रवीण कुमार। रांची

प्रदूषण को रोकने के लिए लगाए गए परदे फट कर जर्जर हो चुके हैं. डरावने शोर के बीच रह रहे बिरहोर परिवार चट्टी बरियातू कोल परियोजना के प्रदूषण का दंश झेलने को मजबूर हैं. हजारीबाग के केरेडारी प्रखंड की चट्टी बरियातू कोल परियोजना के कारण पगार बिरहोर टोला में रहने वाले 30 बिरहोर परिवार आज तक भी प्रदूषण का दंश झेल रहे हैं. मामला तब सुर्खियों में आया, जब बीते फरवरी माह में 10 वर्षीय किरणी बिरहोर और दुर्गा बिरहोर की मौत हो गई.

टोले में रहने वाले बिरहोर परिवारों में इन मौतों का कारण चट्टी बरियातू कोल परियोजना में खनन के कारण होने वाले प्रदूषण को बताया गया था. इस पूरे मामले में हजारीबाग उपायुक्त ने उच्च स्तरीय जांच कमेटी का किया गठन. जांच रिपोर्ट में कहा गया कि इन मौतों के लिए जिम्मेदार एनटीपीसी की माइंस डेवलपर और ऑपरेटर ऋत्विक एएमआर कंपनी है. कंपनी द्वारा ही यहां खनन कार्य किया जा रहा है. इससे होने वाले प्रदूषण का प्रतिकूल असर आदिम जनजाति के रहन-सहन एवं स्वास्थ्य पर पड़ रहा है. इसलिए जब तक बिरहोर बस्ती को यहां से हटा कर दूसरी जगह नहीं बसा दिया जाता, तब तक माइनिंग का कार्य कराना ठीक नहीं है. इसके बाद भी जिला प्रशासन ने न ही खनन रोका और न ही बिरहोर परिवारों का सुरक्षित स्थान पर पुनर्वास किया.

फैक्ट फाइल

- 28 फरवरी को किरणी बिरहोर (10) की मौत
- 2 मार्च को कंपनी ने किरणी के परिवार को 40 हजार देकर मामला दबाने का किया प्रयास
- 9 मार्च को बाल संरक्षण आयोग ने शिकायत दर्ज की
- 10 अप्रैल को फिर दुर्गा बिरहोर (40) की मौत
- 3 मई को उपायुक्त हजारीबाग ने जांच प्रतिवेदन के साथ रिपोर्ट खान एंव भूतत्व विभाग झारखंड को भेजी

प्रदूषण से बिरहोर परिवारों के रहन-सहन व स्वास्थ्य पर पड़ रहा बुरा असर

बिरहोर टोला में कितने लोग रहते हैं

परिवार की संख्या	30	पुरुष की संख्या	53
कुल जनसंख्या	115	महिला की संख्या	62

परियोजना के खनन स्थल से महज 50 कदम की दूरी पर है बिरहोर जनजाति की बस्ती

एनटीपीसी की चट्टी बरियातू परियोजना के पास बसी बस्ती में रहनेवाले आदिम जनजाति के बिरहोर परिवार के लोग.

अप्रैल 2022 से पुनर्स्थापन के साथ ही हो रहा खनन का काम

बता दें कि एनटीपीसी की चट्टी बरियातू कोल परियोजना के एमडीओ ऋत्विक-एएमआर परियोजना अंतर्गत बिरहोर बस्ती से महज कुछ मीटर की परिधि में खनन किया जा रहा है. कॉलोनी में करीब तीन घर हैं. सरकार की तरफ से उनके लिए प्राथमिक स्कूल से लेकर पेयजल की सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं. जिसमें बिरहोर परिवार दशकों से रह रहे हैं. प्रशासन और एनटीपीसी नियमों-निर्देशों का उल्लंघन कर आदिम जनजाति के वनवासियो को बिना कहीं और बसाए खनन कार्य चालू कर दिया. खनन स्थल पर विस्फोट और प्रदूषण से गंभीर बीमारियों के होने का खतरा बढ़ चुका है. चट्टी बरियातू कोल माइंस में हैवी ब्लास्टिंग से आदिम जनजाति बिरहोर परिवार के लोगों का जीवन यापन दुश्वार हो गया है.

वर्तमान नें पगार बस्ती की क्या है स्थिति

बस्ती को बिना पुनर्वासित किए अभी भी मौके पर खनन कार्य किया जा रहा है. खनन को लेकर जिला प्रशासन ने सरकार को जो रिपोर्ट भेजी है, उस पर कार्रवाई भी नहीं हुई है. बस्ती में रह रहे बिरहोर जल संकट से जूझ रहे हैं. कुआं सूख चुका है. एक ही बोरिंग है, उसी से पानी की जरूरत किसी तरह पूरी हो रही है. एनटीपीसी और ऋत्विक के द्वारा प्रदूषण रोकने के लिए लगाया गया परदा भी पूरी तरह फट चुका है. बिरहोर बस्ती से सटी कच्ची सड़क पर पानी का छिड़काव भी नहीं किया जा रहा है. खनन से उड़ने वाली धूल से बिरहोर बस्ती के लोगों के पानी, भोजन ,खाली बर्तनों तक में धूल और गर्द की परत जम जाती है. लोग बीमार हो रहे हैं, लेकिन प्रशासन की तरफ से अब तक कोई भी कार्रवाई नहीं की गई है.

जांच रिपोर्ट में हुआ दावा

बिरहोर बस्ती में रहने वाले बिरहोर परिवारों के लिए ऋत्विक कंपनी की ओर से पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने की बात कही गई थी. लेकिन बस्ती में जाकर बिरहोर परिवारों से बात करने पर लोगों ने बताया कि दाल-भात दिया जा रहा है. शुरुआत में दो-तीन दिन सब्जी दी गयी. जब तक अधिकारी जांच के लिए आए, तब तक सब कुछ ठीक चल रहा था. लेकिन उसके बाद से पतली दाल और भात ही दिया जा रहा है .

हो सकती है बड़ी दुर्घटना

जांच रिर्पोट में कहा गया है कि जिस जगह पर खनन कार्य किया जा रहा है, वह बिरहोर टोला, पगार से बिल्कुल सटा हुआ है. इस क्षेत्र में खनन व परिवहन होने के कारण हवा में धूल भरी रहती है. प्रदूषण की गंभीर समस्या उत्पन्न हो रही है. बिरहोर टोला के निवासियों के स्वास्थ्य पर खराब असर हो रहा है. प्रदूषण के कारण श्वांस एवं अन्य बीमारियों की आशंका बनी हुई है. माइनिंग के लिए होने वाले विस्फोट से कभी भी बड़ी दुर्घटना घट भी सकती है.

ब्रीफ खबरें

अराफात की पहाड़ी पर जमा हुए हजयात्री

माउंट अराफात (सऊदी)। दुनिया भर से आए मुसलमान शनिवार को अराफात की पहाड़ी पर इबादत के लिए जमा हुए. अराफात पहाड़ी पर की जाने वाली इबादत को हज यात्रा का अंतिम चरण माना जाता है. यह पहाड़ी मक्का से करीब 20 किमी दक्षिण-पूर्व में स्थित है. लाखों की संख्या में हजयात्रियों ने तड़के अंधेरे में पैदल पहाड़ी की ओर बढ़ना शुरू किया था. माना जाता है कि 1,435 साल पहले पैगंबर मोहम्मद ने अपना अंतिम उपदेश इसी पहाड़ी पर दिया था, जिसमें उन्होंने मुसलमानों के बीच समानता और एकता का आह्वान किया था.

वीडियो तुरंत सोशल मीडिया से हटा दीजिए

नयी दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल को आबकारी नीति मामले से संबंधित अदालती कार्यवाही की वीडियो रिकॉर्डिंग विभिन्न सोशल मीडिया मंचों से हटाने का शनिवार को निर्देश जारी किया. इसके बाद ये वीडियो किया जाने लगा है.

पीएम 18 को किसानों के लिए जारी करेंगे सम्मान निधि

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सत्ता संभालने के बाद पहली बार 18 जून को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी का दौरा करेंगे. इस दौरान वह देश भर के 9.26 करोड़ लाभार्थी किसानों के लिए 20,000 करोड़ रुपए से अधिक की पीएम-किसान योजना की 17वीं किस्त जारी करेंगे.

जेब में नियम-कानून : नरसिंह इस्पात के एक से बढ़ कर एक कारनामे

27 एकड़ सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करके बैठी कंपनी

दिलीप कुमार। चांडिल

सरायकेला जिले में चौका-कांड्रा मार्ग पर खूंटी के पास नरसिंह इस्पात लिमिटेड नामक कंपनी है. कंपनी ने सरकारी वन भूमि पर कब्जा कर रखा है. कंपनी के खिलाफ 11 साल से मुकदमा चल रहा है. आरोप है कि नरसिंह इस्पात कंपनी ग्रीन ट्रिब्यूनल एक्ट का भी पालन नहीं करती है. इस्पात कंपनी पर वन भूमि का कब्जा करने के अलावा भी अनेक तरह के आरोप हैं. जिनमें कंपनी के मालिकों द्वारा पैसे का गबन करने और कैनाल के पानी का अवैध इस्तेमाल शामिल है. कंपनी के मालिकों में हेमंत गोयल, अनिल गोयल, समेत छह लोग शामिल हैं. कंपनी का मुख्यालय कोलकाता में है. नरसिंह इस्पात कंपनी के मालिक जेल भी जा चुके हैं. कहा तो यहां तक जाता है कि सत्ता के शीर्ष तक पहुंच रखने वाले कुछ लोग हैं, जो कंपनी के मालिकों को बचाने का काम करते हैं. इसमें आयरन ओर से जुड़े कारोबारी भी शामिल हैं. यही वजह है कि कंपनी के खिलाफ वन विभाग, जिला प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड कभी कोई कार्रवाई नहीं करता.

0.55 एकड़ सरकारी भूमि पर भी कब्जा : झारखंड सरकार यह बात भी मान चुकी है कि नरसिंह इस्पात ने वन भूमि पर कब्जा किया है. कंपनी ने कुल 9.94 हेक्टेयर समेत 10.12 हेक्टेयर वन भूमि पर अवैध कब्जा कर रखा है. इसके साथ ही कंपनी ने .55 एकड़ सरकारी भूमि पर भी अवैध कब्जा कर रखा है. नरसिंह इस्पात कंपनी पर आरोप है कि कुरली पीएफ में 0.24 हेक्टेयर, मुसरीबेड़ा पीएफ में 0.08 हेक्टेयर वनभूमि का अतिक्रमण किया है. इसके अलावा मुसरीकुदर पीएफ में 9.62 हेक्टेयर वन भूमि (खतियान में जंगल-झाड़ दर्ज) पर अतिक्रमण किया गया है. यही नहीं नरसिंह इस्पात कंपनी ने खूंटी मौजा के अलग-अलग प्लॉट में 0.26, 0.23 और 0.06 एकड़ सरकारी भूमि पर भी अतिक्रमण कर रखा है.

अवैध जमीन कब्जे का विवरण

10.12 हेक्टेयर वन भूमि और 0.55 एकड़ सरकारी जमीन

- झारखंड सरकार भी मान चुकी है अवैध कब्जे की बात, 11 साल से चल रहा है केस
- इस्पात कंपनी पर हैं और भी बड़े-बड़े आरोप, कंपनी के मालिक जा चुके हैं जेल भी
- कंपनी में किसी भी तरह के श्रम कानून का पालन भी नहीं होता, फिर भी सब चुप हैं

नरसिंह इस्पात लिमिटेड का प्रवेश द्वार.

2016 में विधानसभा में उठा था मामला

नरसिंह इस्पात कंपनी द्वारा वन भूमि पर अवैध कब्जा करने की पुष्टि आठ साल पहले ही हो चुकी है. इससे पहले वर्ष 2013 में कंपनी और इसके मालिकों के खिलाफ वनवाद (मामला) दर्ज किया गया था. कंपनी व इसके मालिकों द्वारा वन भूमि का कब्जा करने का मामला वर्ष 2016 में विधानसभा में भी उठा था. तत्कालीन विधायक साधु चरण महतो के सवालों के जवाब में राज्य सरकार ने माना था कि यह सच है कि कंपनी ने वन भूमि पर अवैध कब्जा करके कारखाना स्थापित किया है. सरकार ने यह भी जानकारी दी थी कि कंपनी के खिलाफ वर्ष 2013 में अदालत में मामला दर्ज किया गया है.

नहीं होती जनसुनवाई

नरसिंह इस्पात लिमिटेड पर यह भी आरोप है कि कंपनी ग्रीन ट्रिब्यूनल एक्ट का पालन भी नहीं करती है. एक्ट के मुताबिक प्रदूषण को लेकर आसपास के ग्रामीण के साथ प्रति वर्ष जन सुनवाई की जानी है. कंपनी ऐसा नहीं करती है. यह कंपनी अक्सर किसी न किसी मामले में चर्चा में रहती है. आरोप है कि कंपनी में कामगारों के लिए न तो मेडिकल की सुविधा है और न ही उन्हें श्रम कानून के तहत मिलने वाली अन्य सुविधाएं दी जाती हैं.

पवार बोले- थैंक यू मोदी जी

महाराष्ट्र विस चुनाव में भी महाविकास अघाड़ी साथ-साथ

एजेंसी। मुंबई

महाविकास अघाड़ी के नेताओं ने शनिवार को मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस की. जहां एनसीपी-एसपी नेता शरद पवार ने पीएम मोदी को थैंक्यू कहा. शरद पवार ने कहा, जहां-जहां मोदी का रोड शो और रैली हुई, वहां हमारी जीत हुई. इस वजह से मैं पीएम मोदी को धन्यवाद देना अपना कर्तव्य समझता हूं. एमवीए के लिए राजनीतिक माहौल अनुकूल बनाने के लिए हम मोदी को धन्यवाद देते हैं. महाविकास अघाड़ी के नेता शरद पवार, उद्धव ठाकरे और कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में लोकसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन को समर्थन देने के लिए जनता को भी धन्यवाद किया. महाराष्ट्र उन तीन राज्यों में से एक है, जिसने इस लोकसभा चुनाव में भाजपा और एनडीए को सबसे बड़ा झटका दिया.

एमवीए एकजुट है: उद्धव ठाकरे : पवार ने अपने भतीजे अजीत पवार को अपनी पार्टी में वापस लेने की किसी भी संभावना से इनकार किया. साल के अंत में महाराष्ट्र में विधानसभा के चुनाव भी होने वाले हैं. इसे लेकर शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने घोषणा की है कि एमवीए महाराष्ट्र विस चुनाव एक साथ लड़ेगा. मुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि भाजपा के खिलाफ कोई नहीं लड़ सकता, हमारी जनता ने उन्हें आईना दिखाया है. हम महाराष्ट्र के लोगों के बहुत आभारी हैं. ये लड़ाई संविधान और लोकतंत्र को बचाने की थी. अब मोदी सरकार बदल कर एनडीए सरकार हो गई है. यह सरकार कितने दिन काम करती है ये संदिग्ध है. हम साथ मिलकर विस चुनाव लड़ने जा रहे है. उद्धव ठाकरे, प्रमुख शरद पवार और कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा, महाविकास अघाड़ी ने ऐलान कर दिया है कि हम राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव भी साथ लड़ेंगे, क्योंकि हमारी ये लड़ाई संविधान को बचाने की है.

मुंबई में एमवीए की प्रेस कांफ्रेंस में उद्धव ठाकरे और शरद पवार.

मल्लिकार्जुन खरगे का बड़ा दावा

एनडीए सरकार ज्यादा दिन नहीं चलेगी

बेंगलुरु। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का दावा है कि एनडीए सरकार ज्यादा दिन नहीं चलेगी और ये कभी भी गिर सकती है. भाजपा को अपने सहयोगियों को एकजुट रखने में काफी परेशानी हो रही है. मोदी जी के पास जनादेश नहीं है, यह अल्पमत की सरकार है. यह सरकार कभी भी गिर सकती है. हमें देश को मजबूत बनाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए.

खरगे के बयान पर एनडीए का पलटवार : खरगे के बयान पर जदयू और भाजपा ने पलटवार किया है और उनसे पूछा कि जब कांग्रेस ने गठबंधन की सरकार बनाई थी, तब उनके पीएम का स्कोर कार्ड क्या थे? वहीं भाजपा नेता अन्नामलाई ने कहा, खरगे जी का सपना कभी पूरा नहीं होगा.

चुनाव नतीजों पर बोले टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी

भाजपा का अहंकार धूल में मिल गया

कोलकाता। बंगाल में भाजपा के प्रदर्शन पर टीएमसी लगातार हमलावर है. टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने कहा कि चुनाव के नतीजों ने भाजपा के अहंकार और अभिमान को धूल में मिला दिया है. उन्होंने भाजपा पर केंद्रीय एजेंसियों का दुरूपयोग करने, न्यायपालिका को भ्रष्ट करने, मीडिया पर पाबंदी लगाने और सत्ता पर काबिज रहने के लिए चुनाव आयोग का दुरूपयोग करने का भी आरोप लगाया. टीएमसी नेता ने कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव इतिहास में जोनोगोनर गोरजोन (लोगों की दहाड़) के रूप में स्वर्ण अक्षरों में अंकित होगा. उन्होंने अपने डायमंड हार्बर निर्वाचन क्षेत्र में पार्टी कार्यकर्ताओं और आम लोगों से मिलने के बाद फेसबुक पोस्ट में कही. टीएमसी महासचिव ने डायमंड हार्बर के लोगों को उन्हें भारी जनादेश देने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि बंगाल और देश ने 4 जून को एक नई सुबह देखी.

बवाल जारी सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में सीबीआई से कराई जाए नीट परीक्षा की गड़बड़ियों की जांच

पेपर लीक की बात सही, परीक्षा की पवित्रता संदिग्ध

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में एक और याचिका दायर कर नीट-यूजी परीक्षा रद्द करने और 5 मई की परीक्षा में कथित धांधली की सीबीआई या किसी अन्य स्वतंत्र एजेंसी द्वारा शीर्ष कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की गई है. मेडिकल प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए 20 छात्रों द्वारा दायर याचिका में एनटीए को नए सिरे से परीक्षा कराने का निर्देश देने की भी मांग की गई है. बता दें कि इससे पहले नीट प्रवेश परीक्षा (स्नातक)-2024 को लेकर अलग- अलग शिकायतों को उठाने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए, शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक और अन्य अनियमितताओं के आरोपों की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच की मांग वाली याचिका पर केंद्र और एनटीए से जवाब मांगा था.

नई याचिका में की गई है ये मांग

- नई याचिका में कहा गया कि व्यापक धांधली को देखते हुए, दोबारा परीक्षा लेने से केवल योग्य छात्रों को मेडिकल संस्थानों में प्रवेश पाने में मदद मिलेगी. अधिवक्ता धीरज सिंह द्वारा दायर याचिका में कहा गया कि रिपोर्टों के अनुसार, पेपर लीक होने के पुष्टि के मद्देनजर परीक्षा की पवित्रता संदिग्ध है, मामले केस दर्ज हुआ है और कई लोग को गिरफ्तार हुए हैं.
- एनटीए द्वारा घोषित परिणाम से पता चला कि 67 लोगों ने अधिकतम 720 में से 720 अंक प्राप्त किए. याचिका में कहा गया है कि करीब से विश्लेषण करने पर 620-720 अंक प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या में 400% से अधिक की वृद्धि भी सामने आएगी. उपर्युक्त भौतिक अनियमितताओं की सीबीआई या किसी अन्य स्वतंत्र एजेंसी या इस कोर्ट की निगरानी में गहन जांच हो, ताकि बड़ी संख्या में मेधावी छात्रों के साथ न्याय हो सके.
- एनटीए व अन्य को परीक्षा में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने और भविष्य में नीट-यूजी में कथित धोखाधड़ी, पेपर लीक, प्रतिरूपण, अनुचित साधनों आदि को ठीक करने के लिए प्रभावी निर्देश दिए जाएं.
- केंद्र और एनटीए ने शीर्ष कोर्ट को बताया था कि उन्होंने एमबीबीएस में प्रवेश परीक्षा देने वाले 1,563 लोगों को दिए गए ग्रेस मार्क रद्द कर दिए हैं. केंद्र ने कहा था कि उनके पास या तो दोबारा परीक्षा देने या समय की हानि के लिए उन्हें दिए गए प्रतिपूरक अंकों को छोड़ने का विकल्प होगा. परीक्षा 5 मई को 4,750 केंद्रों पर आयोजित की गई थी और इसमें 24 लाख बच्चों ने भाग लिया. नतीजे 14 जून को घोषित होने की उम्मीद थी, लेकिन उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पहले ही पूरा हो जाने के कारण 4 जून को घोषित किए गए.
- बिहार और गुजरात में पेपर लीक होने और परीक्षा में अन्य धांधली के आरोप लगे हैं. इन आरोपों के कारण कई शहरों में विरोध प्रदर्शन हुए और कई उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय में याचिकाएं दायर की गईं. कथित अनियमितताओं की जांच की मांग को लेकर 10 जून को दिल्ली में सैकड़ों छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया. 67 छात्रों ने 720 अंक प्राप्त किए, जो एनटीए के इतिहास में अभूतपूर्व है, जिसमें हरियाणा के फरीदाबाद के एक केंद्र से छह छात्र शामिल हैं, जिससे अनियमितताओं का संदेह पैदा होता है। यह आरोप लगाया गया है कि ग्रेस मार्क्स के कारण 67 छात्रों ने शीर्ष रैंक साझा की.

हादसे का शनिवार : उत्तराखंड के बद्रीनाथ हाइवे पर बड़ा हादसा

ट्रेवलर अलकनंदा में गिरी, 10 की मौत

एजेंसी। देहरादून

उत्तराखंड के बदरीनाथ हाइवे पर शनिवार को यात्रियों से भरा एक टेंपो ट्रैवलर बेकाबू होकर अलकनंदा नदी में जा गिरी. इस हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई है. जबकि 16 लोग घायल हो गए. मौके पर रेसक्यू ऑपरेशन जारी है. हादसा बद्रीनाथ हाइवे पर रेंतोली के पास हुआ, जहां यात्रियों से भरी ट्रेवलर नीचे लुढ़कते हुए अलकनंदा में समा गयी. ट्रेवलर में 26 से अधिक यात्री सवार थे. घटना की सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंच गई.

नदी का बहाव तेज होने की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा. एसपी डॉ विशाखा अशोक भदाणे ने इस हादसे की पुष्टि की. घटना की खबर मिलते ही एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंच गई. एमआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें रेसक्यू ऑपरेशन में जुटी हुी हैं. इस हादसे पर उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने भी दुख जताया है.

छत्तीसगढ़ : मुठभेड़ में आठ नक्सली ढेर, जवान शहीद

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल ग्रस्त नारायणपुर में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में आठ नक्सली मारे गए. इस घटना में सुरक्षाबल का जवान शहीद हो गया तथा दो अन्य घायल हैं. पुलिस ने बताया कि अभियान में नारायणपुर-कोंडागांव-कांकेर- दन्तेवाड़ा जिले का डीआरजी, विशेष कार्य बल और भारत तिब्बत सीमा पुलिस के 53वीं वाहिनी का बल शामिल हैं.

नक्सलियों से अब भी मुठभेड़ जारी है. मुठभेड़ में जवानों ने आठ नक्सलियों को मार गिराया है. घटना में सुरक्षाबल का एक जवान शहीद हुआ है तथा दो अन्य जवान घायल हैं. घायल जवानों को जंगल से बाहर निकाल लिया गया है.

ब्रीफ खबरें

खासमहाल जमीन को दिखाया रैयती, नप गए

रांची। राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसर राजीव कुमार सिंह पर गाज गिर गई है. सरकार ने इनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही चलाने का निर्णय लिया है. हजारीबाग सदर के तत्कालीन अंचल अधिकारी राजीव कुमार सिंह पर हजारीबाग कैन्टोनमेंट खाता संख्या-68, प्लॉट संख्या-366 एवं 387, रकबा क्रमशः 0.24 एकड़ व 0.28 एकड कुल रकबा 0.52 एकड़ भूमि जो खास महल थी. उस भूमि को रैयती भूमि दिखाकर जमाबंदी करने का आरोप है. इसके अलावा सरकारी भूमि का गलत तरीके से खरीद-विक्री को प्रोत्साहन देने एवं सरकारी भूमि को नुकसान पहुंचाकर सरकारी लीज भूमि से प्राप्त हाने वाली राजस्व को क्षति पहुंचाने का भी आरोप है. प्रथम दृष्टया में इसके ऊपर लगे आरोप प्रमाणित पाए गए हैं. आरोपों की जांच के लिए रिटायर्ड आइएएस गणेश कुमार को जांच पदाधिकारी बनाया गया है.

जदयू ने विस चुनाव को लेकर बैठक की

रांची। लोकसभा चुनाव परिणाम में जदयू के बेहतर प्रदर्शन से पार्टी कार्यकर्ता खासे उत्साहित हैं. प्रदेश जदयू ने लोकसभा चुनाव परिणाम के ठीक बाद झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारी और बैठकें आरंभ कर दी है. प्रदेश जदयू अध्यक्ष सह राज्यसभा सदस्य खीरू महतो की अध्यक्षता में जदयू के विधानसभा उम्मीदवारों, पूर्व विधायक व प्रमुख लोगों की शनिवार को प्रदेश कार्यालय में बैठक हुई. खीरू ने सभी को विधानसभा क्षेत्र में सदस्यता अभियान तेज करने, विधानसभा सम्मेलन करने एवं मतदाताओं को पार्टी के कार्यक्रमों से जोड़ने का निर्देश दिया. 15 हजार सदस्य वाले विस क्षेत्रों में चुनाव लड़ने पर पार्टी जोर देगी.

19 को होगी राज्य कैबिनेट की बैठक

रांची। कैबिनेट की बैठक 19 जून को होगी. बैठक प्रोजेक्ट भवन में शाम चार बजे से शुरू होगी. यह जानकारी मंत्रिमंडल सचिवालय एवं समन्वय विभाग ने दी. जानकारी कैबिनेट की बैठक में कई सड़क, कृषि से जुड़े कई प्रस्तावों को स्वीकृति दी जा सकती है. इसके अलावा ऊर्जा विभाग, पंचायती राज और ग्रामीण विकास विभाग के कई प्रस्तावों को भी हरी झंडी मिल सकती है. कैबिनेट की बैठक में कई नीतिगत निर्णय भी लिए जा सकते हैं.

झारखंड में 53.9 % लोग बिना लिखित कांट्रैक्ट के करते हैं काम

रवि भारती। रांची

झारखंड एक ऐसा राज्य है, जहां 53.9 फीसदी लोग बिना लिखित कांट्रैक्ट के काम करते हैं। वहीं निजी क्षेत्रों में काम कर रहे 45.7 प्रतिशत लोग पेड लीव के हकदार नहीं हैं. 59.8 प्रतिशत लोगों को सामाजिक सुरक्षा का लाभ नहीं मिलता है. इसका खुलासा राज्य सरकार के आंकड़ों में हुआ है.

ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने वालों की स्थिति दयनीय : ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने वाले पुरुषों की स्थिति काफी दयनीय है. ग्रामीण क्षेत्र के 64.1 प्रतिशत पुरुष बिना लिखित कांट्रैक्ट के काम कर रहे हैं. वहीं 17.1 प्रतिशत महिलाएं बिना लिखित कांट्रैक्ट के काम कर रही हैं. ग्रामीण क्षेत्र के 57 प्रतिशतपुरुष पेड लीव के हकदार नहीं हैं. 8.2 प्रतिशत महिलाओं को पेड लीव नहीं मिलता है. ग्रामीण क्षेत्रों के 70.3 प्रतिशत पुरुषों को सामाजिक सुरक्षा का लाभ नहीं मिलता है. वहीं 61.1 प्रतिशत ग्रामीण महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा का लाभ नहीं मिलता है.

45.7%
लोग पेड लीव के हकदार नहीं

59.8%
को नहीं मिलता है सामाजिक सुरक्षा का लाभ

शहरों में 44.2 प्रतिशत पुरुष बिना लिखित कांट्रैक्ट के करते हैं काम

शहरी क्षेत्रों में 44 .2 प्रतिशत पुरुष बिना लिखित कांट्रैक्ट के काम करते हैं .वहीं 58 .9 प्रतिशत महिलाएं शहरी क्षेत्र में बिना लिखित कांट्रैक्ट के काम कर रही हैं . शहरी क्षेत्रों में काम करने वाले 34 .9 प्रतिशत पुरुष पेड लीव के हकदार नहीं हैं . 49 .1 प्रतिशत महिलाओं को पेड लीव नहीं मिलता है . शहरी क्षेत्रों में काम करने वाले 41 .8 फीसदी पुरुषों को सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ नहीं मिलता है, जबकि 62 .2 प्रतिशत महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा का लाभ नहीं मिलता है .

झारखंड के देवघर व जामताड़ा से गुजरेगा रक्सौल-हल्दिया एक्सप्रेस-वे

संवाददाता। रांची

- देवघर में 65 और जामताड़ा में 50 किलोमीटर बनेगी सिक्स लेन सड़क
- देवघर से पटना और कोलकाता का सफर महज तीन घंटे में होगा पूरा

रक्सौल-हल्दिया एक्सप्रेस वे झारखंड के दो जिले जामताड़ा और देवघर से होकर गुजरेगा. इस एक्सप्रेस वे के तैयार हो जाने से देवघर से पटना और देवघर से कोलकाता का सफर महज तीन घंटे में ही पूरा होगा. केंद्र सरकार ने भारत माला प्रोजेक्ट के तहत रक्सौल - हल्दिया एक्सप्रेस -वे के प्राकलन की स्वीकृति दे दी है. इस एक्सप्रेस- वे के तहत देवघर में 65 किलोमीटर और जामताड़ा में 50 किलोमीटर सिक्स लेन का निर्माण किया जाएगा. भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत बन रहे रक्सौल-हल्दिया एक्सप्रेस वे की लागत लगभग 60 हजार करोड़ रुपये है. नेपाल की सीमा रक्सौल से हल्दिया तक यह सड़क 719 किलोमीटर होगी.

राज्य में सबसे बड़ा नक्सल दस्ता चाईबासा में एक्टिव

झारखंड में माओवादियों का सिर्फ 12 दस्ता ही सक्रिय

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड समेत पूरे देश में माओवाद कमजोर हुआ है. नतीजतन झारखंड में भाकपा माओवादी नक्सलियों का सिर्फ 12 दस्ता ही सक्रिय है. यह दस्ता चाईबासा के अलावा बोकारो, लातेहार, चतरा और पलामू जिले में सक्रिय है. नक्सलियों का सबसे बड़ा दस्ता चाईबासा जिले के जराइकेला व टोंटो थाना क्षेत्र में सक्रिय है. जबकि सबसे छोटा दस्ता चतरा जिले के लावालौंग थाना में सक्रिय है.

झारखंड के पांच जिले हैं माओवाद प्रभावित : केंद्रीय गृह मंत्रालय की समीक्षा के बाद देश के 9 राज्यों के 38 जिलों में अब सिर्फ माओवाद प्रभाव होने की बात सामने आयी है. इनमें झारखंड के पांच जिले भी शामिल हैं. केंद्र सरकार ने माओवाद प्रभाव के आधार पर एलडब्लूई (लेफ्ट विंग एक्सट्रीम) जिलों को तीन श्रेणियां में बांटा है. पहली श्रेणी में नक्सल प्रभाव वाले जिलों को रखा गया है. दूसरी श्रेणी में उन जिलों को रखा गया है, जो अति माओवाद प्रभावित हैं. तीसरी श्रेणी उन जिलों की है, जहां माओवाद का प्रभाव कम हो गया है, लेकिन अब भी वहां नजर रखने की जरुरत है. केंद्रीय गृह मंत्रालय के मुताबिक, झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम, गिरिडीह, गुमला, लातेहार, लोहरदगा माओवाद प्रभावित जिले हैं. इनमें पश्चिमी सिंहभूम को अति माओवाद प्रभावित जिले की सूची में रखा गया है. जबकि शेष चार नक्सल प्रभाव वाले जिलों गिरिडीह, गुमला, लातेहार व लोहरदगा को डिस्ट्रिक्ट आफ कंर्सन (डीओसी) की सूची में रखा गया है.

जानें कहां-कहां सक्रिय है नक्सलियों का दस्ता

- चाईबासा जिले के ज़राइकेला और टोंटो थाना क्षेत्र में मिसिर बेसरा, पतिराम मांझी, सिंगरई, अजय महतो का दस्ता सक्रिय है . इस दस्ते में 65 नक्सली कैडर शामिल है .
- चाईबासा जिले के गोइल केरा और सोनूवा थाना क्षेत्र में मेहनत, अमित मुंडा का दस्ता सक्रिय है . इस दस्ते में 30 नक्सली कैडर शामिल है .
- बोकारो जिले के जागेश्वर बिहार थाना क्षेत्र में विवेक और रघुनाथ का दस्ता सक्रिय है . इस दस्ते में 23 नक्सली कैडर शामिल है .
- लातेहार जिले के चंदवा थाना क्षेत्र में रविन्द्र गंझू का दस्ता सक्रिय है . इस दस्ते में पांच नक्सली कैडर शामिल है .
- लातेहार जिले के नेतरहाट थाना क्षेत्र में छोटू खेरवार का दस्ता सक्रिय है . इस दस्ते में 10 नक्सली कैडर शामिल हैं .
- चतरा जिले के लावालौंग थाना क्षेत्र में मनोहर गंझू का दस्ता सक्रिय है . इस दस्ते में तीन नक्सली कैडर शामिल है .
- पलामू जिले के मोहम्मदगंज और हैदरनगर थाना क्षेत्र में नितेश यादव का दस्ता सक्रिय है . इस दस्ते में छह नक्सली कैडर शामिल है .

खबरें कोर्ट की

गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव के शूटर शिव कुमार को हाईकोर्ट से मिली बेल

रांची। गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव के शूटर शिव कुमार उर्फ शिवेंद्र को झारखंड हाईकोर्ट ने जमानत दे दी है. शिव कुमार ने अपने अधिवक्ता अमन कुमार राहुल के माध्यम से जमानत याचिका दाखिल की थी. जिस पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय और जस्टिस दीपक रौशन की डबल बेंच में सुनवाई हुई. बता दें कि एटीएस ने शिव कुमार को 11 दिसंबर 2022 को गिरफ्तार किया था. जिसके बाद से वह न्यायिक हिरासत में था. इसी केस में अमन श्रीवास्तव का भाई अविक श्रीवास्तव समेत अन्य कई लोग आरोपी हैं. एटीएस ने शिव कुमार के खिलाफ वर्ष 2022 में कांड संख्या 1/2022 दर्ज की थी. कांड संख्या 1/2022 में एटीएस ने चार्जशीट भी दाखिल की है, जिसमें उसमें गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव, अविक श्रीवास्तव, चंद्रप्रकाश राणु , मंजरी श्रीवास्तव, एश्ले लकड़ा, प्रिंसराज श्रीवास्तव, विनोद कुमार पांडेय, अमजद खान, जहीर अंसारी, महमूद उर्फ नेपाली, असलम, फिरोज़ खान, सिद्धार्थ कुमार साहू, पिंटू और सुनील को आरोपी बनाया है. एटीएस ने अपनी चार्जशीट में बताया है कि अमन श्रीवास्तव गैंग के अपराधी रंगदारी व लेवी से पैसे जुटाते हैं और उन पैसों से हथियार खरीदकर आतंक कायम करने के लिए गोलीबारी व आगजनी कर व्यवसायियों-ठेकेदारों में खौफ फैलाते हैं.

लैंड स्कैम केस : ईडी को देना है जवाब

राजकुमार पाहन की अग्रिम बेल पर 6 जुलाई को सुनवाई

संवाददाता। रांची

लैंड स्कैम केस के आरोपी राजकुमार पाहन की अग्रिम जमानत पर अब छह जुलाई को रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में सुनवाई होगी. शनिवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने ईडी को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. दरअसल ईडी ने हेमंत सोरेन से जुड़े लैंड स्कैम केस में प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन (पीसी) दायर की है, जिसपर पीएमएलए कोर्ट ने संज्ञान लिया है. कोर्टके संज्ञान लिये जाने के बाद आर्किटेक्ट विनोद सिंह और राजकुमार पाहन पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है, क्योंकि अदालत ने आर्किटेक्ट विनोद सिंह और राजकुमार पाहन के खिलाफ समन जारी कर दिया है.

केस के प्रमुख दोनों आरोपी जेल में बंद

बता दें कि इस केस के प्रमुख आरोपी पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और बड़गाईं अंचल के हल्का कर्मचारी भानु प्रताप फिलहाल बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में न्यायिक हिरासत में बंद हैं . ईडी ने 31 जनवरी को लैंड स्कैम से जुड़े मामले में हेमंत सोरेन सात घंटे से ज्यादा देर तक पूछताछ की थी . लंबी पूछताछ के बाद देर रात हेमंत सोरेन ने सीएम पद से इस्तीफा दिया था, जिसके बाद ईडी ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था .

पूर्व सीएम हेमंत के खिलाफ ईडी के कंप्लेन केस पर 28 को सुनवाई

संवाददाता। रांची

मनी लाउंड्रिंग के आरोपी पूर्व मुख्यमंत्री और बरहेट के विधायक हेमंत सोरेन के खिलाफ ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) द्वारा दर्ज शिकायत वाद (कंप्लेन केस) पर रांची सिविल कोर्ट के एमपी एमएलए कोर्ट में अब 28 जून को सुनवाई होगी. पिछली सुनवाई में कोर्ट ने हेमंत सोरेन को अपना पक्ष रखने के लिए समन जारी किया था. निचली अदालत द्वारा समन जारी किये जाने के आदेश को हेमंत सोरेन ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है. अब तक हुई सुनवाई में कोर्ट ने प्रथम दृष्टया (प्राइमा फेसी) यह माना है कि हेमंत सोरेन ने ईडी के समन का उल्लंघन किया है. दरअसल जमीन घोटाले से जुड़े मामले में ईडी ने हेमंत सोरेन को अलग अलग तारीखों में 10 बार समन जारी किया था. लेकिन हेमंत सोरेन सिर्फ दो समन पर पेश हुए थे. आठ समन पर वह एजेंसी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए थे. जिसे समन की अवहेलना माना गया है.

झारखंड के 12 सहित देश भर के 62 कोल ब्लॉक की नीलामी शीघ्र

संवाददाता। रांची

देशभर में 62 कॉमर्शियल कोल ब्लॉक की नीलामी की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी. इसमें झारखंड के 12 कोल ब्लॉक भी शामिल हैं. केंद्र सरकार के 2047 तक ऊर्जा स्वतंत्रता प्राप्त करने और कोयले में 'आत्मनिर्भरता' सुनिश्चित करने के विजन के अनुरूप कोल मंत्रालय अगले सप्ताह वाणिज्यिक कोल ब्लॉक नीलामी के 10वें दौर की शुरुआत करेगा. कोल मंत्रालय ने निर्देश दिया है कि पूर्ण पारदर्शिता और अधिकतम राजस्व सुनिश्चित किया जाना चाहिए. नीलामी के 10वें दौर में लगभग 62 ब्लॉक बिना अंतिम उपयोगकर्ता प्रतिबंधों के पेश किए जाने की संभावना है.आवंटियों के लिए इन वाणिज्यिक ब्लॉकों से प्राप्त कोयले को मुक्त बाजार में बेचने की अनुमति है.

2020 में शुरू हुई थी कॉमर्शियल कोल ब्लॉक की नीलामी

जून 2020 में वाणिज्यिक कोल ब्लॉक नीलामी की शुरुआत की गई थी . तब से, पिछले नौ दौर में कोयला मंत्रालय ने 256 मीट्रिक टन की अधिकतम क्षमता वाले 107 कोयला ब्लॉक की सफलतापूर्वक नीलामी की है . अब तक 11 वाणिज्यिक कोयला ब्लॉक चालू हो चुके हैं . पिछले वर्ष वाणिज्यिक ब्लॉकों से 17 .5 एमटी कोयले का उत्पादन किया गया . कोयला मंत्रालय ने बोली लगानेवालों को भौगोलिक विशेषताओं की उचित जानकारी की सुविधा के लिए पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान पर कोल ब्लॉक पोर्टल विकसित किया है .

पावर सब स्टेशनों के अर्थिंग में डाला जा रहा पानी

आग उगलती गर्मी नहीं झेल पा रहे विभाग के ट्रांसफॉर्मर

- जेवीएनएल की अपील, आवश्यकता के अनुसार ही करें बिजली का उपयोग

प्रमुख संवाददाता। रांची

आग उगलती गर्मी ने आम लोगों की बेचैनी तो बढ़ा ही दी है. लोगबाग मॉनसून की ओर टकटकी लगाए बैठे हैं. वहीं सप्लाई ट्रांसफॉर्मर आग उगलती गर्मी को झेल नहीं पा रहे हैं. गर्मी के कारण लोड काफी बढ़ गया है. राजधानी रांची में बिजली की मांग 300 मेगावाट तक बढ़ गई है. लो वोल्टेज की समस्या भी बरकरार है. अब बिजली वितरण निगम द्वारा ट्रांसफॉर्मर की गर्म होने से बचाने और लो वोल्टेज की समस्या से निजात पाने के लिए पावर सब स्टेशनों में सुबह दोपहर और शाम अर्थिंग में पानी डाला जा रहा है. जिससे ट्रांसफॉर्मर गर्म होने से बच सके. उपभोक्तोओं को लो वोल्टेज से निजात मिल सके.

हड़ताल के कारण पानी की आपूर्ति नहीं हो सकी

बिजली वितरण निगम ने रूक्का डैम से पानी की आपूर्ति नहीं होने पर अपना पक्ष रखा है . वितरण निगम ने कहा है रूक्का डैम के पंप ऑपरेटरों की हड़ताल के कारण पानी की आपूर्ति बाधित रही . शनिवार को वितरण निगम के अफसरों ने रूक्का डैम में जाकर पावर सप्लाई का जायजा लिया . अफसरों ने पाया कि पंप चलाने के लिए जितनी बिजली चाहिए थी, उतनी उपलब्ध रही . लो वोल्टेज की भी समस्या नहीं थी . 11 केवी लाइन में वोल्टेज भी सही था . पंप ऑपरेटर को पिछले तीन माह का वेतन नहीं मिलने के कारण वे हड़ताल पर हैं .

आलमगीर आलम सहित नौ आरोपियों की न्यायिक हिरासत अवधि 29 तक बढ़ी

संवाददाता। रांची

टेंडर कमीशन घोटाला मामले में मंत्री आलमगीर आलम सहित नौ आरोपितों की न्यायिक हिरासत अवधि 14 दिनों के लिए बढ़ा दी गई है. सभी आरोपितों की पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में शनिवार को हुई. अब इनकी अगली पेशी 29 जून को होगी. आरोपितों में पूर्व मंत्री आलमगीर आलम, संजीव लाल, जहांगीर आलम, ग्रामीण कार्य विभाग के पूर्व मुख्य अभियंता वीरेंद्र राम, उनका भतीजा आलोक रंजन, हरीश यादव, नीरज मित्तल, रामप्रकाश भाटिया और तारा चंद शामिल हैं. टेंडर घोटाला मामले में ईडी ने पहली कार्रवाई 21 फरवरी, 2023 को की थी. इस समय ग्रामीण विकास विभाग के पूर्व मुख्य अभियंता वीरेंद्र राम के कई ठिकानों पर ईडी ने छापेमारी की थी. इसके बाद 23 फरवरी को ईडी ने वीरेंद्र राम को गिरफ्तार किया था.

मामले में वीरेंद्र राम के करीबी और सहयोगियों को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था. वीरेंद्र राम को रिमांड पर लेकर हुई ईडी की पूछताछ में टेंडर कमीशन में कई लोगों के शामिल होने की जानकारी ईडी को मिली थी.

जिला शिक्षा पदाधिकारी से मिला प्रतिनिधमंडल

रांची । झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ रांची के जिला अध्यक्ष सफदर इमाम व सचिव मुकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों का प्रतिनिधिमंडल जिला शिक्षा पदाधिकारी से मिलकर जिले में माध्यमिक संवर्ग से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की. इसमें विशेष रूप से 2019 बैच और उसके पूर्व जिन शिक्षकों का सेवा संपुष्टि प्रक्रियाधीन हैं उसे शीघ्र ही संपन्न करने के लिए कहा गया. साथ ही 12 वर्षों की सेवा अवधि पूर्ण कर चुके शिक्षकों के वरीय वेतनमान निर्धारण करने और प्रवर वेतनमान के लिए शिक्षकों के कार्यालय में जमा प्रपत्र को लेखा पदाधिकारी को भेजकर जल्द से जल्द निपटारा किया जाए. इस बार के जेसीईटीआरटी के वार्षिक अवकाश तालिका में स्थानीय छुट्टी का निर्धारण के लिए उपायुक्त को अनुमोदन के लिए भेजा जाए.

क्लासिफाइड

झारखंड पुलिस की रिपोर्ट छोटे त्योहारों में भी विधि व्यवस्था की समस्या हो रही उत्पन्न

छोटे-छोटे पर्व त्योहार भी अब हो रहे संवेदनशील

सौरभ सिंह । रांची

झारखंड में छोटे-छोटे त्योहार भी संवेदनशील होते जा रहे हैं. इस बात का खुलासा झारखंड पुलिस की रिपोर्ट से हुआ है, जो उसने बीते 11 जून को सीएम चंपाई सोरेन की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में पेश की थी. रिपोर्ट के मुताबिक, हाल के कुछ वर्षों में कम संवेदनशील त्योहारों (सरस्वती पूजा, गणेश पूजा, मिलाद उल नबी) में भी विधि व्यवस्था की गंभीर समस्या उत्पन्न हुई है. झारखंड के जो क्षेत्र पहले सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील नहीं थे, अब वहां भी पर्व-त्योहारों में अशांति का माहौल देखा जा रहा है. इसमें संथाल परगना के सभी जिले सहित कोडरमा जिला शामिल है. रिपोर्ट में यह बात भी सामने आयी है कि इन दिनों लगभग सभी पर्व-त्योहारों में निकलने वाले जुलूसों में युवा, बच्चे और विशेषकर महिलाओं की बड़ी भागीदारी है.

रामनवमी और काली पूजा के दौरान सांप्रदायिक हिंसा की हुई घटनाएं : झारखंड पुलिस की रिपोर्ट के मुताबिक, बीते एक साल के दौरान रामनवमी और काली पूजा के दौरान सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएं हुई हैं. रामनवमी के दौरान जहां हजारीबाग, बोकारो और जमशेदपुर जिले में तीन सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएं हुईं. वहीं दूसरी तरफ काली पूजा के दौरान गोड्डा जिले में एक सांप्रदायिक हिंसा की घटना देखने को मिली थी. आने वाले दिनों में ऐसे दो महत्वपूर्ण पर्व-त्योहार हैं, जो सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील हैं, जिनमें 17 जून को बकरीद और 17 जुलाई को मोहर्रम शामिल है.

असामाजिक तत्व सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की रच रहे साजिश

झारखंड में बीते एक साल के दौरान असामाजिक तत्वों ने सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की कई बार साजिश रची . राज्य के अलग-अलग जिलों में असामाजिक तत्वों ने सालभर के अंदर अलग-अलग धार्मिक स्थलों में 20 बार से अधिक तोड़फोड़ कर सांप्रदायिक माहौल बिगड़ने की कोशिश की . असामाजिक तत्व कई बार सफल भी हुए . जबकि कई जगहों पर पुलिस की तत्परता से माहौल को शांत हो गया .

जानें त्योहारों में कब और कहां उत्पन्न हुई विधि व्यवस्था की समस्या

17 फरवरी 2024 : रांची के नगड़ी बाजार स्थित मस्जिद के पास मां सरस्वती की प्रतिमा विसर्जन जुलूस पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने पत्थरबाजी की थी .

28 जनवरी 2023 : जामताड़ा के नारायणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत डोकीडीह गांव में सरस्वती प्रतिमा विसर्जन के दौरान पुलिस पर पथराव किया गया था .

30 जनवरी 2023 : गोड्डा जिले के मेहरमा थाना के सुड़नी गांव में मूर्ति विसर्जन के दौरान दो समुदायों में मारपीट हुई थी .

02 अप्रैल 2023 : साहिबगंज में मूर्ति विसर्जन के दौरान पथराव हुआ था .

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, रविवार 16 जून 2024 ● ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 10 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 (कटा हुआ) ● वर्ष : 2, अंक : 68 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

कुमांडीह रेल हादसा : इसे विधि का विधान कहें या मानवीय भूल...

आशीष टैगोर। लातेहार

इसे विधि का विधान कहें या फिर मानवीय भूल. बीती शुक्रवार की रात देखते ही देखते तीन निर्दोष की जान चली गयी. आखिर किसे पता था कि यह उनकी अंतिम यात्रा होगी. सीआईसी सेक्शन के कुमांडीह रेलवे स्टेशन की हृदय विदारक घटना ने लोगों को झकझोर दिया है. तीन रेल यात्रियों के क्षत विक्षत शव रेलवे ट्रैक पर बिखरे थे. जिसने भी देखा, कहा- भगवान ऐसी मौत दुश्मन को भी न दें.

घटना की सूचना मिलने के बाद हाजीपुर के जीएम तरुण प्रकाश और धनबाद के डीआरएम कमल किशोर सिन्हा बीती रात करीब एक बजे मौके पर पहुंचे थे. उन्होंने रेलवे अधिकारियों से मामले की जानकारी ली. मृतक के परिजनों से मिल कर हादसे पर दुख जताया. उन्होंने घटना की जांच के आदेश दिये हैं. कहा कि रेलवे के तीन आला अधिकारियों के द्वारा इस घटना की जांच की जाएगी. सभी मृतक के परिजनों को प्रावधानों के अनुसार मुआवजा दिया जाएगा. तत्काल उन्हें 50-50 हजार रुपये का आर्थिक सहयोग दिया गया है.

जीएम व डीआरएम ने किया घटनास्थल का निरीक्षण, कहा- मृतक के परिजनों को मिलेगा प्रावधान के अनुसार मुआवजा

रेल दुर्घटना में तीनों मृतकों की हुई पहचान, घायल बच्ची रांची की

शुक्रवार की रात्रि बरकाकाना-बरवाडीह रेलखंड के कुमंडीह रेलवे स्टेशन पर एक महिला समेत तीन यात्री मालगाड़ी की चपेट में आ गये थे और उनकी मौके पर ही मौत हो गयी थी. मृतक महिला की शिनाख्त मंजू देवी (नासरीगंज, रोहतास) के रूप मे की गयी है. जबकि दूसरे मृतक की नंदलाल शुक्ला (मेदिनीनगर) और तीसरे मृतक विकास कुमार रजक (काशीपुर, गढ़वा) के रूप में पहचान की गयी है. शनिवार को तीनों शवों का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया. वहीं, इस हादसे में घायल दो वर्षीय पिहू कुमारी (अशोकनगर, रांची) का रेलवे अधिकारियों की निगरानी में उसका रांची में इलाज चल रहा है.

शुभम संदेश फॉलोअप

घटनास्थल पर हादसे की जानकारी लेते पूर्व विधायक हरेकृष्ण सिंह.

लाइन क्लियर नहीं रहने पर कुमांडीह में खड़ी थी ट्रेन

रांची-सासाराम इंटरसिटी एक्सप्रेस लातेहार रेलवे स्टेशन में रात 7.44 बजे पहुंची और 7.46 बजे रवाना हुई. कुमंडीह रेलवे स्टेशन पर 19: 58 बजे पहुंच कर रूक गयी. यहां इस ट्रेन का स्टॉपेज नहीं है. कुमांडीह से आगे हेहेगढ़ा रेलवे स्टेशन पास लाइन क्लियर नहीं रहने के कारण उसे कुमांडीह में रोका गया था. अप लाइन पर पहले से ही एक मालगाड़ी खड़ी थी. इसीलिए इंटरसिटी एक्सप्रेस मेन लाइन में खड़ी की गई थी. बताया जाता है कि कुमांडीह में ट्रेन रूकने के चार मिनट बाद ट्रेन के पिछले बोगी में किसी ने अफवाह उड़ाई की बोगी में आग लग गई है. अफरा तफरी मच गयी और लोग ट्रेन से उतर कर भागने लगे. कुछ यात्री तो सुरक्षित निकल गए, लेकिन तीन यात्री एक मालगाड़ी की चपेट में आ गये और मौके पर ही उनकी मौत हो गई.

धरने पर बैठ गये पूर्व विधायक

मनिका के पूर्व विधायक हरिकृष्ण सिंह भी सूचना मिलने के बाद कुमांडीह रेलवे स्टेशन पहुंचे. उन्होंने घटना की जानकारी ली और सांसद कालीचरण सिंह को मामले से अवगत कराया. मौके पर मौजूद लोगों ने मालगाड़ियों को लूप लाइन में चलाने की मांग की. कहा कि अगर लूप लाइन में मालगाड़ी का परिचालन होता, तो यह घटना नहीं घटती. बाद में मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देने एवं घटना की जांच कराने की मांग को लेकर पूर्व विधायक धरना पर बैठ गये. हालांकि थोड़ी देर बात रेलवे अधिकारियों से बात होने के बाद उन्होंने धरना समाप्त कर दिया.

हादसे का शनिवार | लातेहार, सिमडेगा व खूंटी में सड़क दुर्घटनाएं

चार लोगों की मौत, पांच गंभीर

झारखंड के अलग-अलग जिलों में शनिवार हादसे का दिन बन कर आया. लातेहार, सिमडेगा व खूंटी में अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गयी. इसमें लातेहार में एक, सिमडेगा में दो और खूंटी में एक व्यक्ति की मौत हो गयी. वहीं, चार महिला समेत पांच लोग घायल हो गये. लातेहार में जहां अनियंत्रित बोलेरो ने दीवार तोड़ते हुए घर के अंदर सो रहे लोगों को कुचल दिया. वहीं, सिमडेगा में ट्रेलर ने बाइक सवार तीन लोगों को रौंद दिया. खूंटी में सड़क हादसे में आईआरबी जवान की मौत हो गयी.

ट्रेलर ने 3 को रौंदा, 2 की मौत

संवाददाता। सिमडेगा

1 कोलेबिरा थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच 143 पर नावाटोली बगीचा के पास ट्रेलर की चपेट में आने से बाइक सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी. वहीं एक गंभीर रूप से घायल है. जानकारी के अनुसार, शनिवार की सुबह लाय केरा निवासी अजय बागे, डांड़टोली निवासी चामू सोरेंग व टुइयां प्रधान कोलेबिरा के गलायटोली में अपने एक रिश्तेदार के घर अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए बाइक से जा रहे थे.

इस बीच नवाटोली के पास पेट्रोल पंप से बाइक में पेट्रोल भराने के लिए सड़क पार रहे थे. इसी क्रम में सिमडेगा की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रेलर (एनएल 01 एएच 3692) ने बाइक सवार तीनों लोगों अपनी चपेट में ले लिया. इस घटना में चामू सोरेंग व अजय बागे की मौके पर ही मौत हो गयी. वहीं टुइयां प्रधान गंभीर रूप से घायल हो गया. ग्रामीणों की सूचना पर कोलेबिरा पुलिस ने ट्रेलर को पकड़ लिया. वहीं, घायल को एंबुलेंस से कोलेबिरा सामुदायिक सवास्थ केंद्र भेजा. दोनों मृतक के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सिमडेगा भेज दिया गया. वहीं, गंभीर रूप से घायल टुइयां प्रधान को डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए सिमडेगा सदर अस्पताल रेफर कर दिया.

» घायल का सिमडेगा सदर अस्पताल में चल रहा इलाज

» एक ही बाइक पर सवार होकर जा रहे थे तीन लोग

सड़क किनारे पड़े शव और घटनास्थल पर मौजूद पुलिस के जवान केसाथ आसपास के लोगों की भीड़ व इनसेट में दुर्घटनाग्रस्त मोटरसाइकिल.

कार ने बाइक को मारी टक्कर, एक की मौत

2 **खूंटी।** जरियागढ़ थाना क्षेत्र के तोरपा-कर्रा मुख्य पथ के बाला डुमारी गांव के समीप शनिवार को तेज रफ्तार कार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी. इस घटना में बाइक सवार सड़क पर गिर गया और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई. मृतक की पहचान ऑस्कर हेंब्रम (36) के रूप में की गई है. वह तोरपा थाना के बारकुली रायटोली का रहने वाला था और इंडिया रिजर्व बटालियन, धुर्वा में पदस्थापित था. जानकारी के अनुसार, ऑस्कर हेंब्रम बारकुली राय टोली स्थित अपने घर से बाइक से रांची जा रहा था. इसी दौरान बाला डुमारी गांव के पास दुर्घटना हो गयी.

मुआवजे की मांग को लेकर शव के साथ सड़क पर प्रदर्शन करते ग्रामीण.

अनियंत्रित बोलेरो घर में घुसी, 1 की मौत, 4 गंभीर

संवाददाता। लातेहार

- सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद तीन महिलाएं रांची के रिम्स रेफर

3 सदर थाना क्षेत्र की तरवाडीह पंचायत के कोने गांव में शुक्रवार की देर रात एक अनियंत्रित बोलेरो एक घर की दीवार को तोड़ते हुए अंदर प्रवेश कर गयी. इस घटना में घर के अंदर कमरे में सो रहे राजदेव लोहरा की मौके पर ही मौत हो गयी. वहीं, उसकी पत्नी शकुंती देवी (45), बेटी आरती कुमारी (18) एवं गांव की अन्य दो महिलाएं करमी देवी (40) व फंदनी देवी (40) गंभीर रूप से घायल हो गईं.

हादसे की सूचना मिलने के बाद रात में ही मुखिया राधा देवी व पूर्व मुखिया जलेश्वर लोहरा मौके पर पहुंचे. उन्होंने सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया. चिकित्सक ने शकुंती देवी, आरती कुमारी व कुरमी देवी की हालत गंभीर देखते हुए तीनों को रांची के रिम्स रेफर कर दिया गया.

शादी समारोह से लौट कर सो रहे थे सभी लोग : घटना के बाबत मृतक के बेटा जितेंद्र लोहरा ने बताया कि वे लोग हेरहंज प्रखंड में एक शादी समारोह में शिरकत कर घर लौटे थे. परिवार के सभी लोग घर के एक कमरे में सो रहे थे. गांव की दो महिलायें भी साथ में सोई हुई थीं. इस बीच अचानक से एक बोलेरो घर की दीवार तोड़ते हुए कमरे में सोये लोगों को कुचल दिया.

दो घंटे सड़क जाम : घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने शनिवार की सुबह नवरंग चौक के पास शव रख कर सड़क जाम कर दिया. ग्रामीण 10 लाख रुपये मुआवजे की मांग कर रहे थे. सदर थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिन्हा ने ग्रामीणों को समझा बुझा कर जाम हटवाया. इस दौरान करीब दो घंटे सड़क जाम रहा.

खेल में तेल का खेल

पर्यटन विभाग के अफसर करेंगे जांच

शुभम संदेश में 14 जून को छपी खबर.

शुभम किशोर । रांची

झारखंड की राजधानी रांची में पिछले साल 27 अक्टूबर से पांच नवंबर तक महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन हुआ था. आयोजन में विभिन्न मदों में अनियमितता बरते जाने के मामले सामने आये. ई-रिक्शा में डीजल भराने व डीजल पर जीएसटी वसूलने, टेंडर में पक्षपात, डिनर के एवज में ज्यादा का भुगतान किये जाने के मामले सामने आने के बाद खेल मंत्री हफीजुल अंसारी ने मामले की जांच के आदेश दिये हैं. खेल मंत्री के अनुसार, खेल सचिव ने जांच को लेकर कमेटी का गठन कर लिया है. सभी मामलों की जांच पर्यटन विभाग के अधिकारी करेंगे. खेल मंत्री ने कहा कि 17 जून तक विभाग बंद है. विभाग के खुलते ही जांच शुरू होगी. दावा किया कि एक सप्ताह के अंदर जांच पूरी कर ली जाएगी.

वेंडर ने जीएसटी मद की राशि वापस की

महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन के वक्त खिलाड़ियों सहित अन्य ऑफिशियल के लिए जिन गाड़ियों का इस्तेमाल किया गया था, उसके बिल का भुगतान किया गया. लेकिन बिल में डीजल की कीमत के साथ पांच प्रतिशत जीएसटी भी लगाया गया है और विभाग ने आंख मूंद कर भुगतान भी कर दिया. इतना ही नहीं ई-रिक्शा ऑटो में न सिर्फ डीजल भराया गया, बल्कि बिल का भुगतान भी किया गया है. हालांकि वेंडर नें गलती मानते हुए माफीनामा विभाग को सौंप दिया और जीएसटी की राशि भी वापस कर दी है. लेकिन विभाग के जिसे सख्श ने आंख मूंद कर न सिर्फ बिल पास किया, बल्कि भुगतान भी किया, इसकी जांच अभी बाकी है. इसके अलावा खिलाड़ियों व ऑफिशियल्स के लिए जो ग्रैंड भोज का आयोजन किया गया, उसकी बिलिंग पर सवाल उठाये जा रहे हैं. वहीं टेंडर में भी पक्षपात का आरोप लगा है.

मिल कर विकास की नयी गाथा लिखेंगे : संजय सेठ

संवाददाता। चांडिल

रांची के सांसद सह रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ चुनाव जीतने के बाद शनिवार को पहली बार ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र पहुंचे. इस दौरान चांडिल, ईचागढ़, नीमडीह और कुकड़ू प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर मतदाताओं व कार्यकर्ताओं का आभार प्रकट किया. केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि दूसरी पारी में हम सभी मिल कर विकास की नई गाथा लिखने का काम करेंगे. उन्होंने कहा

कि केंद्रीय मंत्री बनाए जाने के बाद निश्चित रूप से जिम्मेदारी बढ़ी है, लेकिन उनका हर समय क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित है. लोगों ने अपना विश्वास उन पर जताया है, तो निश्चित रूप से वे उनके विश्वास पर खरा उतरने का काम करेंगे

देवघर एम्स का लिंक फेल होने से मरीज रहे परेशान

संवाददाता। देवघर/देवीपुर

- आयुष काउंटर पर कतार में खड़ी महिला हो गई बेहोश
- चिकित्सकों से मिलने में मरीजों को लग जाते हैं चार-पांच घंटे

आखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, देवघर का लिंक फेल हो जाने के कारण शनिवार को अस्पताल में आए मरीज व उनके परिजनों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा. इस दौरान आयुष विभाग के काउंटर पर काफी देर तक कतार में खड़ी एक महिला बेहोश होकर गिर गई. वहां पर मौजूद मरीजों के परिजनों ने महिला के चेहरे पर पानी का छिड़काव किया, जिसके बाद महिला होश में आई. मालूम हो कि अस्पताल में 300 चिकित्सकों की ड्यूटी लगी है, फिर भी मरीजों को डॉक्टरों ये मिलने में चार घंटे का समय लग जाता है. यहां भागलपुर, गोड्डा और पश्चिम बंगाल से भी मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं. लेकिन

महिला को पानी पिलाते लोग.

इलाज के नाम पर उन्हें सिर्फ उसे परेशानी ही झेलनी पड़ रही है. चिकित्सकों से मिलने में मरीजों को चार घंटे लग जाते हैं.

दक्षता परिचय | कैबिनेट सचिव से लेकर पीएम के सलाहकार पद तक झारखंड कैडर के आइएएस आसीन

केंद्र में टॉप पायदान पर कार्यरत हैं झारखंड कैडर के ब्यूरोक्रेट्स

रवि भारती। रांची

- रसायनिक हथियारों की देखरेख भी झारखंड के अफसर के जिम्मे
- इस्पात, श्रम, स्वास्थ्य और उच्च शिक्षा मंत्रालय का भी देख रहे काम

झारखंड कैडर के आइएएस अफसरों ने राज्य के नीतिगत निर्णयों में अपनी दक्षता का परिचय तो दिया ही, केंद्र में भी अपने बेहतर दूरदर्शी विजन से कई नीतियों को अंजाम तक पहुंचाया है. उनके ही विजन की बदौलत आम जनता को कई कल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी मिल रहा है. झारखंड कैडर के ब्यूरोक्रेट्स टॉप पायदान पर पदस्थापित हैं. राजीव गौबा कैबिनेट सेक्रेटरी के पद पर आसीन हैं. यह पद ब्यूरोक्रेसी का सर्वोच्च पद है. वहीं झारखंड कैडर के रिटायर्ड आइएएस अमित खरे दूसरी बार प्रधानमंत्री के सलाहकार बनाए गए हैं.

गौबा ने धारा 370 हटाने का मसौदा तैयार किया था

आईएएस राजीव गौबा ने केंद्र में गृह सचिव रहते हुए आर्टिकल 370 को हटाने, जम्मू-कश्मीर के पुनर्निर्माण के फैसले के मसौदे को तैयार करने और इसे सफलतापूर्वक लागू कराने में अहम भूमिका निभाई. अपनी एक छोटी सी कोर टीम के साथ उन्होंने इस फैसले के संवैधानिक और कानूनी पहलुओं को अंतिम रूप दिया. गौबा झारखंड में मुख्य सचिव भी रह चुके हैं. यहां भी लेबर रिफार्म, मंत्रालयों व विभागों का पुनर्गठन, लेटरल इंट्री तथा ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में किए गए उनके प्रयासों से ही झारखंड ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में तीसरे स्थान पर रहा था.

अमित खरे ने नई शिक्षा नीति बनाने में निभाई अहम भूमिका

अमित खरे बिहार-झारखंड कैडर के 1985 बैच के रिटायर्ड आइएएस हैं. उन्हें पहली बार अक्टूबर 2021 में दो साल के लिए पीएम मोदी का एडवाइजर नियुक्त किया गया था. इसके बाद 2023 में फिर से उनके कार्यकाल का विस्तार किया गया. केंद्र में शिक्षा विभाग के सचिव के रूप में नई शिक्षा नीति बनाने में अमित खरे की अहम भूमिका रही है. उन्हें बिहार-झारखंड में बहुचर्चित 940 करोड़ के चारा घोटाले को उजागर करने वाले अफसर के रूप में याद किया जाता है. उनका भारतीय प्रशासनिक सेवा में 36 सालों का करियर बेहद शानदार रहा है. चाईबासा में उपायुक्त के पद पर भेजे गए, तो डायन प्रथा की आड़ में महिलाओं की प्रताड़ना के खिलाफ बड़ा अभियान शुरू किया. बिहार में मेडिकल और इंजीनियरिंग की पारदर्शी परीक्षा प्रणाली स्थापित करने का श्रेय भी अमित खरे को ही जाता है.

एनएन सिन्हा व अलका तिवारी अहम भूमिका में

सीएस रैंक के अफसर एनएन सिन्हा और अलका तिवारी भी केंद्र में अहम भूमिका निभा रहे हैं. अलका तिवारी केंद्र में नेशनल कमीशन फॉर शिड्यूल ड्राइव में सचिव के पद पर तैनात हैं. वहीं एनएन सिन्हा इस्पात मंत्रालय में सचिव के पद पर तैनात हैं. एमएस भाटिया नेशनल ऑथिरिटी ऑफ केमिकल वेपन के चेयर पर्सन के पद पर तैनात हैं. वहीं निधि खरे देश भर के उपभोक्ताओं का ख्याल रख रही हैं.

केंद्र में अहम मंत्रालयों में झारखंड के अफसर

केंद्र में झारखंड कैडर के आइएएस अहम मंत्रालयों में अपनी भूमिका बखूबी निभा रहे हैं. सुनील वर्णवाल उच्च शिक्षा मंत्रालय में एडिशनल सेक्रेटरी के पद पर हैं. राहुल शर्मा कैबिनेट सेक्रेट्रेरियट में एडिशनल सेक्रेटरी के पद पर तैनात हैं. केके सोन श्रम मंत्रालय में संयुक्त सचिव के पद पर पदस्थापित हैं. इसी तरह हिमानी पांडेय उद्योग व्यापार मंत्रालय में संयुक्त सचिव व आराधना पटनायक स्वास्थ्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव हैं.

ब्रीफ खबरें

डालसा ने सदर हॉस्पिटल में किया पानी का वितरण

मेदिनीनगर। भीषण गर्मी को देखते हुए पलामू जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में शनिवार को सदर अस्पताल में मरीजों के बीच पानी और ओआरएस का वितरण किया गया. मौके पर पीएलवी मुनेश्वर राम व भागीरथी दुबे ने 75 लोगों को शुद्ध पानी व ओआरएस के पैकेट दिया. इस संबंध में प्राधिकार के सचिव अर्पित श्रीवास्तव ने बताया कि पलामू में काफी गर्मी पड़ रही है जिससे यहां का तापमान 45 डिग्री के पार रह रहा है.लोगों को सुरक्षित व स्वस्थ रहने के लिए डालसा की ओर से शुद्ध पेयजल व ओआरएस का पैकेट वितरण किया जा रहा है.

शादी में जनकल्याण ट्रस्ट ने किया सहयोग

मेदिनीनगर। चैनपुर प्रखंड अंतर्गत पूर्वडीहा गांव निवासी ताज मोहम्मद अंसारी की लड़की की शादी में जनकल्याण ट्रस्ट नए आर्थिक सहयोग दिया. ट्रस्ट के अध्यक्ष अजीत कुमार दुबे ने 3100 रुपए का सहयोग राशि सौंपने के बाद कहा कि ट्रस्ट के लोग कर्तव्य निष्ठा से कार्य करते हैं और समाज को विकास के लिए अपना बहुमूल्य निकाल कर जगह-जगह पर जाकर चिन्हित करते हैं. समाजसेवी हरिकिशोर दुबे ने कहा कि हर समाज में लड़कियों का परिवार निर्माण में उनका बहुमूल्य योगदान रहा है.

घर जला, भुक्तभोगी को हजारों का नुकसान

मनातू (पलामू)। मनातू प्रखंड के रंगेया पंचायत अंतर्गत टंडवा गांव में बाबूराम सिंह खरवार का घर जलकर राख हो गया. घर में आग लगने के बाद लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन सफल नहीं हो सके. आगलगी के कारणों का पता नहीं चल सका है. भुक्तभोगी ने बताया कि इस घटना में उसके घर में रखा चावल, दाल व गहने के अलावा 10 हजार रूपया नगद, कागजात समेत कपड़े जल गए हैं. ग्रामीणों ने अनुमान जताया कि चल रहे आंधी तूफान के दौरान कहीं से चिंगारी पड़ने के बाद घर में आग लगा होगा.

कुमंडी रेल हादसे में नंदलाल शुक्ला की मौत

मेदिनीनगर। बरकाकाना-बरवाडीह रेल सेक्शन की कुमंडी रेलवे स्टेशन के समीप शुक्रवार की देर शाम सासाराम रांची एक्सप्रेस से हुए हादसे में लेस्लीगंज के कमलकेड़िया गांव निवासी नंदलाल शुक्ला पिता स्व बिंदा शुक्ला की मौत हो गई. दरअसल 66 वर्षीय नंदलाल शुक्ला अपनी पत्नी शांति देवी तथा व छोटा बेटा दीनानाथ शुक्ला के साथ रांची से डाल्टनगंज लौट रहे थे इसी दौरान वे रेल हादसे के शिकार हो गए. मृतक नंदलाल शुक्ला पेशे से ड्राईवर थे. वह वर्तमान में 35 वर्ष पूर्व से बैरिया में घर बनाकर रह रहे थे.

छतरपुर में एनएच 98 से शव बरामद किया

छतरपुर/पलामू। छतरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच 98 मुख्य पथ रुदुवा में लक्ष्मीढ़बा के समीप से एक शव बरामद किया गया है. 108 एबुलेंस ने शव को उठाकर छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल पहुचाया, जहां छतरपुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच की. छतरपुर थाना प्रभारी राजेश रंजन ने बताया कि मृत व्यक्ति के पास से आधार कार्ड और मोबाइल मिला है .आधार कार्ड पर नाम विष्णु शंकर सिंह उम्र लगभग 50 वर्ष पिता कामेश्वर सिंह कैप्म 2 बिएससीटी सेक्टर 12 बोकारो झारखंड लिखा है. उन्होंने बताया कि मृत व्यक्ति के पास से जो मोबाइल मिला है .

वंशीधर नगर में अब पानी की नहीं होगी दिक्कत, पूरे शहर में टैंकर से कराएंगी पेयजलापूर्ति

गढ़वावासियों की समस्या मेरी अपनी समस्या है : संध्या सोनी

खास बातें
- जलापूर्ति के लिए टैंकर को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया
- मुहल्लों में नियमित रूप से पेयजलापूर्ति करायी जाएगी

संवाददाता । गढ़वा

टैंकर को हरी झंडी दिखाकर पेयजलापूर्ति की शुरूआत करती संध्या सोनी.

गढ़वा नगर परिषद अध्यक्ष पद की भावी प्रत्याशी संध्या सोनी पूरे शहर में टैंकर के माध्यम से पेयजलापूर्ति करायेंगी. संध्या सोनी एवं उनके पति युवा समाजसेवी दौलत सोनी ने पेयजलापूर्ति के लिए टैंकर को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. टैंकरों के माध्यम से गढ़वा नगर परिषद क्षेत्र के सभी वार्डां में घूम-घूम कर पेयजलापूर्ति कराया जाएगा. लगातार तीसरे साल इस कार्यक्रम की उन्होंने शुरूआत की है. मौके पर श्रीमती सोनी ने कहा कि इस भीषण गर्मी में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पेयजल की काफी समस्या है. लोगों की समस्या को देखते हुए उन्होंने लगातार तीसरे वर्ष पेयजलापूर्ति कार्यक्रम शुरू की है. श्रीमती सोनी ने कहा कि लोगों के बीच पेयजलापूर्ति बहुत पहले शुरू कर दी जाती, परंतु आदर्श आचार संहिता के कारण इस वर्ष जलापूर्ति प्रारंभ करने में देर हुई है. उन्होंने कहा कि शहर के किसी भी वार्ड का कोई भी क्षेत्र, गली, मुहल्ला अछुता नहीं रहेगा. सभी गली, मुहल्लों में नियमित रूप से पेयजलापूर्ति करायी जाएगी. उन्होंने कहा कि गढ़वा वासियों की समस्या मेरी अपनी समस्या है. शहर के लोगों की समस्याओं को वे अपनी समस्या समझते हुए निदान करने की दिशा में हमेशा तत्पर रहती हैं. उनके इस कार्य में उनके पति युवा समाजसेवी दौलत सोनी सहित परिवार के सभी सदस्यों को भरपूर सहयोग एवं योगदान रहता है. उन्होंने कहा कि वे शहर वासियों की अन्य समस्याओं के निदान के लिए हमेशा तत्पर हैं. जनसेवा कर उन्हें काफी सुखद अनुभुति होती है. मौके पर मुख्य रूप से मुकेश कुशवाहा विजय सोनी दीनदयाल पासवान विवेक सिंहा पवन सोनी मनोज कुशवाहा चंदन सोनी छोटन गोंड शुभाष गोंड जावेद गौतम सोनी विशाल गुप्ता शनि शर्मा गुड्डू गुप्ता पप्पू सोनी छोटू ठाकुर बलवंत सोनी सहित काफी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं.

घेराबंदी कार्य बंद नहीं हुआ तो विभाग में की जायेगी तालाबंदी : कन्हाई सिंह

जंगल घेराबंदी के विरोध में बेतला रेंज कार्यालय का घेराव

खास बातें
- कई गांवों के ग्रामीणों ने घेराव कार्यक्रम में भाग लिया
- बेतला वन विभाग कार्यालय में तालाबंदी की चेतावनी

संवाददाता । बरवाडीह (लातेहार)

रेंज कार्यालय का घेराव ग्रामीण.

बेतला जंगल के चारो ओर घेराबंदी किये जाने के विरोध में ग्रामीणों ने संयुक्त ग्रामसभा मंच के तत्वावधान में शनिवार को बेतला रेंज कार्यालय का घेराव किया. इसका नेतृत्व जिप सदस्य कन्हाई सिंह ने किया. इस घेराव कार्यक्रम में जंगल से सटे गांव मूरु, कुचिला, मतनाग व केड़ समेत अन्य कई गांवों के ग्रामीणो ने भाग लिया.ग्रामीणों ने कहा कि इस जंगल की देखभाल हमारे पुरखे करते आ रहे है और अब हमलोग इसकी देखभाल कर रहे है. लेकिन अब वन विभाग मनमाने तरीके से जंगल को तार से घेराबंदी कर रहा है. उग्र ग्रामीणों ने कहा कि यहां वन विभाग की मनमानी नही चलेगी. अगर मनमानी की तो सभी अधिकारियों को यहां से खदेड़ दिया जायेगा. जिप सदस्य सिंह ने कहा की वन अधिकार की धारा 4–5 के अनुसार वन पट्टा की सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने तक किसी भी अनुसूचित जनजाति या अन्य परंपरागत वन निवासियों को वन भूमि से बेदखल नही किया जा सकता है.

उन्होंने कहा की बेतला जंगल से सटे गांव के लोगों ने वन अधिकार कानून के तहत सामुदायिक वन पट्टा का दावा किया है. ऐसे में वन विभाग द्वारा ग्राम सभा की सहमति के बिना नेशनल पार्क जंगल की घेराबंदी करना कानून का सरासर उल्लघंन है.

कन्हाई सिंह के नेतृत्व में पलामू व्याघ्र परियोजना उतरी प्रमंडल, मेदिनीनगर के उप निदेशक को संबोधित एक ज्ञापन वन विभाग के अधिकारियों को सौंपा गया और घेराबंदी कार्य को अविलंब बंद करने की मांग की गयी. ग्रामीणों ने कहा कि अगर एक सप्ताह के अंदर कार्य बंद नही होता है, तो बेतला वन विभाग कार्यालय में तालाबंदी किया जायेगा.

मौके पर विदेशी सिंह, अरुण भुइंया, बंधु सिंह, राजेंद्र यादव, विनय परहिया, सुरेंद्र भुइंया, पनिया देवी, तारो देवी, अनीता देवी, राजमुनि देवी, सबिता देवी व जलिता देवी समेत सैकड़ों की संख्या में महिला व पुरूष शामिल थे.

लीजेंड 11 एवं विश्रामपुर ने अपने-अपने मैच जीते

रंका। स्थानीय रंका हाई स्कूल के मैदान में रंका राज क्रिकेट क्लब सीजन 4 के तहत खेले जा रहे कॉस्को क्रिकेट टूर्नामेंट के आठवें दिन लीजेंड 11 ने लगान को 38 रनों से हरा दिया. टॉस जीतकर लीजेंड 11 ने बैटिंग करते हुए निर्धारित 10 ओवर में 138 रन 5 विकेट खोकर बनाए.जवाबी पारी में खेलने उतरी लगान की टीम सभी विकेट खोकर मात्र 100 रन ही बना सकी. प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार रविंद्र कुमार ने लीजेंड 11 के खिलाड़ी पीयूष कुमार को दिया. वहीं दूसरा मैच बिश्रामपुर बनाम फ्लॉप 11 के बीच में खेला गया. बिश्रामपुर ने टॉस जीतकर बैटिंग करते हुए निर्धारित 10 ओवर में 107 रन बनाए. जिसके जवाब में उतरी फ्लॉप 11 की टीम 85 रन ही बना सकी. प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार चंदन कुमार को बिश्रामपुर पंचायत के समाजसेवी सह झारखंड मुक्ति मोर्चा के युवा नेता विवेक कुमार सिंह उर्फ छोटू सिंह ने दिया. बता दें कि रंका राज क्रिकेट क्लब टूर्नामेंट में चार टीमें बिश्रामपुर रंका, रेहला पलामू, स्टार क्रिकेट क्लब रंका तथा आरसीबी क्रिकेट क्लब रंका की टीमें क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर चुकी है. मौके पर कमेटी के अध्यक्ष गुड्डू कुमार चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष सोनू कुमार मद्धेशिया, सचिव बालाजी पांडेय, राकेश कुमार चंद्रवंशी, शशि कुमार आदि लोग उपस्थित थे.

डीसी के निर्देश पर अवैध परिवहन के खिलाफ चलाया गया अभियान

अवैध परिवहन को लेकर वाहनों की जांच करते ज़िला परिवहन पदाधिकारी.

संवाददाता । मेदिनीनगर

शुभम संदेश इंपैक्ट

शुभम संदेश में छपी 'पलामू में पत्थर माफिया हीरो, पुलिस प्रशासन जीरो' शीर्षक खबर के बाद राज्य आलाकमान का ध्यान पलामू में हो रहे अवैध खनन और परिवहन पर गया है. इसे रोकने के लिए राज्य से जारी संबद्ध निर्देश के बाद अधिकारी खानापूर्ति में जुट गये हैं.

डीसी शशि रंजन के निर्देश पर 14 जून की रात में ज़िला परिवहन पदाधिकारी के द्वारा अवैध परिवहन को लेकर वाहनों का जांच अभियान चलाया गया. अभियान के दौरान कुल चार वाहनों को जब्त किया गया.

इस दौरान वाहनों को हरिहरगंज थाना परिसर में जब्त डीटीओ द्वारा बताया गया कि यह अभियान व्यवसायिक वाहन के विरुद्ध लगातार चलाया जायेगा. बता दें कि पलामू जिले में, खासकर छतरपुर अनुमंडल क्षेत्र में अब भी पत्थर माईंस से हर दिन सैंकड़ों गाड़ियों द्वारा अवैध परिवहन बेखौफ जारी है. अधिकारी और पत्थर कारोबारियों के गठजोड़ के कारण प्रतिदिन लाखों रुपये के सरकारी राजस्व की चोरी हो रही है. एक ही चालान पर पत्थर लदे ओवरलोड हाइवा बेखौफ चलाया जा रहा है.

बीस सूत्री की बैठक में छाया रहा विकास में भ्रष्टाचार का मामला

छतरपुर/पलामू । प्रखंड कार्यालय के सभागार में प्रखंड 20 सूत्री समिति की बैठक हुई. अध्यक्षता 20 सूत्री अध्यक्ष गोपाल प्रसाद सिंह एवं संचालन सचिव सह बीडीओ आशीष कुमार साव ने की. बैठक में बीस सूत्री उपाध्यक्ष चंदन प्रकाश सिन्हा ने कहा कि नागरिक हित से संबंधित किसी तरह की योजना में भ्रष्टाचार बिल्कुल बर्दाशत नहीं किया जाएगा. कहा कि पदाधिकारी नहीं सुधरे तो सरकार को लिखा जाएगा. बैठक में विभिन्न विभागों की समीक्षा के दौरान उपाध्यक्ष चंदन प्रकाश सिन्हा ने सेविका सहायिका के चयन में सीडीपीओ की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि चयन में मनमाने तरीके से सरकारी नियमों को ताक पर रखकर कार्य किया जा रहा है. किसी कैंडिडेट को जीत का सर्टिफिकेट देकर बाद में वहां के चयन प्रक्रिया को रद्द करना किसी भी हालत में उचित नहीं है. मनरेगा के पूर्व प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी चंद्रशेखर दुबे के कार्यकाल के दौरान मनरेगा के तहत कूपों एवं डोभा में भारी अनियमित की शिकायत मिली थी. इस मामले में संबंधित जांच प्रतिवेदन की मांग की गई थी जो आज तक उपलब्ध नहीं कराया गया. श्री सिन्हा ने कहा कि पुल पुलिया का निर्माण बालू के बजाय क्रेशर के डस्ट से किया जा रहा है जो बेहद चिंताजनक है. बैठक में विशेष रूप से नगर पंचायत छतरपुर में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं अनियमितता तथा कार्यपालक पदाधिकारी के कार्यकलापों पर गहमागहमी रही.

अधिवक्ता संघ के सामान्य परिषद की बैठक में उठे कई मुद्दे

बैठक में शामिल अधिवक्ता संघ के सदस्य.

मेदिनीनगर। अधिवक्ता संघ परिसर में शनिवार को पलामू जिला अधिवक्ता संघ के सामान्य परिषद(जीबी) की बैठक हुई. बैठक का संचालन संघ के अध्यक्ष रामदेव प्रसाद यादव ने किया. श्री यादव ने कहा कि यह बीबी की बैठक चुनाव के बाद धन्यवाद व आभार प्रकट करने के लिए आयोजित की गई है. बैठक की शुरूआत में अधिवक्ता केडी सिंह ने कई मामलों को उठाते हुए कहा कि एजेंडा के साथ बैठक में आए और उसके बाद लोगों की राय लें. उन्होंने कहा कि अधिवक्ता संघ में दो काम एक अर्थव्यवस्था व दूसरा प्रशासन है. नई कमेटी के आने के बाद से आय में कमी जरूर दिख रही है. बैठक में कई लोगों ने अधिवक्ता संघ परिसर में पेयजल, सफाई समेत अन्य मुद्दों को रखा. संघ के अध्यक्ष रामदेव प्रसाद यादव ने अधिकांश समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया.

हमारी नदी, हमारा पानी और हम पानी को तरस रहे हैं

पानी यात्रा में शामिल लोग.

मेदिनीनगर । मेदिनीनगर में पानी यात्रा के चौथे दिन आशीष भारद्वाज ने कहा कि चारों तरफ से नदियों से घिरा है हमारा शहर मेदिनीनगर . हमारी नदियों का पानी बहकर सोन और सोन से गंगा जी होते हुए समुद्र में चला जा रहा है और हम बूंद बूंद पानी को तरस रहे हैं . इससे बड़ा दुर्भाग्य और क्या हो सकता है. उन्होंने कहा कि शहर के पेय जल संकट का स्थाई इलाज है कोयल पर बांध/बराज बनाकर केचकी संगम से सिंगरा संगम तक तटबंधी करते हुए बियर बनाकर शहर को सेकंड फेज कनेक्टिविटी से जोड़कर पानी दिया जाये .उन्होंने कहा कि जो भी सरकारी जिम्मेवार मुलाजिम है जो टैंकर सप्लाई में गड़बड़ी कर रहे हैं, वे अपनी कार्यप्रणाली बदल लें, कम से कम हमारे प्यास का सौदा ना करें वरना हमारे आक्रोश में जल जायेंगे.

ट्रांसफर- पोस्टिंग

रमाशंकर पटेल हुसैनाबाद, प्रशांत प्रसाद छतरपुर व राजेश रंजन बने रामगढ़ थाना प्रभारी

कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए एसपी ने कई थाना प्रभारी बदले

सेवाददाता । मेदिनीनगर

पलामू एसपी रिष्मा रमेशन ने पलामू जिले के कई थाना में एक बार फिर से नए प्रभारियों की नियुक्ति की है. पाटन पुलिस इंस्पेक्टर रमाशंकर पटेल को हुसैनाबाद का नया थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है. वहीं हुसैनाबाद थाना प्रभारी अनिल कुमार सिंह को पाटन पुलिस इंस्पेक्टर बनाया गया है.

छतरपुर थाना प्रभारी राजेश रंजन को रामगढ़ तथा प्रशांत प्रसाद को छतरपुर थाना की कमान सौंपी गई है. चैनपुर थाना में पदस्थापित पुअनि श्री राम शर्मा को चैनपुर थाना प्रभारी, रामगढ़ थाना प्रभारी नीलेश कुमार को किशुनपुर पिकेट प्रभारी, पुअनि कपिलेश्वर प्रसाद को आहतू थाना प्रभारी बनाया गया है. इनके अलावा पुलिस केंद्र में पदस्थापित 28 पुलिस पदाधिकारियों की तैनाती विभिन्न थाना में की गई है. पुअनि सरयू रजक को पांकी, हरेराम सिंह को मोहम्मदगंज, सुरेन्द्र कुमार सिंह-3 को पिपरा, सोनू कुमार चौधरी को शहर, राजेश कुमार यादव को महिला थाना हुसैनाबाद, बसंत महतो को सतबरवा थाना, सुनील कुमार को चैनपुर थाना, सुबोध कुमार 03 को पांडू थाना, अनन्त कुमार सिंह को शहर, कुंदन चौरसिया को चैनपुर, अनिल कुमार को सेवा पुस्तिका शाखा पुलिस केन्द्र, हरेन्द्र प्रसाद को लेस्लीगंज, श्री निवास शर्मा को रामगढ़ थाना, मुन्ना यादव को हुसैनाबाद, सुनील कुमार झा को हरिहरगंज, आदित्य प्रसाद को हैदरनगर, अशर्फी कुमार को विश्रामपुर, सुरेन्द्र कुमार राम को छतरपुर, संतोष कुमार सिंह को रेहला, कामता प्रसाद यादव को पिपरा, संजय कुमार 02 को उंटारी रोड, सुरेन्द्र तिवारी को मोहम्मदगंज, गोपाल कुमार राय को पांकी, शिवानन्द प्रसाद को मनातू, अजय कुमार सिंह को हरिहरगंज, रामाधीन प्रसाद को नावाजयपुर, नवल किशोर सिंह को पड़वा व विपिन कुमार को नावाबाजार थाना में पदस्थापित किया गया है.

17 एएसआई किए गए स्थानांतरित

मेदिनीनगर। पलामू जिले के विभिन्न थाना में पदस्थापित 17 सहायक अवर निरीक्षक को स्थानांतरित किया गया है. योगेन्द्र राम को एससी/एसटी थाना से पुलिस अधीक्षक कार्यालय एससी/एसटी कोषांग, सल्हाय हेम्ब्रम को हैदरनगर से पुलिस लाईन, संजय कुमार सिंह 02 को हरिहरगंज से नावाजयपुर, रविन्द्र कुमार को नावाजयपुर से हरिहरगंज, कालिका राम को हुंटार क्रिकेट से पुलिस लाइन, कुमार नीरज को किशुनपुर क्रिकेट से पुलिस लाइन, शोभनाथ पासवान को पुलिस नियंत्रण कक्ष से एससी/एसटी थाना, जितेन्द्र कुमार 03 को पुलिस नियंत्रण कक्ष से हैदरनगर, नीलांबर यादव को पुलिस नियंत्रण कक्ष से पिपराटांड़, नागेन्द्र कुमार को पुलिस नियंत्रण कक्ष से नौडीहा बाजार, प्रेमरंजन कुमार सिंह को पुलिस नियंत्रण कक्ष से पांडू थाना में पदस्थापित किया गया है. इसी तरह मनोज कुमार मंडल को पुलिस नियंत्रण कक्ष से नावाबाजार, रामनाथ मंडल को पुलिस नियंत्रण कक्ष से पांकी, नन्द कुमार पासवान को पुलिस नियंत्रण कक्ष से तरहसी, पराय हेस्सा को पुलिस लाईन से पाटन, अभिमन्यु कुमार को शहर थाना व रविकान्त उरांव को हुटार पिकेट, रामगढ़ पदस्थापित किया गया है.

न्यूज अपडेट

बकरीद को लेकर शांति समिति का बैठक संपन्न

शांति समिति की बैठक में शामिल लोग.

बरवाडीह (लातेहार)। बकरीद पर्व को लेकर बरवाडीह थाना परिसर में प्रखंड विकास पदाधिकारी रेशमा रेखा मिंज के अध्यक्ष में शांति समिति का बैठक की गयी. इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी ने लोगो से शांति पूर्ण तरीके से पर्व मनाने का अपील की. थाना प्रभारी राधेश्याम कुमार ने कहा कि कहीं भी लगे की किसी व्यक्ति द्वारा अशांति फैलाने की कोशिश की जा रही है तो फौरन ही इसकी सूचना प्रशासन को दें ताकि प्रशासन ऐसे व्यक्तियों पर कार्रवाई कर सके . थाना प्रभारी में लोगो से अपील की कि घरों में कुर्बानी होती है उसका रक्त बाहर बहने नहीं दे.

आरसीयू के कुलाधिपति ने धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात की

मंत्री से मुलाकात करते मुन्ना चंद्रवंशी

मेदिनीनगर । भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य सह आरसीयू के कुलाधिपति डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी उर्फ मुन्ना चंद्रवंशी आज दिल्ली में केंद्र के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मुलाकात की और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को विश्रामपुर आने का निमंत्रण भी दिया. यहां उल्लेखनीय है कि भाजपा नेता सह आरसीयू के कुलाधिपति डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी इनदिनों दिल्ली प्रवास पर है. दिल्ली प्रवास के दौरान आज वे केंद्र के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात कर उन्हें गुलदस्ता भेंट किया. एवं मंत्री बनने पर बधाई दी.

मजदूर नेता ने रामदास आठवले से की मुलाकात

अठावले से मुलाकात करते राकेश सिंह

मेदिनीनगर। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) के झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष सह मजदूर नेता राकेश सिंह ने केंद्रीय सामाजिक न्याय अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले से उनके नई दिल्ली स्थित आवास पर मुलाकात की. उन्होंने तीसरी बार मोदी कैबिनेट में शामिल किए जाने एवं मंत्रालय का कार्य भार सौंपे जाने पर पुष्प गुच्छ भेंट कर अठावले को बधाई दी. राकेश सिंह ने केंद्रीय सामाजिक न्याय अधिकारिता राज्य मंत्री से कहा कि झारखंड में दलित, पिछड़ा, अति पिछड़ावर्ग का विकास थम गया है.

सड़क दुर्घटना में चार घायल, लातेहार रेफर

दुर्घटना कार.

लातेहार। रांची-मेदिनीनगर राष्ट्रीय उच्च पथ 75 पर मनिका डिग्री कॉलेज के पास एक कार दुर्घटना में चार लोग घायल हो गये. घटना शनिवार की सुबह तकरीबन आठ बजे की है. दुर्घटना में हर्ष, अंजली, ओमप्रकाश सिंह और अजीत कुमार सिंह गंभीर रूप से घायल हो गये. 108 एंबुलेंस से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मनिका भेजा गया. यहां उनका प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए लातेहार सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया.

बकरीद का त्यौहार सौहार्दपूर्ण माहौल में मनायें

मनिका (लातेहार)। मनिका थाना प्रभारी जयप्रकाश शर्मा ने बकरीद का त्यौहार आपसी सोहार्द व भाईचारे के साथ मनाने की अपील की है. उन्होने कहा कि त्यौहारो के द्वारा सोशल मीडिया में किसी प्रकार की अफवाह या भ्रामक खबरें प्रसारित करने वालों को चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई की जायेगी. कहा कि सोशल मीडिया पर कड़ी नजर रखी जायेगी. किसी विशेष जाति या धर्म को ठेस पहुंचाने वाले सामग्रियां सोशल मीडिया पर पोस्ट नहीं करने की चेतावनी दी और कहा कि ऐसे लोगों से पुलिस सख्ती से निपटेगी. उन्होने किसी अप्रिय घटना होने की सूरत में पुलिस को तुरंत सूचित करने की अपील लोगों से की.

जांच में गड़बड़ी के बाद मईया बाबू नर्सिंग होम सील

पलामू डीसी के निर्देश पर हुई कार्रवाई.

मेदिनीनगर। पलामू उपायुक्त शशि रंजन के आदेश पर मेदिनीनगर के पांकी रोड स्थित मईया बाबू निजी नर्सिंग होम को सील कर दिया गया है. यह कार्रवाई नगर आयुक्त जावेद हुसैन के नेतृत्व में गठित टीम ने की है. अस्पताल सील करने के दौरान मरीज को बाहर निकाल कर उन्हें सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है. नगर आयुक्त ने बताया कि पूर्व में कई शिकायतें मिली थी, जिसकी जांच भी हुई थी. जांच में गड़बड़ी पाए जाने के बाद उपायुक्त के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है. पलामू उपायुक्त ने अस्पताल संचालक डॉ. कादिर परवेज के खिलाफ नोटिस जारी किया था. नोटिस का एक भी जवाब नहीं मिलने के बाद उपायुक्त के निर्देश पर नगर आयुक्त जावेद हुसैन के नेतृत्व में गठित टीम गठित ने आज अस्पताल को सील करने की कार्रवाई की है.

आम सभा में ग्रामीणों ने की सड़क व पेयजल की मांग

आमसभा में शामिल मुखिया व अन्य.

मेदिनीनगर। पाटन प्रखंड के खामही रजहारा ग्राम में विशेष आम सभा का आयोजन किया गया. ग्राम सभा की अध्यक्षता रजहारा पंचायत के मुखिया अजय पासवान ने किया. ग्राम सभा में लोगों ने सड़क पर पेयजल सुविधा की कमी का मुद्दा उठाया. ग्रामीणों का कहना था कि रजहारा से खामही पाण्डेयपुरा होते हुए सहदेवा गांव तक रोड निर्माण कराया जाए. इसके निर्माण से बरसात के दिनों में लगभग दर्जनों गांवों का आवागमन करने में सहूलियत होगी. ग्रामीणों ने अपने गांव क्षेत्र में पेयजल समस्या की भी बात रखी. खामही आहर एवं पोखर के जीर्णोद्धार की बात करते हुए कहा कि इसके निर्माण से खेती भी की जा सकती है.

अर्द्धरात्रि बुजुर्ग पर चाकू से जानलेवा हमला

चंदवा (लातेहार)। थाना क्षेत्र के कुसुमटोली में शुक्रवार की मध्य रात्रि एक बुजुर्ग पर चाकू से हमला करने का एक मामला प्रकाश में आया है. इस संबंध में बुजुर्ग शिवलाल उरांव ने चंदवा थाना में आवेदन दिया है. उसने आवेदन में बताया कि शुक्रवार की रात वह अपने घर के आंगन में सोया हुआ था.रात्रि करीब एक बजे गुरीटांड़ निवासी रमेश उरांव उर्फ मदरू वहां पर आ कर उसके गर्दन पर चाकू से वार कर दिया. उसने बचाव में उसका एक हाथ पकड़ा और शोर मचाने लगा. शोर सुन कर उसका छोटा लड़का भाग कर उसके पास पहुंचा, तब तक रमेश वहां से भाग निकला. इसके बाद उन्होने 100 नंबर डायल कर इस घटना की जानकारी पुलिस को दी.

इनहाउस टीचर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम का दूसरा चरण संपन्न

निदेशक के साथ शिक्षक.

गढ़वा। शहर के ज्ञान निकेतन कॉन्वेंट (10 2) स्कूल में सीबीएसई गाइडलाइन के आलोक में इन हाउस टीचर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम का दूसरा चरण संपन्न हुआ. कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के निदेशक मदन प्रसाद केशरी, सचिव सुषमा केशरी तथा उपप्राचार्य बसंत ठाकुर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. कार्यक्रम में शिक्षकों एवं रिसोर्स पर्सन को सम्मानित किया गया. मौके पर निदेशक ने कहा कि शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम एक ऐसा कार्यक्रम है जो शिक्षकों को ऐसी तकनीक और आधुनिक शिक्षा रणनीतियों से लैश करता है जो उन्हें अपने छात्रों से बेहतर तरीके से जुड़ने उन्हें प्रबंधित करने और उन्हें पढ़ाने में मदद करती है.

ब्रीफ खबरें

पूर्व मेयर ने डिज्नीलैंड मेले का किया उद्घाटन

मेदिनीनगर। मेदिनीनगर के कोयल नदी किनारे स्थित झूला मैदान में हस्तशिल्प एवं डिज्नीलैंड मेला का उद्घाटन हुआ. उद्घाटन मेदिनीनगर नगर निगम की पूर्व महापौर अरुणा शंकर व सांसद प्रतिनिधि विजय ओझा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया. हस्तशिल्प मेला सह डिज्नीलैंड मेला में हैंडलूम वह हैंडीक्राफ्ट, कश्मीरी टॉप, बाटी चूरमा, बनारसी सिल्क साड़ी, पिलखुवा हैंडलूम बेडशीट, राजस्थानी अचार,आर्टिफिशियल ज्वेलरी, झूला सहित मनोरंजन के कई स्टाल लगाए गए हैं.

विशेष अभियान में चार वाहन जब्त किये गये

मेदिनीनगर। ज़िला परिवहन पदाधिकारी ने उपायुक्त शशि रंजन के निर्देश पर 14 जून की रात्रि में अवैध परिवहन को लेकर वाहनों का सघन जांच अभियान चलाया. इस दौरान कुल 4 वाहनों को जब्त किया गया. जब्त सभी वाहनों को हरिहरगंज थाना परिसर में रखा गया है एवं सभी वाहनो पर दंड शुल्क लगाया गया है. जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि व्यावसायिक वाहन के विरुद्ध यह अभियान लगातार चलाया जायेगा.

गंगा दशहरा पर आरती व पूजन आज

चंदवा (लातेहार)। गंगा दशहरा के अवसर पर शहर की जीवन रेखा कहलाने वाली देवनद (दामोदर) नदी तट पर सुबह आठ बजे से पूजन व आरती की जायेगी. देवनद नदी के बचाव और विकास के संकल्प के साथ की जाने वाली इस पूजन व आरती कार्यक्रम में भाग लेने की अपील देवनद दामोदर बचाओ समिति के चंद्रभूषण केसरी ने की है. उन्होने कहा कि इस पुनित कार्य में सामाजिक व सामुहिक सहयोग की आवश्कयता है.

अग्रवाल परिवार ने किया भोजन का वितरण

गढ़वा। अग्रवाल परिवार गढ़वा के तत्वावधान में रंका मोड़ स्थित संकट मोचन के समीप लगातार 39वें सप्ताह जरुरतमंदो के बीच भोजन का वितरण किया गया. शनिवार को इस कार्यक्रम में 200 लोगों के बीच भोजन वितरण किया गया. मौके पर हर्ष अग्रवाल ने बताया कि जन सेवा ही प्रभु सेवा है. लोगों को प्रसाद रूपी भोजन प्रदान कर बहुत तसल्ली मिलती है. मौके पर पुरुषोत्तम अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, आशुतोष अग्रवाल, मानस अग्रवाल आदि उपस्थित थे.

सड़क दुर्घटना में मृत विजय का हुआ पोस्टमार्टम

लोहरदगा। कुडू थाना क्षेत्र के लोहरदगा कुडू मुख्य पथ पर कड़ाक पुल के समीप हुए सड़क दुर्घटना के शिकार विजय उरांव के शव का पोस्टमार्टम को सदर अस्पताल में किया गया. बताते चले कि गत दिन कुडू थाना क्षेत्र के कड़ाक पुल के समीप लोहरदगा- कुडू मुख्य पथ पर हुए दो बाइकों की सीधी टक्कर में दो बाइक सवारों की मौत ही गई थी. वहीं बाइक में सवार अन्य चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे. गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को रिम्स रेफर कर दिया गया था .

साइकिल से गिर कर युवक घायल

कुडू। थाना क्षेत्र के बड़की चांपि फौदा टोली के समीप अनियंत्रित साइकिल से गिर कर एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसका इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है. जानकारी अनुसार स्व. सुखराम महतो के पुत्र महुरंग महतो लकड़ी लाने जंगल जा रहा था इसी क्रम में उसका साइकिल अनियंत्रित हो गया .

भंडरा क्षेत्र के जीवन रेखा कुएं, नदी सहित अधिकांश जलस्रोत सूख गये हैं

भंडरा में नदी-तालाब सूखे, आसमान से बरस रही आग

शकील अहमद। भंडरा(लोहरदगा)

भंडरा की जल जीवन रेखा कुआं, नदी, तालाब,सहित क्षेत्र के अधिकांश जलस्रोत पूरी तरह सूख गये हैं कभी ना सूखने वाला तालाब इन दिनों मैदान बन चुका है कुम्हारिया, खारुमाटू, मुरली तालाब, आदि क्षेत्र के नामचीन जलस्रोतों में भी इन दिनों पानी की जगह केवल कीचड़ रह गये हैं .जलस्तर नीचे चले जाने से कुएं और चापाकल भी जवाब दे रहे हैं. दूसरी तरफ आसमान से सूरज आग बरसा रहा है. इन दिनों तापमान 40 डिग्री पार कर रहा है. ऐसे में जब पानी की सबसे अधिक जरूरत महसूस की जा रही है. तो हर जगह पानी का अभाव हो गया है. पानी के अभाव में लोगों के साथ ही वन्य जीवन भी संकट में पड़ता नजर आ रहा है. पशु-पक्षी भी प्यास बुझाने के लिए भटकने को मजबूर हैं. राहत की बारिश् की उम्मीद में सभी की निगाह आसमान की तरफ तक रही है.

गर्मी से सूखे तालाब बन गये मैदान.

खास बातें

- कभी ना सूखने वाला तालाब इन दिनों मैदान बन चुका है
- नल जल योजना जलमीनार का स्टार्टर खराब पड़ा है

अधिकांश गांव में नल जल योजना अधूरा : पानी के लिए नल जल योजना में पानी की तरह करोड़ों रुपये खर्च किये गये लेकिन इसके क्रियान्वयन में लेट-लतीफी व लापरवाही के कारण अधिकांश गांव में काम अधूरा है. जहां कहीं नल जल योजना का काम पूरा हुआ भी है. तो अधिकांश टोलों में कुछ न कुछ कमी रह गयी है. जब पानी की सबसे ज्यादा जरूरत है. ऐसे समय में यह योजना अपनी उपयोगिता साबित नहीं कर पा रही है. भीठा पंचायत तेतरपोका के एक टोले में बोरिंग धंस जाने के कारण एक दर्जन से भी अधिक घरों में जलापूर्ति नहीं हो पा रही है.

इसी तरह भंडरा बरवा टोली में अधूरा जलमीनार का काम कर छोड़ जाने के कारण अबतक जलापूर्ति शुरू नहीं हो पाई है. कहीं का नल जल योजना जलमीनार का स्टार्टर खराब पड़ा है. तो कही चोरी हो गया है जिसके कारण इस चिलचिलाती गर्मी में पानी को लेकर पूरे प्रखंड क्षेत्र में हाहाकार मचा हुआ है.

बकरीद को लेकर जिलास्तरीय शांति समिति की बैठक हुई संपन्न

त्याग व बलिदान का पर्व बकरीद भाईचारा के साथ मनाएं : एसपी

संवाददाता। लोहरदगा

आगामी त्याग व बलिदान का पर्व बकरीद को लेकर शनिवार को जिला परिषद कार्यालय स्थित सभाकक्ष में महत्वपूर्ण बैठक शांति समिति के सदस्यों के साथ आयोजित हुई.

इधर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक में उपस्थित सदस्यों और गणमान्य लोगों को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमां ने कहा कि बकरीद का त्यौहार सदियों से मनाया जा रहा है. लोग इस त्यौहार में छिपा मूल उद्देश्य जो कि कुर्बानी है, उसे भूलते जा रहे हैं. इसकी मूल भावना को लोगों को बताये जाने की आवश्यकता है. इस त्यौहार को इस तरह मनायें कि किसी की भी भावना को ठेस ना पहुंचे.

पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमां ने कहा कि कुर्बानी का कार्यक्रम किसी भी परिस्थिति में सार्वजनिक स्थल पर नहीं होना चाहिए. इसे लोग अपने घर के परिसर में ही करें. साथ ही जो भी अपशिष्ट बचता है उसका निपटान अच्छी तरह होना चाहिए. नगर परिषद इस दिशा में बेहतर व्यवस्था करे. शहर में पानी और बिजली की व्यवस्था नियमित रूप से मिलती रहे. सभी थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र में सतर्क रहें, किसी भी प्रकार से शांति-व्यवस्था भंग नहीं होनी चाहिए.

शांति समिति की बैठक को संबोधित करते एसपी व डीडीसी.

खास बातें

- शांतिपूर्ण तरीके से मनाएं ईद उल अजहा का पर्व : डीडीसी
- सभी थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र में सतर्क रहें

सभी निर्माणाधीन कुओं की करायी गई है जांच : उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने शांति समिति के सदस्यों द्वारा सेन्हा में कुआं धंसने की घटना पर सवाल उठाये जाने के मामले पर कहा कि उक्त घटना के बाद सभी प्रखण्डों में निर्माणाधीन कुओं की जांच करायी गई जिसमें दुर्घटना की संभावना वाले कुओं का निर्माण कार्य रूकवा दिया गया है. कुआं निर्माण से संबंधित मैटेरियल की आपूर्ति की जा रही है. अगर किन्हीं को इस संबंध में कोई सूचना मिलती है तो तुरंत बतायें, कार्रवाई होगी.

किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं : उप विकास आयुक्त

उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने कहा कि सभी प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में प्रतिनियुक्त और सतर्क रहेंगे . कुर्बानी का अवशेष सही तरीके से हटवा देंगे . विधि-व्यवस्था बनाये रखने में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी . बकरीद का त्यौहार में शांति व्यवस्था बनाये रखने में सभी का योगदान जरूरी है .

बैठक में अपर समाहर्ता जीतेंद्र मुण्डा, एसडीओ अमित कुमार, एसडीपीओ श्रद्धा केरकेट्टा समेत सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी, सभी प्रखण्ड स्तरीय पदाधिकारी, सभी थाना प्रभारी, सभी कार्यपालक दण्डाधिकारी समेत शांति समिति के सदस्यगण उपस्थित थे.

चिप्स लदा हाइवा खनन विभाग ने जब्त किया

सिमडेगा। जिले में अवैध रूप से चल रहा है चिप्स का कारोबार. शुक्रवार की रात माइनिंग इंस्पेक्टर के द्वारा एक अवैध चिप्स लदे हाइवा को जब्त किया गया. इसके बाद जब्त वाहन के संचालक एवं उनके साथियों के द्वारा माइनिंग इंस्पेक्टर के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए धक्का मुक्की भी की गई. घटना के बाद माइनिंग इंस्पेक्टर ने टी टांगर थाना में दो नामजद सहित चार अज्ञात लोगों पर सरकारी काम में बाधा डालना और धक्का मुक्की करने का मामला दर्ज कराया है. दर्ज मामले के बाद पुलिस ने हाइवा चालक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, बाकी आरोपियों की तलाश की जा रही है.

धुरकी में संपन्न हुई शांति समिति की बैठक

धुरकी। थाना परिसर में बकरीद पर्व को लेकर शनिवार को शांति समिति की बैठक आयोजित की गई. बैठक में बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण व धूमधाम तरीके से मनाने का निर्णय लिया गया. थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार ने कहा कि विभिन्न मस्जिदों में नमाज के लिए जो भी समय तय किया गया है उसी तय समय पर बकरीद का नमाज अदा करें. अफवाहों पर ध्यान नहीं दे. किसी भी अप्रिय घटना पर तत्काल पुलिस को सूचना करें. त्योहार के दौरान सौहार्द बिगाड़ने वाले को चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई की जायेगी. मौके पर पूर्व मुखिया लक्ष्मण यादव, सब इंस्पेक्टर बिक्कू कुमार, एएसआई शैलेंद्र कुमार, जिला परिषद सुनीता कुमारी, नंदगोपाल यादव, इंद्रमणि जयसवाल, साबिर अंसारी, इस्लाम खान, शहादत अंसारी, दामोदर जायसवाल, फिरोज खान, श्यामकिशोर विश्वकर्मा, सफी अंसारी सहित कई अन्य लोग मौजूद थे.

गांवों तक योजना पहुंचाने में हमारी सरकार कटिबद्ध है : डॉ रामेश्वर

मंत्री ने पेशरार के विभिन्न गांवों का दौरा किया

पेशरार क्षेत्र का भ्रमण करते मंत्री डॉक्टर रामेश्वर उरांव.

संवाददाता। लोहरदगा

सूबे के वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव के द्वारा पेशरार प्रखंड के सुदूरवर्ती गांवों का दौरा कर जनता के जनसमस्याओं से रूबरू हुए. इस दौरान क्षेत्र भ्रमण कार्यकम पेशरार प्रखंड के सीरम पंचायत अंतर्गत ग्राम मक्का बाजार टांड़ एवं सेंभुवा में किया गया.कार्यक्रम में ग्रामीणों के द्वारा डॉ रामेश्वर उरांव के आगमन में उनका स्वागत किया गया. इस मौके ग्रामीणों के द्वारा विधायक सह मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव के समक्ष ग्रामीणों के द्वारा जनसमस्याओं से अवगत कराया गया. मौके पर डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा सरकार की योजना गांव–गांव तक किया जा रहा झारखंड सरकार के द्वारा किया जा रहा विकास का कार्य जनता का हो रहा है लाभ. झारखंड सरकार के द्वारा अनेकों विकास का कार्य कर रही है जिससे ग्रामीणों तक लाभ पंहुच रही है.सबसे पहले हरा राशन कार्ड गरीबों के लिए सभी राशन कार्ड से वंचित को हरा राशन कार्ड से जोड़ा गया. हरा राशन कार्ड बनने से लोगो को स्वास्थ की सुविधा मिलेगी. राशन कार्ड के माध्यम से 10 रूपया में धोती,लूंगी,साड़ी का वितरण किया जा रहा है.पिला कार्ड के माध्यम से चीनी देने का भी काम किया जा रहा है. ये सभी कार्य मेरे विभाग और गठबंधन सरकार के द्वारा कार्य किया जा रहा. जिससे गरीब लोगो को लाभ दिया जा रहा है.पेयजल हेतु सभी पंचायत में 10–10 चापाकल का निर्माण किया जा रहा है जिससे पेयजल की समस्या से निजात मिलेगी . कार्यक्रम में ग्रामीणों के द्वारा आवेदन के माध्यम से जो भी समस्या है आवेदन के माध्यम से रखा गया जिसके निदान के लिए मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव के द्वारा संबंधित विभागीय के पदाधिकारियों से बात कर त्वरित कार्रवाई करते हुए कार्य करने का निर्देश दिया गया. मौके पर विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल, प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष विनोद सिंह खेरवार, 20 सूत्री अध्यक्ष रविंद्र कुमार सिंह ,पंकज तिवारी, दिनू महली, भगवान दास,राजेंद्र यादव,जय प्रकाश कु गुप्ता युवा प्रखंड अध्यक्ष,सानू भुइयां, जाहिद अंसारी, जयु तुरी,पवन यादव,विनय उरांव,शरीफ यादव,जशवंत तुरी, मुमताज अंसारी, विशेश्वर सिंह एवं प्रशासनिक पदाधिकारी आदि उपस्थित थे.

कुंए की सफाई करने उतरे साथी की जान बचाई, पर खुद को बचा न सका

घटनास्थल के पास जुटी लोगों की भीड़.

संवाददाता। गुमला

सफाई के लिए कुआं में नीचे उतरे मजदूर जमगाई निवासी अशोक एक्का की दम घुटने की जानकारी होते ही साथी मजदूर विनय टोप्पो बचाव के लिए कुआं में उतर गया. विनय ने अशोक टोप्पो को बचा लिया लेकिन दम घुटने से विनय की मौत हो गई. घटना गुमला जिला अन्तर्गत चैनपुर थाना क्षेत्र की है. चैनपुर मुख्यालय स्थित चांदसी दवाखाना के समीप एक रिंग कुआं है जिसका सफाई के लिए अशोक एक्का कुआं में नीचे उतरा था. कुआं के नीचे वह छटपटाने लगा तब विनय टोप्पो भी कुआं के नीचे उतर गया और अशोक को स्थानीय लोगों के सहयोग से बाहर निकाला. विनय टोप्पो कुआं से बाहर नहीं निकल सका और दम घुटने से अंदर ही बेहोश हो गया. अशोक टोप्पो को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया और विनय टोप्पो को कुआं से निकालने के लिए सीआरपीएफ को सूचना दी गई. सीआरपीएफ और पुलिस के जवानों ने एक घंटा मशक्कत के बाद विनय टोप्पो को कुआं से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया. उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डाक्टर ने सदर अस्पताल गुमला रेफर कर दिया.

बैठक सीएम के निर्देशों का डीडीसी ने अधिकारियों के बीच साझा किया

योजनाओं को धरातल पर उतारें अधिकारी : डीडीसी

संवाददाता। लोहरदगा

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन द्वारा विभिन्न विभागों को दिये गये निदेशों की ब्रीफिंग शनिवार को उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत द्वारा जिला परिषद कार्यालय स्थित सभाकक्ष में पदाधिकारियों के बीच की गई. बैठक में ग्रामीण विकास अंतर्गत वीर शहीद पोटो हो खेल विकास योजना अंतर्गत एक सप्ताह में भूमि चिन्हित करने का निर्देश सभी अंचलाधिकारियों को दिया गया. बिरसा सिंचाई कूप अंतर्गत जिन लाभुकों का भुगतान लंबित है उनका भुगतान किये जाने का निदेश दिया गया. मनरेगा अंतर्गत प्रत्येक गांव औसतन पांच योजनाएं संचालित किये जाने का निर्देश दिया गया. मनरेगा योजनाओं का भौतिक निरीक्षण अवश्य करें. योजना की समीक्षा अवश्य करें. वहीं जेएसएलपीएस को फर्स्ट क्रेडिट लिंकेज के बाद दूसरी व तीसरी लिंकेज भी समय से किये जाने व एसएचजी की मॉनिटरिंग किये जाने का निदेश दिया गया.

ब्रीफिंग करते लोहरदगा डीडीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत.

आवास की पूर्णता में कमी पर फटकार : प्रधानमंत्री आवास योजना में किस्को और सेन्हा प्रखंड में आवास की पूर्णता में कमी पर रोष व्यक्त किया गया और योजना की पूर्णता में तेजी लाये जाने का निदेश दिया गया. इधर बिरसा हरित ग्राम योजना में बागवानी योजना में मिट्टी की जांच के बाद ही चयन किये जाने का निदेश दिया गया. इसके बारे लाभुक को बेहतर तरीके से अवगत कराने का निदेश दिया गया. साथ ही पंचायती राज विभाग अंतर्गत सभी पंचायत सचिवालय में इंटरनेट, प्रज्ञा केंद्र की सुविधा मुहैया कराने का निदेश दिया गया. कल्याण विभाग अंतर्गत आवासीय विद्यालये जीर्णोद्वार का कार्य पूर्ण करने का निदेश दिया गयाइसी प्रकार समाज कल्याण विभाग को पूर्ण हो चुके आंगनवाड़ी केंद्रों का हैण्डओवर लिये जाने का निर्देश दिया गया.

ई-केवाईसी का कार्य पूर्ण करने का निर्देश

कृषि विभाग को मुख्यमंत्री कृषि ऋण माफी योजना अंतर्गत ई-केवाईसी का कार्य पूर्ण करने का निदेश दिया गया . इस बीच स्वास्थ्य विभाग को आयुष्मान कार्ड योजना अंतर्गत प्रगति लाने का निदेश दिया गया . इसी प्रकार अबुआ आवास योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, सावित्रीबाई फुले योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, दाखिल खारिज, जल जीवन मिशन, वनाधिकार पट्टा, एससी-एससी एक्ट, खनन विभाग, विधि-व्यवस्था, तंबाकू निषेध अभियान आदि की समीक्षा की गई और निदेश दिये गये .

आजसू की समीक्षा बैठक संपन्न विस चुनाव की तैयारी पर चर्चा

संवाददाता। लोहरदगा

आजसू पार्टी के जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश भारती की अध्यक्षता में जिला कमेटी की बैठक हुई. बैठक में मुख्य अतिथि केंद्रीय महासचिव नीरू शांति भगत थी. बैठक में संपन्न लोकसभा चुनाव परिणाम की समीक्षा की गई. साल के अंत में होने वाली झारखंड विधानसभा चुनाव की तैयारी पर विशेष रूप से चर्चा की गई. बैठक को संबोधित करते हुए आजसू नेत्री नीरू शांति भगत ने कहा कि आप सभी कार्यकर्ता पार्टी के पावर हाउस हैं. जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भारती ने संगठनात्मक बिंदुओं पर विशेष रूप से चर्चा करते हुए कहा कि हमारा संगठन चूल्हा से लेकर जिला तक कैसे मजबूत हो इसके लिए युद्ध स्तर पर काम किया जा रहा है . जिला उपाध्यक्ष विपिन सिंह, मुन्ना अग्रवाल ,साजिद कलाल, लाल पंचम नाथ शाहदेव, राजेंद्र लोहरा, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष शाहिद अंसारी, एस टी मोर्चा के जिला अध्यक्ष विजय भगत महिला इकाई की जिला महासचिव सरस्वती देवी छात्र मोर्चा के जिला प्रभारी विजय कुमार , कलीम खान, परमेश्वर महतो , परमेश्वर भगत आकाश यादव , हरि उरांव ,आनंदराम बबलू महतो, राजन मेहता ,आयुष कुमार आदि शामिल थे.

लोहरदगा में आजसू की समीक्षा बैठक में शामिल नेता-कार्यकर्ता.

न्यूज अपडेट

सिमडेगा में करियर काउंसलिंग का हुआ आयोजन

कार्यक्रम में शामिल लोग.

सिमडेगा। 10वीं और 12वीं पास छात्रों के लिए जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान, सिमडेगा में करियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया. सिमडेगा पुलिस अधीक्षक सौरभ, अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी बादल राज, नियोजन पदाधिकारी आशा मैक्सिमा लकड़ा, सिमडेगा कॉलेज के वरिष्ठ प्रोफेसर देवराज प्रसाद, सहित कई लोगों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की. सिमडेगा में करियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया गया है.

लचरागढ़ में आंधी तूफान और बारिश ने मचाई तबाही

आंधी में बाजार में गिरे दुकान के तिरपाल.

सिमडेगा। जिले के कोलेबिरा प्रखंड के लचरागढ़ में आज शनिवार की शाम में आई आंधी तूफान और तेज बारिश से कई जगहों पर गिरे पेड़, कई छतों के एस्बेस्टस उड़े गये. वहीं लचरागढ़ बाजार में अचानक आई बारिश और तूफान से मची अफरा तफरी, बाजार परिसर स्थित राजु साहू के होटल का पूरा एस्बेस्टस पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया. उन्होंने प्रशासन से मदद की गुहार लगायी. दुकान के ऊपर पेड़ की डाली गिरी, समान हुआ क्षतिग्रस्त,वहीं नीचे चौक लचरागढ़ मेन रोड और जलडेगा मोड़, चर्च रोड सहित कई चौक चौराहों और सड़क पर बड़े-बड़े पेड़ गिरे .

बकरीद को लेकर शांति समिति की बैठक

बैठक करते शांति समिति के लोग.

भवनाथपुर। 17 जून को बकरीद शांतिपूर्वक मनाने को लेकर थाना परिसर में शनिवार को शांति समिति की बैठक कि गई. शांति समिति की बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने की. बैठक में प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी शांतिपूर्ण माहौल में बकरीद मनाने की अपील की गयी.बैठक में मौजूद विभिन्न हिंदू संगठन और मुस्लिम समाज के लोगों ने अपने-अपने विचार रखे. थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने कहा कि हमें एक दूसरे के पर्व को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाना चाहिए.

उपायुक्त ने प्रखंड कार्यालय बांसजोर का निरीक्षण किया

निरीक्षण करते उपायुक्त.

सिमडेगा। उपायुक्त सिमडेगा अजय कुमार सिंह ने प्रखंड - सह- अंचल कार्यालय, बांसजोर का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने प्रखंड एवं अंचल कार्यालय अंतर्गत संधारित सभी पंजियों का जांच किया. उन्होंने प्रखंड -सह- अंचल कार्यालय के रोकड़ पंजी, आगत निर्गत, सेवा पुस्त, आकस्मिक अवकाश, लोकसभा/ विधानसभा प्रश्नोत्तर, भंडार पंजी, अंकक्षेण पंजी, मनरेगा, 15 वे वित्त सहित अन्य पंजी संधारण से संबंधित कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये. मौके पर उप विकास आयुक्त श्री संदीप कुमार दोराईबुरु, प्रखंड प्रमुख, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी उपस्थित थें.

कुडू थाना परिसर मे शांति समिति की बैठक संपन्न

कुडू (लोहरदगा)। बकरीद पर्व को लेकर 15 जुन सनिवार को थाना परिसर कुडू में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी अंचल अधिकारी थाना प्रभारी अध्यक्षता में प्रखण्ड उप प्रमुख एनुल अंसारी एवं शांति समिति सदस्यो की उपस्थिति में शांति समिति की बैठक आहुत की गई. बैठक मे त्यौहार आपसी भाईचारे एव सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की बात कही गई.मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी थाना प्रभारी ने कहा कि सरकार के गाइडलाइन का पालन करते हुए शांतिपूर्वक त्योहार मनाए. थाना प्रभारी ने कहा पर्व त्योहार आपसी प्रेम और सौहार्द के साथ मनाए. मौके पर आजसू जिला अध्यक्ष ओम भारती शांति बीजेपी ओबीसी जिला अध्यक्ष संजय चौधरी आजसू प्रखंड अध्यक्ष कलीम खान धिरज प्रशाद पसंग मनान अंसारी कांग्रेस अल्पसंख्यक जिला उपाध्यक्ष कमरूल अंसारी हलीम अंसारी नवीन कुमार टिंकु आजसू एसटी मोर्चा जिला अध्यक्ष विजय उरांव सकील अंसारी रोजामत अंसारी संजय साहू उपस्थित थे.

बालू के अभाव में लटकी आवास योजना

लोहरदगा। लोहरदगा जिले में बालू नहीं मिलने सेआवास योजनाओं के साथ-साथ सरकारी योजनाएं भी प्रभावित हो रही हैं. जल्द ही मानसून दस्तक दे देगी, पर गरीब का आवास बालू के अभाव में पूर्ण नहीं हो पायेगा. बालू के अभाव में किसानो को मिली सिंचाई कूप पर भी संकट के बादल मंडराने लगे हैं. पूर्व में जहां बालू आठ सौ से एक हजार रुपए ट्रैक्टर आसानी से मिल जाया करता था उसी बालू के लिए वर्तमान में 1500 से 2500 तक चुकाना पड़ रहा है, जिससे आवास योजना के लाभुकों पर बेवजह आर्थिक बोझ पड़ रहा है. बालू नहीं मिलने की वजह से खुदे कुओं को पाटने में समस्या आ रही है. जल्द ही कुओं को नही पाटा गया तो बारिश के साथ ही अर्धनिर्मित कुएं धंस जाएंगे, जिससे लाभुकों को आर्थिक क्षति होगी. जिले में कई वर्षों से बालू को ले यही स्थिति बनी हुई है, जबकि बालू का अवैध उठाव और परिवहन बादस्तूर जारी है. बालू उठाव पर रोक का पूरा फायदा बालू का काला बाजारी करने वाले उठा रहे हैं, और मुंह मांगी कीमत पर बालू बेच रहे हैं.

नशा उन्मूलन के लिए जनसहभागिता जरूरी: रंजन

जागरूकता कार्यक्रम चलाते लोग.

लोहरदगा। जिले के किस्को एवं कुडू प्रखंड के कुल 29 राजस्व ग्रामों में समाज कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग एवं सेन्टर फॉर कैटालाइजिंग चेंज के सहयोग और मार्गदर्शन से महिला पुरुष समानता और नशापान के दुष्परिणाम के विषय पर ग्रामीणों के बीच जागरूकता लाने हेतु नाटक मंचन का आयोजन किया गया. नाटक के माध्यम से परिवार एवं समाज में लंबे समय से व्याप्त लैंगिक भेदभाव एवं असमानता को समाप्त करने में पुरुषों की महत्वपूर्ण भूमिका है जिसे उन्हें निर्वाहन करना है. तभी महिलाओं को शिक्षा, रोजगार, नौकरी एवं अपने निर्णय लेने का अधिकार मिल पाएगा और व्याप्त असमानता घटेगी. वहीं दूसरे नाटक मंचन में दिखलाया गया.

ब्रीफ खबरें

तीन किलो अफीम के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

- एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर भेजा जेल

हजारीबाग। पेलावल थाना क्षेत्र से तीन किलो अफील के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है. हजारीबाग पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह को गुप्त सूचना मिली थी कि इटखोरी से कुछ तस्कर अफीम लेकर पेलावल की ओर आ रहे हैं. उन्होंने त्वरित कारवाई करते सीसीआर डीएसपी मनोज कुमार के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया. टीम में पेलावल ओपी प्रभारी शाहीना परवीन, एएसआई आक्षो राम, सिपाही प्रेम कुमार मेहता, उज्ज्वल कुमार, जितेंद्र कुमार और पुलिस बल के जवान शामिल थे. गठित टीम ने छड़वा काली मंदिर पहुंच कर वाहन जांच अभियान चलाया. इस क्रम में एक टोटो पर सवार मोहन लाल, हलील मोहम्मद व मनोज यादव को खदेड़ कर पकड़ा गया.

बैठक में शामिल होने हजारीबाग पंहुचे बाऊरी

हजारीबाग। भाजपा द्वारा आयोजित लोकसभा स्तरीय समीक्षात्मक बैठक के निमित हजारीबाग पंहुचे झारखंड प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष सह चंदनकियरी विधायक अमर कुमार बाउरी और भाजपा के प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह से हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित सांसद मनीष जायसवाल ने पैराडाइस रिसॉर्ट सभागार में मुलाकात की और हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में उनका स्वागत किया. झारखंड प्रदेश के भाजपा विधायक दल के नेता अमर कुमार बाउरी और भाजपा के प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह ने मनीष जायसवाल के प्रचंड जीत पर उन्हें बधाई दिया और हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के समस्त एनडीए कार्यकर्ताओं और मतदाताओं के प्रति आभार जताया.

हाइवा के धक्के से तोरण द्वार क्षतिग्रस्त, युवक गंभीर

हंटरगंज(चतरा)। जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत गेंजना मोड़ पर बने तोरण द्वार में बीते देर शाम अनियंत्रित हाइवा ने टक्कर मार कर पुरी तरह क्षतिग्रस्त कर कर दिया. चालक मौके से फरार हो गया. वहीं तोरण द्वार के समीप चापाकल पर पानी पी रहे पाण्डेयपुरा निवासी सूरज प्रसाद का 14 वर्षीय पुत्र रौशन कुमार तोरण द्वार के नीचे दब कर गंभीर रुप से घायल हो गया. स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला गया .

बकरीद को लेकर शांति समिति की हुई बैठक

पत्थलगड़ा (चतरा)। पत्थलगड़ा थाना परिसर में शनिवार को बकरीद को लेकर शांति समिति की बैठक हुई. जिसकी अध्यक्षता बीडीओ सह प्रभारी सीओ राहुल देव तथा संचालन थाना प्रभारी आलोक रंजन चौधरी ने किया. त्योहार शांति पूर्वक संपन्न हो इसके लिए गणमान्य लोगों से विचार विमर्श किया गया. इस दौरान समाजसेवी महफूज रहमान ने बताया की क्षेत्र में शांतिपूर्वक बकरीद का त्योहार सभी मनाते आ रहे हैं.

सीओ ने दो बालू लदे ट्रैक्टर को किया जब्त

मयूरहंड(चतरा)। मयूरहंड थाना क्षेत्र के बडकरिया नदी गौरक्षणी घाट से शनिवार को बीडीओ सह प्रभारी सीओ मनीष कुमार व थाना प्रभारी राहुल कुमार सिंह ने संयुक्त छापामारी अभियान चलाकर अवैध बालू लदे दो ट्रैक्टर को जब्त किया. सीओ के आदेशानुसार दोनों ट्रैक्टर के खिलाफ एनजीटी एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई.सीओ ने बताया कि 10 जून से 15 अक्टूबर तक नदी घटों से किसी भी रूप में बालू का उठाव नहीं होगा.

बड़का आम के समीप किसान बेरोजगार विस्थापित प्रभावित कल्याण समिति ने दिया धरना

विस्थापितों ने विभिन्न मांगों को लेकर कोल ट्रांसपोर्टिंग रोका

- विरोध के कारण ठप रहा कोयले की ट्रांसपोर्टिंग का कार्य
- ट्रांसपोर्टिंग से उत्पन्न प्रदूषण व मुआवजे समेत अन्य मांग

संवाददाता। केरेडारी

एनटीपीसी की चट्टी बरियातू कोयला खनन परियोजना से कोयले की ट्रांसपोर्टिंग से उत्पन्न प्रदूषण सहित अन्य कई मांगों को लेकर विस्थापित उग्र हैं. इसी क्रम में किसान बेरोजगार विस्थापित प्रभावित कल्याण समिति द्वारा शनिवार को जोरदाग रोड स्थित बड़का आम के समीप ट्रांसपोर्टिंग वाहनों को रोक दिया गया. इससे कोयले की ट्रांसपोर्टिंग का कार्य घंटों बाधित रहा.

कोयला ट्रांसपोर्टिंग मार्ग पर ट्रकों को रोक कर प्रदर्शन करते विस्थापित.

समिति के लोग प्रदूषण से प्रभावित भू-रैयतों को अविलंब भुगतान करने, ट्रांसपोर्टिंग सड़क पर समय-समय पर पानी का छिड़काव करने, सड़क दुर्घटना होने पर मुआवजे की राशि का निर्धारण करने, ट्रांसपोर्टिंग में लगे वाहनों की गति सीमा तय करने, लबनिया मोड़ के समीप स्कूल के बाहर सुरक्षा गार्ड की तैनाती व पेटो पंचायत के प्रभावित रैयत किसान एवं विस्थापित परिवारों को रोजगार से जोड़ने की मांग को लेकर धरना पर बैठ गए.

कंपनी के अधिकारियों को छह सूत्री मांग पत्र सौंपा : समिति के लोगों ने कंपनी के अधिकारियों को छह सूत्री मांग पत्र सौंपा है. कार्यक्रम की अध्यक्षता मुखिया पति व समाजसेवी गुरुदयाल साव व संचालन अरविन्द साव ने किया. मौके पर पेटो मुखिया कौशल्या देवी, सुनील कुमार साव, प्रदीप राम, चितरंजन प्रसाद, राजू साव,अवधेश कुमार यादव, बिनोद कुमार राम, द्वारिका साव, चरितर राम, मोहन साव, रोहन साव,अनिल कुमार, सुनील यादव, जनक कुमार, नकुल साव, रामचंद्र साव, राजेंद्र प्रसाद साहू, अरविंद साव, अकल साव, मदन साव, सुमित कुमार सहित कई लोग मौजूद थे.

भू-रैयतों की भावना के साथ किया जा रहा खिलवाड़

लोगों का कहना था कि ट्रांसपोर्टिंग कंपनी भू-रैयतों की भावना के साथ खिलवाड़ कर रही है. पूर्व में हुई वार्ता के अनुसार तीन महीने के लिए ही पब्लिक सड़क से कोयले की ट्रांसपोर्टिंग की बात हुई थी, लेकिन अब तक कोई व्यवस्था नहीं की गई है. वहीं, कोयले की ट्रांसपोर्टिंग की वजह से प्रदूषण की समस्या बढ़ी है और सड़क दुर्घटनाओं में भी इजाफा हुआ है. लोग असमय ही काल के गाल में समा रहे हैं.

घरों और स्कूल में चोरी मामले में दो गिरफ्तार

- नाबालिग सहयोगी भी हिरासत में, शेल्टर होम भेजा गया
- माइल चितरपुर क्षेत्र में तीन घरों व स्कूल में हुई थी चोरी

संवाददाता। रामगढ़

रजरप्पा थाना क्षेत्र के माइल चितरपुर में बीते 9-10 जून की रात तीन घरों और स्कूल में हुई चोरी की घटना का रामगढ़ पुलिस ने उद्भेदन कर दिया है. मामले में एक युवक सहित उसके नाबालिग सहयोगी को पकड़ा गया है. आरोपी के स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर चोरी का सामान खरीदने वाले एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया गया है. उसकी निशानदेही पर घरों से चोरी हुए सामान बरामद कर लिये गये हैं.

मामले का खुलासा करते हुए रामगढ़ एसपी डॉ. विमल कुमार ने बताया कि बीते 9 जून की रात माइल चितरपुर के तीन घरों में वेंटीलेटर तोड़ कर अज्ञात चोर अंदर घुस गये. चोरों ने पीतल का बर्तन, पूजा का सामान और मोबाइल चोरी कर लिया. उसी रात राजकीय बुनियादी विद्यालय चितरपुर में जलमीनार में लगे सोलर प्लेट कोकी भी चोरी हुई. इस संदर्भ में रजरप्पा थाना में अज्ञात चोरों के विरुद्ध प्राथमिक दर्ज की गयी थी. चोरी की घटनाओं का उद्भेदन करने के लिए रामगढ़ एसडीपीओ के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया. टीम ने अनुसंधान के क्रम में दो संदिग्ध खुर्शीद आलम (20) व उसके नाबालिग सहयोगी को पकड़ा. पूछताछ में दोनों ने चोरी किए गए सामानों को पवन कुमार (33) नामक युवक को बचने की बता बताई.

बकरीद पर्व को लेकर डीसी व एसपी ने अधिकारियों को दिये जरूरी निर्देश

आपसी सौहार्द्र बिगाड़नेवालों पर रखें कड़ी नजर: चंदन कुमार

- पीसीआर व पैंथर की टीम संवेदनशील क्षेत्रों का नियमित रूप से करेगी निरीक्षण
- किसी भी प्रकार की अफवाह सामने आने पर कंट्रोल रूम को दें त्वरित जानकारी

संवाददाता। रामगढ़

बकरीद पर्व को लेकर शनिवार को उपायुक्त चंदन कुमार की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार की उपस्थिति में समाहरणालय सभाकक्ष में बैठक हुई. इस दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने सभी प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों से पर्व के शांतिपूर्ण आयोजन तथा इस दौरान विधि व्यवस्था को लेकर तैयारियों की जानकारी ली. उन्होंने पर्व के दौरान सतर्क रहकर अपने-अपने क्षेत्रों में हर गतिविधि पर पैनी नजर रखने का निर्देश दिया.

संवेदनशील क्षेत्रों में किया जाएगा फ्लैग मार्च : पीसीआर एवं पैंथर की टीम को संवेदनशील क्षेत्रों का नियमित रूप से निरीक्षण करने को कहा गया. साथ ही किसी भी प्रकार की अफवाह सामने आने पर त्वरित इसकी जानकारी कंट्रोल रूम को देने एवं अफवाहों को दूर करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश दिए. उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को पूरे पर्व के दौरान अलर्ट मोड पर रह कर कार्य करने को कहा है. बैठक में उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च करने के संबंध में भी महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए.

असामाजिक तत्वों व सोशल मीडिया पर विशेष ध्यान : पर्व के शांतिपूर्ण आयोजन के लिए डीसी व एसपी ने असामाजिक तत्वों व सोशल मीडिया पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया है. अधिकारियों को सोशल मीडिया एवं विभिन्न व्हाट्स ऐप ग्रुप पर नजर रखने को कहा गया है. सांप्रदायिक सौहार्द्र बिगाड़ने एवं सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट शेयर करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया गया है.

शांति समित की बैठक में शामिल डीसी चंदन कुमार, एसपी डॉ. विमल कुमार व अन्य अधिकारी.

बकरीद को लेकर पेलावल थाना में शांति समिति की बैठक

शांतिपूर्ण तरीके से बकरीद का त्योहार मनाने की अपील

कटकमसांडी। प्रखंड क्षेत्र के पेलावल थाना परिसर में शनिवार को अंचल निरीक्षक बिनोद कुमार की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक हुई. इस दौरान बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण मनाने को लेकर जरूरी निर्देश दिये गये. वहीं, थाना प्रभारी शाहीना परवीन ने पर्व को आपसी सहयोग और शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की. बैठक में कटकमसाडी अंचल राजस्व पदाधिकारी राजकुमार सिंह, समाजसेवी विरेंद्र कुमार उर्फ बीरू, पेलावल दक्षिणी मुखिया नूर जहां, गदोखर मुखिया नारायण साव, मोहन महतो, मिशबाहुल अंसारी, अशोक राणा, कुणाल यादव, पिंटू यादव, अखलाक अहमद, पबरा पंचायत के पूर्व मुखिया पति सरयू राम, प्रकाश कुशवाहा, कटकमसांडी पूर्वी जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि मनीष ठाकुर, खुटरा मुखिया पति ताहिर शेख, बब्लू अंसारी, निसार खान, शबनम परवीण, गुलाम सरवर आदि मौजूद थे.

नशीले पदार्थों के खिलाफ स्कूलों में भी चलेगा व्यापक अभियान

- डायट हजारीबाग में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन
- 18 से 25 जून तक चलेगा व्यापक जागरूकता अभियान

संवाददाता। हजारीबाग

छात्रों को मादक पदार्थों के सेवन को रोकने और उनके बीच इसके बढ़ते दुष्प्रभावों को देखते हुए राज्य सरकार व्यापक अभियान चलाएगी. स्कूली शिक्षा व साक्षरता विभाग ने नशे के विरुद्ध व्यापक जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया है. उक्त जानकारी डीएसई संतोष गुप्ता ने डायट हजारीबाग में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला के दौरान दी.

उन्होंने कहा कि 18 से 25 जून तक जिले के सभी कोटी के सरकारी, गैर सरकारी, सहायता प्राप्त, गैर सहायता प्राप्त, अल्पसंख्यक निजी विद्यालयों में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा. इस दौरान विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्कूली बच्चों को प्रतिदिन मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के विरुद्ध जागरूक किया जाएगा. इससे पूर्व एक दिवसीय शिविर का शुभारंभ डीईओ प्रवीण रंजन, बीईईओ नागेश्वर सिंह, किशोर कुमार, राकेश कुमार, जवाहर प्रसाद, विजय लक्ष्मी ने सामूहिक रूप से किया.

डाइट हजारीबाग में कार्यशाला में मौजूद डीएसई व अन्य.

एक-एक बच्चों को जागरूक करें: डीईओ

कार्यशाला में मौजूद शिक्षकों एवं पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए डीईओ ने नशीली पदार्थों से होने वाले नुकसान के बारे में विस्तारपूर्वक बताया. उन्होंने कहा कि आप सब शिक्षा विभाग की रीढ़ हैं. एक-एक बच्चों तक पहुंच कर उन्हें इस बुरी लत से बचने के प्रति जागरूक करें. कार्यशाला में सभी प्रखंडों के बीईईओ, बीपीओ, बीआरपी, सीआरपी, एमआईएस, एमडीएम ऑपरेटर आदि मौजूद थे.

आईसेक्ट विवि में म्यूजिक और डांस की कक्षाएं 21 जून से

संवाददाता। हजारीबाग

आईसेक्ट विश्वविद्यालय म्युजिक और डांस में रूचि रखने वाले विद्यार्थियों के लिए सुनहरा मौका लेकर आया है. दरअसल संध्याकालीन म्यूजिक एवं डांस की कक्षाएं शुरू की जा रही है, जिसकी शुरुआत आगामी 21 जून से होगी. उक्त जानकारी आईसेक्ट विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने दी. बताया कि सप्ताह में शनिवार और रविवार दो दिन शाम 3 बजे से 6 बजे तक कक्षाएं संचालित होगी. जिसमें निः शुल्क रजिस्ट्रेशन कराकर विद्यार्थी कक्षाओं में शामिल हो सकते हैं. उन्होंने कहा कि म्युजिक और डांस में रूचि रखने वाले विद्यार्थियों के लिए यह सुनहरा मौका होगा. उन्होंने बताया कि फिलहाल क्लासिकल म्यूजिक, लाइट म्यूजिक, बॉलीवुड सॉन्ग, क्लासिकल डांस, सेमी क्लासिकल डांस व बॉलीवुड डांस का प्रशिक्षण विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की प्राध्यापिका कुमारी सीमा के माध्यम से दिया जाएगा.

राजकुमार ने रक्तदान कर जरूरतमंद को उपलब्ध कराया रक्त

रामगढ़। मुस्कुराहटें संस्था अपने करें रक्तदान, दें जीवनदान अभियान के तहत क्षेत्र के लोगों को रक्तदान के प्रति निरंतर जागरूक कर रही है. रक्त के अभाव में किसी को स्वास्थ्य हानि नहीं हो तथा रक्त की कालाबाजारी न हो इस दिशा में संस्था निरंतर प्रयासरत है. क्षेत्र की एक महिला का हीमोग्लोबिन काफी कम हो गया था.चितरपुर निवासी राज कुमार ने कहा कि रक्तदान महादान है. किसी जरूरतमंद के लिए रक्तदान कर अत्यन्त खुशी महसूस हो रही है.

बराकर पुल के पास श्मशान शेड बनेगा, बोरिंग भी कराई जाएगी

बच्छई व सिंघरावां के भाजपा नेताओं को सांसद ने दिया भरोसा

संवाददाता। चौपारण

बच्छई व सिंघरावां के दर्जनों भाजपा नेताओं ने शनिवार को सांसद मनीष जायसवाल से शिष्टाचार मुलाकात की. उन्होंने सांसद को जीत की बधाई देते हुए दोनों पंचायत के दर्जनों गांवों के प्रमुख जनसमस्याओं से अवगत कराया. सांसद ने जल्द ही जनहित से जुड़ी सभी समस्याओं के समाधान का भरोसा दिया.

मुखिया संघ अध्यक्ष बिरेंद्र रजक ने बताया कि सांसद ने बराकर पुल के समीप श्मशान शेड व एक बोरिंग की मांग जल्द पूरा करने का भरोसा दिया है. बीरेंद्र रजक ने बताया कि दर्जनों गांवों का शव बराकर में जलाया जाता है. यहां आने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है. इसलिए, जनहित में श्मशान शेड बहुत जरूरी है. मौके पर भाजपा नेता राजेंद्र चद्रवंशी,जन्मेजय सिंह, राजेश यादव, बासुदेव यादव, बैजनाथ यादव सहित अन्य उपस्थित रहे.

जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक में डीसी ने जल प्रबंधन पर दिया जोर

सेग्रीगेशन केंद्र के लिए भूमि उपलब्ध कराएं

संवाददाता। रामगढ़

उपायुक्त चंदन कुमार की अध्यक्षता में शनिवार को समाहरणालय सभाकक्ष में जिला स्तरीय ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक हुई. इस दौरान पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से जिले में ओडीएफ एवं ओडीएफ प्लस के तहत अब तक हुए कार्यों की जानकारी दी गई. साथ ही ओडीएफ प्लस के अंतर्गत जिले में एस्पायरिंग, राइजिंग व मॉडल के अंतर्गत गांव की हुई रेटिंग के बारे में भी बताया गया.

इस दौरान ओडीएफ प्लस के अंतर्गत आगे के कार्य योजनाओं के संबंध में भी विस्तृत जानकारी दी गयी. ठोस कचरा प्रबंधन के तहत जिले के सभी पंचायतों में सेग्रीगेशन केंद्र संचालित करने को लेकर उपयुक्त ने सभी सीओ सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को 30 जून तक अनिवार्य रूप से पंचायत में भूमि चिह्नित करने का कार्य पूर्ण करते हुए संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया. सेग्रीगेशन केंद्र स्थापित करने के उपरांत केंद्र का नियमित संचालन सुनिश्चित करने हेतु कार्य योजना बनाने को भी कहा. वहीं उच्च विद्यालयों सहित प्रत्येक गांव में पर्याप्त इंसीनरेटर (भस्मक) की व्यवस्था करने का निर्देश दिया.

ग्राउंडवाटर रिचार्ज पर विशेष ध्यान देने पर जोर : उपायुक्त ने जल संचयन के तहत जिले में चल रही योजनाओं एवं किए जा रहे कार्यों की भी समीक्षा की. उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जल संचयन से संबंधित योजनाओं, ग्राउंडवाटर रिचार्ज पर विशेष ध्यान देते हुए कार्य करने तथा इसके प्रति लोगों को भी जागरूक करने का निर्देश दिया. सभी बीडीओ सहित संबंधित अन्य अधिकारियों को प्रखंड स्तर पर गठित जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक का नियमित आयोजन करने को कहा.

बैठक में शामिल रामगढ़ डीसी चंदन कुमार व अन्य अधिकारी.

पेट्रोल पंप पर फायरिंग के आरोपी गिरफ्तार, बाइक बरामद

संवाददाता। रामगढ़

बीते 6 जून के शाम पतरातू थाना क्षेत्र के तालाताड़ स्थित पेट्रोल पंप पर हुई फायरिंग की घटना का पुलिस ने उद्देदन कर दिया है.कांड में शामिल पुलिस ने पतरातू थाना क्षेत्र के रोचाप निवासी चांद खान (21) वर्ष को गिरफ्तार किया है. जिसके पास से पुलिस ने कांड में प्रयुक्त पल्सर मोटरसाइकिल जब्त किया है.वहीं मामले में तीन अभियुक्त अभी भी फरार है.

जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है.रामगढ़ पुलिस अधीक्षक डॉ विमल कुमार ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में मामले का खुलासा करते हुए बताया कि 6 जून की शाम 7:50 बजे पतरातू थाना क्षेत्र के तालाटांड स्थित पेट्रोल पंप में फायरिंग की घटना को अंजाम दिया गया था. जिस पर पुलिस अधीक्षक ने कांड के उद्देदन के लिए पतरातू अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वीरेंद्र राम के नेतृत्व में टीम का गठन कर कार्रवाई के लिए निर्देशित किया था. टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छानबीन शुरू की और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाला अनुसंधान के क्रम में साक्ष केआधार परअभियुक्त चांद खान को गिरफ्तार किया गया.पूछताछ में चांद खान ने अपने अपराध को स्वीकार किया है जिसकी निशानदेही पर पुलिस ने घटना में प्रयुक्त पल्सर मोटरसाइकिल को बरामद किया. डॉ विमल कुमार ने बताया कि कांड में शामिल तीन अभियुक्त फरार चल रहे हैं. जिसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान की जा रही है . छापेमारी दल में पतरातू अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वीरेंद्र कुमार राम, पतरातू सर्किल इंस्पेक्टर योगेंद्र कुमार, पतरातू थाना प्रभारी शिवलाल कुमार गुप्ता, पुअनि प्रदीप कुमार रजक सदल बल शामिल थे.

आयोजन विजेता टीम को 21 हजार व रनरअप को 11 हजार का पुरस्कार

सिलवार कला क्रिकेट नाइट टूर्नामेंट आज से होगा शुरु

संवाददाता। हजारीबाग

खेल को प्रोत्साहित करने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है. इसी प्रयास के बीच सेवा सहयोग समिति के अध्यक्ष व युवा समाजसेवी हर्ष अजमेरा के विशेष सहयोग से सिलवर कला क्रिकेट नाइट टूर्नामेंट के तत्वावधान में नॉकआउट क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य आयोजन 16 जून रविवार से किया जा रहा है. आयोजन में विजेता टीम में प्रथम पुरस्कार 21 हजार एवं द्वितीय पुरस्कार 11 हजार निर्धारित किया गया है. टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर स्थानीय खिलाड़ियों में काफी उत्साह और उमंग देखा जा रहा है. खेल आठ-आठ ओवर का होगा इस टूर्नामेंट में खेलने वाले प्रत्येक टीम के लिए एक जूता एवं जर्सी अनिवार्य रखा गया है.

प्रेस वार्ता करते क्रिकेट टूर्नामेंट के सदस्य.

मौके पर हर्ष अजमेरा ने कहा कि ऐसे टूर्नामेंट आयोजित होने से खिलाड़ियों में खेल के प्रति काफी ऊर्जा संचालित होती है. ऐसी टूर्नामेंट हमेशा आयोजित होते रहनी चाहिए ताकि खिलाड़ियों का सपना पूरा हो सकें और उनके पीछे छिपी कला सभी के सामने आ सकें.

खास बातें

- सभी मैच आठ-आठ ओवर का खेला जायेगा
- टूर्नामेंट को लेकर आसपास के क्षेत्र के लोगों में उत्साह

आयोजक मंडली ने का बताया कि टूर्नामेंट को लेकर पूरी तैयारी कर ली गई है. आठ ओवर का मैच निर्धारित किया गया है. टूर्नामेंट को लेकर आसपास के क्षेत्र के लोग एवं खिलाड़ियों में काफी ऊर्जा और उत्साह देखने को मिल रही है. इस टूर्नामेंट को देखने के लिए हजारीबाग वासी सादर आमंत्रित है.

कार्यक्रम को विशेष रूप से सफल बनाने में अध्यक्ष कमलेश रजक उपाध्यक्ष मुकेश प्रजापति,सचिव सेवा कुमार यादव, कोषाध्यक्ष रमेश यादव, लेखापाल,रवि कुमार रजक, व्यवस्थापक सुजित यादव सहयोगकर्ता में कौलेश्वर रजक, उमेश प्रसाद, नेमी राम, मुख्तार अंसारी, नवल मेहता, राहुल यादव, विजय यादव, अभिषेक मेहता, ललन यादव, सुजित प्रजापति, मनोज कुमार, पिंटू कुमार,अकरम, साहिल, फरदिन, चन्दन, अभिषेक, सचिन, सुजित मेहता,बबलू गांगुली, महेश रविदास, दिवाना, रीतिक, मनीष, जुबैर, रवि कुमार, आन्नद सहित कई लोग शामिल है.

न्यू लाइफ लाइन नर्सिंग होम का उद्घाटन आज

संवाददाता। हजारीबाग

हुरहुरू मेन रोड स्थित न्यू लाइफ लाइन नर्सिंग होम एवं मैटरनिटी सेंटर का उद्घाटन रविवार को होगा. इस संबंध में नर्सिंग होम संचालक डॉ अमर कुमार व डॉ रजनी कुमारी ने शनिवार को नर्सिंग होम में प्रेस वार्ता की. उन्होंने बताया कि यह नर्सिंग होम 25 बेड का है. यहां आईसीयू के अलावा कई सुविधाएं उपलब्ध हैं. अब हजारीबाग के लोगों को इलाज की अच्छी व्यवस्था के लिए रांची जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी.

उद्घाटन कार्यक्रम में सांसद मनीष जायसवाल, उपायुक्त नैंसी सहाय, बरही के पूर्व विधायक मनोज यादव, समाजसेवी शारदानंद सिंह, विवेकानंद सिंह, भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद के अलावा कई गणमान्य उपस्थित रहेंगे. डॉ अमर कुमार ने यह भी बताया कि यह अस्पताल सभी सुविधाएं से लैस होगा. यहां जनरल सर्जरी, स्त्री रोग विशेषज्ञ, नॉर्मल और सिजेरियन डिलीवरी, इनफर्टिलिटी क्लीनिक, पिडियेट्रिक, सर्जरी यूरोलॉजी, गैस्ट्रो पीडियेट्रिक, एनआईसीयू के साथ-साथ मॉड्यूलर ओपी, सर्जिकल आईसीयू, पैथोलॉजी जनरल वार्ड, प्राइवेट केबिन, डीलक्स केबिन, इंडोस्कोपी, कैंटीन, लिफ्ट आदि नवीनतम सुविधाएं उपलब्ध रहेगी. साथ ही आयुष्मान कार्ड से इलाज की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी.

प्रेस वार्ता में अस्पताल के बारे में जानकारी देते डॉ अमर व डॉ रजनी.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष संभव हो तो ऋण लेने से बचें. दौड़धूप अधिक रहेगी. बुरी खबर मिल सकती है. वाणी पर नियंत्रण रखें. दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं. समाज में आपके कार्यों की आलोचना होगी. राजकीय सहयोग मिलेगा. संकटमोचन का पाठ करें.

वृषभ अपनों के प्रति जिमेवारी पूरी होगी. मेहनत से सफलता मिलेगी. कार्य की प्रशंसा होगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. ऐश्वर्य के साधन मिलेंगे. विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी. व्यापार अच्छा चलेगा. दुर्गा माता का ध्यान करें.

मिथुन मानसिक तनाव होगा. किसी पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी. उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी. स्वाभिमान बना रहेगा. नौकरी में मनचाही पदोन्नति मिलने के योग बनेंगे. स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें. रुका धन मिलेगा. व्यापार में नए अनुबंध होंगे.

कर्क किसी वरिष्ट से मुलाकात होगी. अप्रत्याशित लाभ हो सकता है. जोखिम न उठाएं. प्रसन्नता रहेगी. धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी. आर्थिक स्थिति में सुधार की संभावना है. व्ययों में कमी करना चाहिए.

सिंह आय होगी. शारीरिक कष्ट संभव है. दूसरों पर अतिविश्वास न करें. वस्तुएं संभालकर रखें. आपकी मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति आपके जीवन में आनंद का संचार करेगी. स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी. व्यापार अच्छा चलेगा.

कन्या कार्य होने से मानसिक संतुष्टि होगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. प्रसन्नता रहेगी. सार्वजनिक कार्यों में समय व्यतीत होगा. संतान की ओर से शुभ समाचार मिलेंगे. स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. रोजगार के क्षेत्र में उन्नति होगी.

तुला दिखावा में खर्च होगा. योजना फलीभूत होगी. नए अनुबंध होंगे, प्रयास करें. प्रसन्नता रहेगी. उत्तम मनोबल आपकी सभी समस्याओं को हल कर देगा. प्रतिष्ठित जनों से मेलजोल बढ़ेगा. व्यापार में नए प्रस्ताव मिलेंगे. सूर्य को बल दें.

वृश्चिक व्यवसाय ठीक चलेगा. निवेश शुभ रहेगा. शनि को खुश रखें, जिससे प्रसन्नता रहेगी. अपनी वस्तुएं संभालकर रखें. जीवनसाथी से मतभेद. व्यवहार-कुशलता से समस्या का समाधान हो सकेगा. वाहन सावधानी से चलाएं.

धनु किसी वरिष्ट से मुलाकात होगी. विवाद को बढ़ावा न दें. कुसंगति से हानि होगी. आय कम होगी. नए संबंध लाभदायी सिद्ध होंगे. व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता का विशेष योग है. व्यापारिक निर्णय जल्दबाजी में न लें.

मकर प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. चिंता रहेगी. प्रमाद न करें. परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे. शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होगी. अधूरे पड़े काम पूरे होने के योग हैं.

कुंभ समय अनुकूल है. शत्रु परास्त होंगे. बेरोजगारी दूर होगी. यात्रा, नौकरी व निवेश लाभदायक रहेंगे. व्यापार में कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें. आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी. संतान की शिक्षा संबंधी समस्या रह सकती है.

मीन समय उत्तम है. रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे. व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रसन्नता बनी रहेगी. आय में अधिक व्यय से मनोबल कमजोर पड़ सकता है. कार्य, व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं से मन अशांत रहेगा. गुरु मंत्र जपें.

8वें अंतरराष्ट्रीय मलखंब दिवस पर खिलाड़ियों ने किया शानदार प्रदर्शन

रांची। 8वीं अंतरराष्ट्रीय मलखंब दिवस पर झारखंड मलखंब अकादमी रांची में बंगीय सांस्कृतिक परिषद विद्यालय में अकादमी के खिलाड़ियों ने पोल मलखंब, रोप मलखंब, हैंगिग मलखंब के कौशल्य का प्रदर्शन किया. इस दौरान बालक-बालिका ने अलग-अलग पिरामिड का निर्माण कर सभी दर्शकों को अचंभित कर दिया. इस अवसर पर झारखंड मलखंब अकादमी रांची के निदेशक अजय झा ने सत्र 2023-2024 में झारखंड टीम की ओर से राष्ट्रीय प्रतियोगिता, खेलों इंडिया यूथ गेम्स, नेशनल गेम्स -गोवा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया. अंतरराष्ट्रीय मलखंब दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि निदेशक ऋषिकेश लाल ने संयुक्त रूप से प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया.

गांव में पानी नहीं, खबर छपी, टीम आई, निरीक्षण कर लौट गई, नतीजा शून्य

कब और कैसे मिलेगा थोलकोबाद के ग्रामीणों को पानी!

शैलेश सिंह। किरीबुरु

पहले ब्रिटिश सरकार के पदाधिकारियों की शरणस्थली और बाद में भाकपा माओवादी नक्सलियों की राजधानी रहा सारंडा के थोलकोबाद गांव के ग्रामीण आज एक-एक बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं. कुछ दिन पहले तक इस गांव के ग्रामीण पास के नाला में चुआं बनाकर पानी लेने को मजबूर थे, लेकिन पिछले कुछ दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी की वजह से इस नाले का पानी भी सूख गया. जिससे अब ग्रामीणों के सामने पेयजल का भारी संकट उत्पन्न हो गया है. गांव का प्रायः सभी चापाकल पहले से ही खराब है. उल्लेखनीय है कि लगातार न्यूज ने 20 मई को ही इस गांव में पेयजल की भारी संकट एवं चुआं का पानी पीने को ग्रामीण मजबूर खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था. खबर छपने के बाद अगले ही दिन मनोहरपुर प्रखंड प्रशासन की टीम सारंडा के थोलकोबाद गांव पहुंची. ग्रामीणों की पेयजल से संबंधित समस्या को देखा और गांव में पेयजल की समस्या का समाधान हेतु जल्द ही ग्रामीणों को दो जलमीनार लगाने का आश्वासन दिया था. लेकिन, आज तक इस दिशा में पेयजल विभाग व प्रशासन ने कोई कदम नहीं उठाया गया.

ग्रामीणों की जिंदगी वोट देकर सरकार बनाने तक सीमित

थोलकोबाद निवासी गुमिदा होनहागा, बिमल होनहागा आदि ने बताया कि ग्रामीणों की जिंदगी बस पांच साल में एक बार वोट देकर मजबूत सरकार बनाने तक सीमित रह गई है. ग्रामीणों की समस्याओं को देखने कोई भी पार्टी के जनप्रतिनिधि अथवा प्रशासनिक अधिकारी गांव नहीं आते हैं. हमारी कोई बुनियादी समस्याओं का समाधान नहीं होता है. सरकार व पुलिस-प्रशासन का विशेष निर्देश है कि घोर नक्सल प्रभावित क्षेत्र के गांवों में तमाम प्रकार की बुनियादी सुविधा यथाशीघ्र बहाल की जाये.

गांव का चापानल खराब,नाला व चुआं भी सूख गये

ग्रामीणों ने कहा कि अब गांव का नाला और चुआं का पानी भी सूख गया है. ऐसे में हम ग्रामीण पानी लेने कहां जायें. पानी की जल्द व्यवस्था नहीं हुई तो ग्रामीणों के सामने पलायन के सिवाय कोई दूसरा रास्ता नहीं बचेगा. सारंडा में लंबे समय से वर्षा भी नहीं हुई है, जिससे प्राकृतिक जलस्रोत रिचार्ज हो. भीषण गर्मी की वजह से यह जलस्रोत पूरी तरह से सूख गया है. प्रशासन व सरकार हमारी इस समस्या का यथाशीघ्र समाधान करे.

20 मई और 13 जून की थोलकोबाद चुआं की अलग-अलग ली गई तस्वीर और खराब चापाकल.

अंतराज्यीय चोर गिरोह का खुलासा

बिहार से स्विफ्ट कार के साथ चार अपराधियों को धर दबोचा

- विधायक आवास के समीप से विगत 11 जून को स्कॉर्पियो चोरी हो गयी थी
- 11 जून को स्कॉर्पियो संख्या (जेएच 12 एल 9248) की चोरी के बाद कोडरमा थाना में प्राथमिक की दर्ज की गयी थी
- गिरफ्तार अपराधियों में रमेश कुमार (32), ओमप्रकाश पासवान (34), अविनाश कुमार (24) और विकास कुमार (33) शामिल हैं

बिहार के वैशाली जिला के महुआ थाना क्षेत्र के हैं सभी अपराधी

संवाददाता। कोडरमा

कोडरमा थाना क्षेत्र में गिरिडीह रोड स्थित विधायक आवास के समीप से विगत 11 जून को स्कॉर्पियो चोरी मामले का खुलासा पुलिस ने कर लिया है. कोडरमा पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने शनिवार को बताया कि चोरी गए स्कॉर्पियो की बरामदगी को लेकर कोडरमा एसडीपीओ के नेतृत्व में गठित टीम ने अंतर्राज्यीय चोर गिरोह का खुलासा किया है.

एसपी ने बताया कि 11 जून को स्कॉर्पियो संख्या (जेएच 12 एल 9248) की चोरी के बाद कोडरमा थाना में प्राथमिक की दर्ज हुई थी. इस मामले के उदभेदन को लेकर एक छापेमारी दल का गठन किया गया था. गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी दल ने बिहार के वैशाली जिले के महुआ थाना क्षेत्र में छापेमारी कर चोरी की घटना को अंजाम देने में उपयोग किए गए स्विफ्ट कार के साथ चार अपराधियों को भी गिरफ्तार किया.

एसपी ने बताया कि चोर गिरोह के द्वारा स्विफ्ट कार से चोरी की घटना को अंजाम देने से पहले रेकी की जाती थी. इसके बाद मौका मिलने पर वाहन की चोरी कर इसे मुजफ्फरपुर के गैरेज में ले जाकर गाड़ी के पार्ट्स पुर्जा को अलग कर दूसरे वाहनों में लगा दिया जाता था.

पुलिस की टीम ने छापेमारी के दौरान मुजफ्फरपुर के मिठनपुरा में स्थित एक गैरेज से चोरी हुए स्कॉर्पियो के पार्ट्स को दूसरे स्कॉर्पियो संख्या (बीआर 09 पीए 4405) में फिटिंग करते हुए गिरोह के सदस्यों को गिरफ्तार किया. गिरफ्तार अभियुक्तों में बिहार के वैशाली जिला के महुआ थाना क्षेत्र अंतर्गत निवासी रमेश कुमार (32), ओमप्रकाश पासवान (34), अविनाश कुमार (24) और विकास कुमार (33) शामिल हैं. पुलिस ने गैरेज से चोरी हुए स्कॉर्पियो के पार्ट्स और जीपीएस सिस्टम बरामद किया है.

एसपी ने बताया कि पुलिस की छापेमारी से पहले गैरेज का मालिक फरार हो गया था, जिसकी गिरफ्तारी को लेकर उसकी तलाश कर रही है. एसपी ने बताया कि इस गिरोह ने पहले भी जिले में एक ट्रक और एक पिकअप वाहन के चोरी की घटना को अंजाम दिया था. मामले के उद्भेदन में एसडीपीओ जीतवाहन उरांव, कोडरमा थाना प्रभारी सुजीत कुमार, शशि भूषण कुमार समेत तकनीकी शाखा के कर्मियों की भूमिका रही.

राज्य के 22 जिलों का पारा 40 डिग्री के पार

शुभम किशोर। रांची

झारखंड के 22 जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री से. से पार कर चुका है. पाकुड़ और साहिबगंज को छोड़कर सभी जिलों में लोग गर्मी की तपिश ने लोगों को परेशान कर रखा है. शनिवार को राज्य के उत्तर-पश्चिमी एवं दक्षिण-पूर्वी भागों सरायकेला खरसांवां और गढ़वा में भीषण उष्ण लहर सीवियर हीट वेव रही. झारखंड में सबसे गर्म 45.9 डिग्री से. के साथ सरायकेला खरसावां रहा. पिछले 24 घंटे में राज्य में कहीं-कहीं पर आंधी के साथ बहुत हल्के दर्जे की वर्षा हुई. सबसे अधिक वर्षा 0.5 एमएम पश्चिमी-सिंहभूम में दर्ज किया गया. राज्य में कहीं-कहीं पर उष्ण लहर से भीषण उष्ण लहर भी दर्ज की गई. सबसे अधिक उच्चतम तापमान 45.2 डिग्री से. डालटनगंज में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 27.4 डिग्री से. चाईबासा में दर्ज किया गया.

17 जून से बारिश की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार राज्य में मानसून 19 जून को प्रवेश कर सकता है. इससे पहले 17 जून से झारखंड के अधिकांश जिलों में बारिश की संभावना है. रविवार को राज्य के दक्षिण-पश्चिमी, मध्य एवं निकटवर्ती भागों में कहीं-कहीं पर हीट वेव रहने को लेकर चेतावनी दी गई है. वहीं इस दौरान कहीं-कहीं पर गर्जन और तेज हवा के साथ वज्रपात होने की संभावना है.

किन शहरों में 40 डिग्री से. के पार रहा पारा

रांची	41.0	गिरिडीह	43.9	लोहरदगा	40.5
जमशेदपुर	44.2	गोड्डा	41.5	पलामू	41.1
डालटनगंज	45.7	गुमला	41.6	रामगढ़	42.9
बोकारो	43.4	हजारीबाग	41.6	सरायकेला	45.9
चतरा	42.2	जामताड़ा	42.7	सिमडेगा	41.6
देवघर	43.1	खूंटी	42.3	प. सिंहभूम	44.2
धनबाद	41.9	बहरागोड़ा	44	———	
गढ़वा	45.1	लातेहार	42	———	

सांसद कालीचरण सिंह ने लावालौंग का किया दौरा

चतरा। चतरा के नवनिर्वाचित सांसद कालीचरण सिंह ने शनिवार को लावालौंग प्रखंड का दौरा किया. उन्होंने लावालौंग प्रखंड के बनचतरा निवासी और भाजपा कार्यकर्ता दिलीप साहू की सड़क दुर्घटना में निधन के बाद परिजनों से मुलाकात की. सांसद ने उनके परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की और दुःख की इस घड़ी में उन्हें सांत्वना दी. इसके बाद सांसद लमटा गांव निवासी विनोद पासवान के घर भी गए. वहां उन्होंने विनोद पासवान की धर्मपत्नी गीता देवी और बहू शोभा देवी के निधन पर शोक व्यक्त किया. दोनों की मौत पेड़ की डाली गिरने से हो गई थी. उन्होंने ब्रह्मभोज कार्यक्रम में सम्मिलित होकर शोकाकुल परिजनों से मिलकर उनकी स्थिति से अवगत हुए और उन्हें सांत्वना दी. उन्होंने कहा कि वे इस कठिन समय में शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़े हैं.

महाधिवक्ता बने खूंटी जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष

संवाददाता। खूंटी

झारखंड के महाधिवक्ता राजीव रंजन खूंटी जिला क्रिकेट एसोसिएशन के नये अध्यक्ष बनाये गये हैं. खूंटी जिला क्रिकेट एसोसिएशन की शनिवार को विशेष आमसभा बसंत कॉम्प्लेक्स में हुई, जिसमें एसोसिएशन के सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से अध्यक्ष के रूप में राजीव रंजन के नाम पर मुहर लगायी. उल्लेखनीय है कि निवर्तमान अध्यक्ष एसबी सिंह ने व्यस्तता के कारण अपने पद से इस्तीफा दे दिया था. इस अवसर पर राजीव रंजन ने कहा कि खूंटी जिले में क्रिकेट का विकास तेजी हो तथा यहां के खिलाड़ी हर फॉर्मेट राज्य एवं देश का प्रतिनिधित्व करें. इसके लिए समिति के पदाधिकारियों के साथ मिलकर योजनाबद्ध तरीके से काम करेंगे. उन्होंने कहा कि जिले में प्रतिभा की कमी नहीं है, उसे पहचान कर तरासने का काम किया जायेगा.

मनोज चंद्रा ने टंडवा के लोगों के लिए पानी आपूर्ति करने का बीड़ा उठाया

संवाददाता। चतरा

भीषण गर्मी में टंडवा में पानी की समस्या उत्पन्न हो गई है. सभी प्राकृतिक जलस्रोत सूख जाने से यहां पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। पेयजल समस्या की सूचना पर शनिवार को समाजसेवी और सिमरिया विधानसभा क्षेत्र प्रत्याशी मनोज चंद्रा ने टंडवा के लोगों के लिए पानी आपूर्ति करने का बीड़ा उठाया है. लोगों ने रबा कि टंडवा एनटीपीसी द्वारा सीमित टैंकर से पानी की आपूर्ति की जा रही थी. कई क्षेत्रों में पानी नहीं मिल पा रहा था. भीषण गर्मी में पानी का हाहाकार मचने पर कई बार लोगों ने एनटीपीसी से टैंकर की संख्या बढ़ाने का मांग किया. इससे पानी के हाहाकार पर कुछ कमी आ सके लेकिन एनटीपीसी ने टैंकर की संख्या नहीं बढ़ाया, जिससे लोगों में नाराजगी थी. टंडवा में भीषण गर्मी में पानी के आपूर्ति के लिए मनोज चंद्रा आगे आए. उनके जरिये टैंकर से पानी आपूर्ति शुरू कर दी गई है.

बैठक में कुल 17 जिलों के 32 प्रखंड के 49 स्थानों से प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया

देश और समाज के लिए हमेशा तत्पर रहें : आनंद

संवाददाता। मधुवन (गिरिडीह)

मधुवन में विश्व हिंदू परिषद् परिषद शिक्षा वर्ग और विहिप की युवा इकाई बजरंग दल प्रांत शौर्य प्रशिक्षण वर्ग का शनिवार को समापन हुआ. वर्ग 8 जून 2024 से प्रारंभ हुआ था. समापन समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में पटना क्षेत्र संगठन मंत्री आनंद कुमार ने कहा कि हमारे इस प्रशिक्षण से शारीरिक और मानसिक विकास किया जाता है. देश और समाज के लिए कार्य करने के लिए स्वयं का सम्मान की जरूरत नहीं होती है. समाज में आपको कैसे रहना है, उनके चरित्र का निर्माण करना, साधना करना सब इस प्रशिक्षण में सिखाया गया बिना इसके अच्छा जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है. आज के बच्चों में संस्कार की कमी होती जा रही है. बड़े छोटे का सम्मान कम होता जा रहा है. इस तरह के प्रशिक्षण में संस्कार दिया जाता हैं. प्रांत सहमंत्री मनोज पोद्दार जी ने बताया की बैठक में हर दिन शारीरिक,बौद्धिक और चर्चा सत्र की गई. यह प्रशिक्षण शुरुआती प्रशिक्षण है इससे आगे के जीवन जीने में मार्गदर्शन मिलता रहेगा. प्रांत सह मंत्री रंगनाथ महतो जी ने बताया कि इस बैठक में कुल 17 जिलों के 32 प्रखंड के 49 स्थानों से प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया. वहीं कुल ग्यारह शारीरिक शिक्षक प्रशिक्षण में प्रशिक्षण दिया. अनुशासन का पालन करते हुए सभी प्रशिक्षणार्थियों ने प्रातः चार बजे से रात्रि दस बजे तक कालांशशः सभी कार्यक्रम किया.

समापन समारोह में विहिप के सदस्यगण.

बैठक में मुख्य रुप से प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह, प्रांत सह मंत्री मनोज पोद्दार, सहमंत्री रंगनाथ महतो, बजरंग दल प्रांत संयोजक दीपक ठाकुर, प्रांत प्रचार प्रसार सहप्रमुख प्रकाश रंजन, बलदेव आचार्य, प्रांत सत्संग टोली राम प्रताप सिंह, अमित पासवान बजरंग दल विद्यार्थी संपर्क प्रमुख, अनूप यादव विभाग मंत्री, अमर प्रसाद प्रचार प्रसार विभाग प्रमुख, राम किशोर शरण,जिला अध्यक्ष भरत साव उपाध्यक्ष, हीरा साव, अतुल जैन, प्रकाश जी, महेन्द्र जी, शोभा देवी, मंजू जी ,मंच संचालन अमन प्रसाद एवं अन्य बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता उपस्थित रहे.

साहित्य अकादमी 2024 के लिए युवा पुरस्कार व बाल साहित्य पुरस्कार विजेताओं की घोषणा की

संथाली लेखक अंजन करमाकर को साहित्य अकादमी का युवा पुरस्कार

लगातार न्यूज नेटवर्क

साहित्य अकादमी ने शनिवार को अंग्रेजी लेखिका के. वैशाली और हिंदी लेखक गौरव पांडेय समेत 23 लेखकों के नामों की घोषणा की, जिन्हें विभिन्न भाषाओं में प्रतिष्ठित युवा पुरस्कार मिलेगा. साहित्य अकादमी ने 2024 के लिए बाल साहित्य पुरस्कार के 24 विजेताओं के नामों की भी घोषणा की. अकादमी ने एक बयान में कहा कि संस्कृत में युवा पुरस्कार के विजेता की घोषणा बाद में की जाएगी. साहित्य अकादमी ने एक बयान में कहा, साहित्य अकादमी के कार्यकारी बोर्ड ने माधव कौशिक की अध्यक्षता में हुई बैठक में 23 लेखकों के चयन को मंजूरी दी, जिनका चयन संबंधित भाषा में तीन-तीन सदस्यों वाले चयन मंडल द्वारा की गई सिफारिशों के आधार पर निर्धारित नियमों और प्रक्रिया के अनुसार किया गया. के. वैशाली को उनके संस्मरण होमलेसः ग्रोइंग अप लेस्बियन एंड डिस्लेक्सिक इन इंडिया के लिए सम्मानित किया जाएगा, जबकि गौरव पांडेय को उनके कविता संग्रह स्मृतियों के बीच घिरी है पृथ्वी के लिए सम्मानित किया जाएगा. युवा पुरस्कार 10 कविता संग्रहों, सात लघु कथा संग्रहों, दो लेख और एक निबंध संग्रह, एक उपन्यास, एक गजल पुस्तक और एक संस्मरण के लिए प्रदान किया गया है. युवा पुरस्कार के अन्य विजेता नयनज्योति शर्मा (असमिया), सुतापा चक्रवर्ती (बंगाली), सेल्फ मेड रानी बारो (बोडो) और हीना चौधरी (डोगरी) हैं. रिंकू राठौड़ (गुजराती), श्रुति बी आर (कन्नड़), मोहम्मद अशरफ जिया (कश्मीरी), अद्वैत सालगांवकर (कोंकणी), रिंकी झा रिशिका (मैथिली) और श्यामकृष्णन आर (मलयालम) भी विजेताओं में शामिल हैं. वैखोम चिंगखेंगनबा (मणिपुरी), देवीदास सौदागर (मराठी), सूरज चपागैन (नेपाली), संजय कुमार पांडा (ओडिया), रणधीर (पंजाबी), सोनाली सुतार (राजस्थानी) को भी युवा पुरस्कार के लिए चुना गया है. अन्य विजेताओं में अंजन करमाकर (संथाली), गीता प्रदीप रूपानी (सिंधी), लोकेश रघुरामन (तमिल), रमेश कार्तिक नायक (तेलुगु) और जावेद अंबर मिस्बाही (उर्दू) शामिल हैं. युवा पुरस्कार विजेताओं को बाद में एक समारोह में एक पट्टिका और 50,000 रुपए का चेक दिया जाएगा. बाल साहित्य पुरस्कार के लिए अकादमी ने अंग्रेजी लेखिका नंदिनी सेनगुप्ता को उनके ऐतिहासिक उपन्यास द ब्लू हॉर्स एंड अदर अमेजिंग एनिमल स्टोरीज फ्रॉम इंडियन हिस्ट्री और देवेन्द्र कुमार के बच्चों की कहानियों के संग्रह 51 बाल कहानियां के लिए चुना है. बाल साहित्य पुरस्कार सात उपन्यासों, छह कविता पुस्तकों, चार कहानियों, पांच लघु कथाओं, एक नाटक और एक ऐतिहासिक कथा के लिए प्रदान किया गया है. बाल साहित्य पुरस्कार के विजेताओं में रंजू हजारिका (असमिया), दीपन्विता रॉय (बंगाली), बिरगिन जेकोवा मचाहारी (बोडो), बिशन सिंह 'दर्दी' (डोगरी), गिरा पिनाकिन भट्ट (गुजराती) और कृष्णमूर्ति बिलिगेरे (कन्नड़) शामिल हैं. मुजफ्फर हुसैन दिलबर (कश्मीरी), हर्ष सद्गुरु शेट्टी (कोंकणी), नारायणगी (मैथिली), उन्नी अम्मायमबलम (मलयालम), क्षेत्रिमायुं सुबादानी (मणिपुरी), भरत सासने (मराठी), बसंत थापा (नेपाली) और मानस रंजन सामल (ओडिया) भी विजेताओं में शामिल हैं.

विरोधियों के दुष्प्रचार से भ्रमित हो गए मतदाता : रविंद्र राय

- खूंटी संसदीय सीट पर हुई हार पर भाजपा नेताओं ने किया मंथन

संवाददाता। खूंटी

संसदीय चुनाव के दौरान खूंटी लोकसभा क्षेत्र के प्रभारी रहे पूर्व सांसद रविंद्र राय ने कहा कि विदेशी एजेंसियां भारत में हो रहे सांस्कृतिक परिवर्तन से चिंतित हैं. यही कारण है कि भाजपा उम्मीदवार को परास्त करने के लिए उन्होंने संविधान बदलने, आरक्षण खत्म करने जैसा दुष्प्रचार किया और इस क्षेत्र के भोले-भाले ग्रामीण उनके भ्रमजाल में आ गये. विरोधी खासकर कांग्रेस और झामुमो दुष्प्रचार करने में सफल रहे. यही कारण है कि झारखंड की सुरक्षित सभी पांच सीटों पर भाजपा उम्मीदवारों को पराजय का सामना करना पड़ा.

रविंद्र राय शनिवार को तोरपा के विधायक कोचे मुंडा के ममरला स्थित आवासीय परिसर में आयोजित खूंटी लोकसभा स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे. उन्होंने कहा कि विदेशी एजेंसियों द्वारा महीनों से आदिवासियों के बीच पर्चा बांटा गया, जिसमें कहा कि मोदी सरकार ने धारा 370 को जिस प्रकार खत्म कर दिया, उसी प्रकार झारखंड की अनुसूची पांच और छह में मिले आदिवासियों के अधिकार को भाजपा सरकार समाप्त कर देगी और संविधान को भी खत्म कर देगी.

"मेरा धर्म सत्य और अहिंसा पर आधारित है. सत्य ही मेरा ईश्वर है. अहिंसा ही उसे पाने का साधन है. सभी धर्मों का सार एक है. केवल उनके दृष्टिकोण अलग-अलग हैं. प्रार्थना मांगना नहीं है. यह आत्मा की अभिलाषा है. यह अपनी कमजोरी को प्रतिदिन स्वीकार करना है. प्रार्थना में हृदय के बिना शब्द होना, हृदय के बिना शब्दों से बेहतर है. – महात्मा गांधी"

पिता सृष्टि के निर्माण की अभिव्यक्ति है!

कविता कलम
डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

सनातन संस्कृति में पिता को उच्चतर स्थान प्राप्त है. पद्म पुराण में कहा गया है- पिता धर्मः पिता स्वर्गः पिता ही परमं तपः, पितरि प्रीतिमापन्ने प्रियन्ते सर्वदेवताः. पिता ही धर्म हैं, पिता ही स्वर्ग हैं, पिता ही परम तपस्या हैं. पिता के प्रसन्न होने से सभी देवता प्रसन्न हो जाते हैं. संसार के किसी भी प्राणी के जीवन का श्रीगणेश मां से ही होता है, लेकिन मनुष्य के लिए मां के साथ पिता का भी बहुत महत्वपूर्ण स्थान होता है. भूमेः गरीयसी माता, स्वर्गादुच्चतरः पिता. माता भूमि से भी भारी होती है और पिता स्वर्ग से भी ऊंचे हैं. माता स्वयं को समर्पित कर अपने शिशु का लालन-पालन करती है, लोरियां सुना कर शिशुओं के लिए नींद को बुलाती है. पिता के पास लोरियां नहीं होतीं, थपकियां होती हैं, जिनसे बच्चा मीठी नींद में निश्चिंत भाव से सोता है. मां की लोरियां सुनायी देती हैं, लेकिन पिता की थपकियां सुनायी नहीं देतीं. मां प्रत्यक्ष होती है, पिता परोक्ष. मां के सारे कार्य गोचर होते हैं, लेकिन पिता के बहुत सारे उपकार अगोचर ही रह जाते हैं.

लोकप्रियता के शीर्ष पर विराजमान हास्य कवि **ओम व्यास** पिता को जीवन, संबल और शक्ति मानते हैं. उनका कहना है-

पिता जीवन है, संबल है, शक्ति है
पिता सृष्टि के निर्माण की अभिव्यक्ति है
पिता उंगली पकड़े बच्चे का सहारा है
पिता कभी कुछ खट्टा, कभी खारा है
पिता पालन है, पोषण है, पारिवार का अनुशासन है
पिता धौंस से चलने वाला प्रेम का प्रशासन है
पिता रोटी है, कपड़ा है, मकान है
पिता छोटे से परिंदे का बड़ा आसमान है
पिता अप्रदर्शित अनन्त प्यार है पिता है तो बच्चों को इंतजार है
पिता से ही बच्चों के ढेर सारे सपने हैं
पिता है तो बाज़ार के सब खिलौने अपने हैं
पिता से परिवार में प्रतिपल राग है
पिता से ही माँ का बिंदी और सुहाग है
पिता परमात्मा की जगत के प्रति आसक्ति है
पिता गृहस्थ आश्रम में उच्च स्थिति की भक्ति है
पिता अपनी इच्छाओं का हनन और परिवार की पूर्ति है
पिता रक्त में दिये हुए संस्कारों की मूर्ति है
पिता एक जीवन को जीवन का दान है
पिता दुनिया दिखाने का अहसान है, पिता सुरक्षा है, सिर पर हाथ है
पिता नहीं तो बचपन अनाथ है,तो पिता से बड़ा तुम अपना नाम करो

मरने से क्या डरना

नियम प्रकृति का अटल, मिटे न भाग्य लकीर.
आया है सो जाएगा राजा रंक फ़कीर..
राजा रंक फ़कीर चलाओ जीवन नैय्या.
मरना तो निश्चित है फिर क्या डरना भैय्या..
रोओ पीटो, किंतु मौत को रहम न आए.
नहीं जाय, यमदूत ज़बरदस्ती ले जाए..
जो सच्चा इंसान है उसे देखिये आप.
मरते दम तक वह कभी करे न पश्चाताप..
करे न पश्चाताप, ग़रीबी सहन करेगा.
लेकिन अपने सत्यधर्म से नहीं हटेगा..
अंत समय में ऐसा संत मोक्ष पद पाए.
सत्यम शिवम सुन्दरम में वह लय हो जाए..
जीवन में और मौत में पल भर का है फ़र्क.
हार गए सब ज्योतिषी फेल हो गए तर्क..
फेल हो गए तर्क, उम्र लम्बी बतलाई.
हार्ट फेल हो गया दवा कुछ काम न आई..
जीवन और मौत में इतना फ़र्क जानिए.
साँस चले जीवन, रुक जाए मौत मानिए..

- काका हाथरसी

पिता का अपमान नहीं, उन पर अभिमान करो
क्योंकि मां-बाप की कमी कोई पाट नहीं सकता
और ईश्वर भी इनके आशीषों को काट नहीं सकता
विश्व में किसी भी देवता का स्थान दूजा है
मां-बाप की सेवा ही सबसे बड़ी पूजा है
विश्व में किसी भी तीर्थ की यात्राएं व्यर्थ हैं
यदि बेटे के होते मां-बाप असमर्थ हैं
वो खुशनसीब हैं मां-बाप जिनके साथ होते हैं
क्योंकि मां-बाप की आशीषों के हज़ारों हाथ होते हैं

पिता की थपकियों को बच्चा देख या सुन तो नहीं पाता, लेकिन मां की लोरियों के साथ उन्हें महसूस करता है और वही महसूस करना पिता होने का अर्थ है. पिता बैकस्टेज पर काम करनेवाले क्रू होते हैं, जो आपके जीवन को सुंदर बनाने के लिए जी-तोड़ मेहनत करते हैं और हर पल आपको सहारा देते हैं. पिता का प्यार बोलता नहीं, खामोश होता है. रांची की कवयित्री **संगीता सहाय** ने पिता के प्यार को इस प्रकार महसूस कर रही हैं-

ख़ामोश होता पिता का प्यार
मां बच्चों को खूब दुलारती है जी भर कर लुटाती है प्यार।
पिता कम ही दिखाते अपना लाड़ ख़ामोश होता है उनका प्यार ।।
चिलचिलाती धूप हो या हो सिहराती ठंड
पिता निकल जाते कांधे पर डाले एक बैग।
उस बैग में होते बच्चों की कामयाबी के सपने
परिवार की खुशियां, सुकून और चैन ॥
लाख मुश्किलें हों पर नहीं होतीं
पेशानी पर उनके ज़रा सी शिकन।
उलझने हों चाहे कितनी ही बड़ी
रहती होंठों पर हमेशा हल्की मुस्कान।।
ख़ुद की हर परेशानी को भूल कर
बच्चों की मुश्किलों को करते आसान ।
सर्दी ज़ुकाम हो या फिर हो बुख़ार
बिना रुके बिना थके निभाते फ़र्ज़ हर बार ।।
धीरज , संयम , मेहनत और अनुशासन
पिता के अलग अलग नाम और पहचान ।
नरम और सख़्त दिखते दो रूप पिता के
बच्चों में बसती है हर पिता की जान ।।
माँएँ करती हैं बहुत लाड़ और प्यार
पिता कभी सख़्ती से देते हैं फटकार ।
फटकार में छुपी होती है उनकी चिंता ,फ़िक्र
और बच्चों के लिए उनका असीम प्यार ॥

पिता की महिमा का बाहुल्य वेदों, पुराणों, उपनिषदों, श्रुतियों और स्मृतियों में भी है. ऋग्वेद तथा परवर्ती साहित्य में पिता शब्द का प्रयोग जन्मदाता से अधिक रक्षक और पालक के रूप में किया गया है. अग्नि की तुलना पिता की गयी है. पिता अपनी गोद में ले जाता है अर्थात अग्नि अपनी गोद में बिठा लेता है. शिशु पिता के वस्त्रों को खींचकर उसका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करता है, उसका आनंदपूर्वक स्वागत करता है. कभी बाप, बप्पा, बाबूजी कहलाने वाले पिता आधुनिक युग में पापा, डैडी और पॉप के रूप में संबोधित हो रहे हैं. कुछ भी हो अपने पिता पर गुमान तो सबको होता ही है. इस संदर्भ में प्रस्तुत है रांची की कवयित्री **रेणु झा रेणुका** की यह रचना, जिसका शीर्षक है मेरे पापा.

पापा मैं आप सी बनना चाहती हूं,सभी का भार उठाए,
पीड़ा अंदर दबाए, चेहरे पर मुस्कान सजाए,
सबकी इच्छा पूरी करते, खुद के लिए कहां सोचते,
इतनी ऊर्जा कहां से लाते हो पापा, मैं उसे जीना चाहती हूं,
पापा मैं आप सी बनना चाहती हूं।
छोटे-छोटे खर्चे बचाना, पंखा, लाइट बुझाना
पुरानी चीजें नई बनाना, न थकते न रुकते
हर हाल में हौसला बुलंद रखते, हमारी शिकायतें सुलझाते,
इतनी धैर्य कहां से लाते हो पापा, मैं उसे जीना चाहती हूं,
पापा मैं आप सी बनना चाहती हूं।
हमारे खेल खिलौने, हमारा हौसला, विश्वास त्योहारों का उल्लास,
बड़ों के आदर की चादर सम्हाले रखना, दुख में स्तंभ बने रहना,
खामोशी से बातें टालना, हमारे कल के लिए तत्पर रहना,
इतनी आत्मीयता कहां से लाते हो पापा, मैं उसे जीना चाहती हूं,
पापा मैं आप सी बनना चाहती हूँ।
मेरे पापा, मैं आप सी बनना चाहती हूं।

संतान गलती कर सकता है, लेकिन एक पिता गलत नहीं हो सकता. वह संतान को कष्ट में देख कर बेचैन हो ही जाता है. उसे संकट से मुक्त करने में जी-जान लगा देता है. वह अपने कर्तव्य पथ पर पर्वत सा अडिग रहता है. उसका हृदय विशाल होता है. रांची की कवयित्री **रश्मि सिंह** इस संदर्भ में एक ऐसा रूपक तैयार करती हैं, जिसमें पिता पर्वत जैसा दिखते हैं. इनकी कविता का शीर्षक है-पर्वत.

अडिग है, कर्तव्य पथ पर.
पर्वत सा, विशाल हृदय पर, चट्टानों सी कठोरता.
पर हर पर्वत सा ही, हृदय में पिता के भी, भाव सरित् बहता.
छुपा लेता फर्जो की आड़, वह बहता पानी का सोता.
पर्वत सा ही रोक लेता, खुद पर वह, हर तूफानों को.
पर कठोरता के आवरण में, छुप जाता उसका त्याग.
नज़र आता तो बस, खुरदरा रूप उसका.

वे बहुत भाग्यशाली होते हैं, जिन्हें पिता का स्नेह लंबे समय तक मिल पाता है. मैं भी जीवन के पांच दशकों तक उनके स्नेहामृत का पान करता रहा, किंतु एक दिन मुझे रोता-बिलखता छोड़ कर मेरे देवतुल्य पिता महाप्रस्थान कर गये. पितृदिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अपनी वाणी को विराम देता हूं. जय हिंद! जय झारखंड!!

अपने केंद्रीय मंत्रियों से अपेक्षाएं

चौराहा
प्रमोद कुमार झा

भारत जैसे विशाल देश में लोक सभा का चुनाव भी एक महापर्व की तरह होता है. चुनाव के साल भर पहले से हेलीकॉप्टर की बुकिंग शुरू हो जाती है. कार्यकर्ताओं के कपड़ों और जीवनस्तर में सुधार आ जाता है! खैर ! चुनाव हो गया, मतों की गणना हो गयी, नई सरकार का गठन हो गया. लोग अब चैन की सांस ले पा रहे हैं. टीवी चैनलों के बड़बोलेपन और झूठवाद से वैचारिक अपच होने लगी थी. अब जब सरकार का गठन हो गया तो यह सरकार एक लोकतांत्रिक ढंग से चुनी हुई सरकार है, जिसे सभी लोगों ने बहुमत से चुना है. प्रायः सांसदों को भी ₹इलेक्शन मोड₹ से बाहर आकर अब इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि क्षेत्र (प्रदेश और देश) के आम लोगों के लिए क्या कर सकते हैं और इस दिशा में तत्काल प्रयास प्रारंभ करना चाहिए! बिहार और झारखंड के दर्जनों मित्रों से मिली जानकारी के आधार पर मैं अलग-अलग मंत्रियों से अपेक्षा की सूची सामने रख रहा हूँ.- **1.** बिहार के लोकप्रिय और सफल यशस्वी पूर्व केंद्रीय मंत्री (स्व.) राम विलास पासवान के सुपुत्र युवा सांसद चिराग पासवान पहली बार केंद्रीय मंत्री बने हैं. उनसे उम्मीद है कि मूलतः कृषि पर निर्भर बिहार में खाद्य प्रसंकरण की योजनाओं को बड़े पैमाने पर लागू करवाएंगे, जिससे बिहार के पचासों लाख युवक इन्हीं खाद्य प्रसंस्करण की फैक्ट्री में काम करने बम्बई, दिल्ली, मद्रास और बंगलोर नहीं जाएं! आखिर बिहार, झारखंड के कामगार केरल से लेकर कश्मीर तक मज़दूर के रूप में जाने को मजबूर क्यों हैं? क्यों नहीं कोई तमिलनाडु, कर्नाटक, पंजाब से मजदूरी करने आता है? ध्यातव्य है कि टाटा स्टील की स्थापना के बाद लगभग पूरे भारत से लोग अवसर की तलाश में आये थे! चिराग से लोगों को बहुत उम्मीद है!

रांची के सांसद संजय सेठ पर क्षेत्र के लोगों ने दूसरी बार विश्वास किया है. इस बार तो रक्षा राज्य मंत्री भी बनाये गए हैं. उनसे उम्मीद है - **1.**एक झारखंड रेजिमेंट की स्थापना कवाएंगे. **2.** एएफएमसी की तर्ज़ पर रांची के आसपास एक आर्मी मेडिकल कॉलेज की स्थापना करवाएँगे! **3.** प्राकृतिक और खनिजों से परिपूर्ण झारखंड में रक्षा सामग्री के उत्पादन हेतु प्रावधान करवाएँगे, जिससे यहां के लोगों को रोज़गार का अवसर मिले. **4.** खड़गवासला, देहरादून, मऊ की तरह झारखंड में सेना के महिला अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना की जाय. झारखंड की यशस्वी कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी को तो पूर्ण कैबिनेट केंद्रीय मंत्री बनाया गया हैं. झारखंड की महिलाओं के विकास के लिए ऐसा सुअवसर अब और कब मिलेगा. उनसे अपेक्षाएं भी अधिक हैं. लोगों की आकांक्षा है कि वे कुछ नई सौगात झारखंड को दें. जैसे **1.** झारखंड में एक अलग केंद्रीय महिला विश्वविद्यालय की स्थापना हो. (एसएनडीटी विश्वविद्यालय, मुम्बई की तरह). इसमें सारे विषय, इंजीनियरिंग, मेडिकल, फार्मेसी, लॉ, मैनेजमेंट की भी पढ़ाई हो. यहां महिलाओं के लिए नवीनतम विषयों में शोध की भी व्यवस्था हो. **2.** झारखंड में महिलाओं के लिए सरकारी स्तर पर हवाई जहाज के पायलट के ट्रेनिग हेतु संस्थान खुले. **3.** झारखंड में महिलाओं के लिए औषधीय पौधों से प्राप्त जड़ी बूटियों से औषधि बनाने का शोध संस्थान और फैक्ट्री की स्थापना की जाय. **4.** त्रिवेंद्रम, मैसूर, हैदराबाद , बंगलोर, मोहाली, पुणे इत्यादि स्थानों की तरह झारखंड में भी आईटी सिटी की स्थापना हो और भारत की बड़ी कंपनियों जैसे टीसीएस, विप्रो, इन्फोसिस, कॉग्निजेंट इत्यादि को झारखंड में भी सेन्टर खोलने की सलाह दी जाय, जहां के सभी कर्मी महिलाएं होंगी! मुझे उम्मीद है ये मंत्रीगण अपने राज्य और क्षेत्र के लोगों को निराश नहीं करेंगे!

लालगंज वैशाली का श्री शारदा पुस्तकालय

यायावर
डॉ. जंगबहादुर पाण्डेय

श्रीमद् भगवद्गीता के अनुसार संसार में सबसे पवित्रतम वस्तु ज्ञान है और वह ज्ञान पुस्तकों में है और पुस्तकें पुस्तकालय में रहती हैं. गौतम बुद्ध की उपदेश भूमि, महावीर तीर्थंकर की जन्म भूमि और नगरवधू आम्रपाली की दीक्षा भूमि वैशाली जिन अनेक उपलब्धियों के कारण वैश्विक धरातल पर प्रतिष्ठित हैं, उनमें एक लालगंज स्थित श्री शारदा पुस्तकालय है. आज मैं अपने पाठकों को लालगंज वैशाली के श्री शारदा पुस्तकालय के संदर्भ में बताना चाहता हूं. समृद्ध पुस्तकालय समाज और राष्ट्र के विकास का मापदंड होता है. सभ्यता और संस्कृति के विकास का सुंदर साधन होता है, सुरुचि और ज्ञान का प्रतीक होता है. पुस्तकालय ज्ञान विज्ञान का कोष होता है, जिसमें साहित्य की मधुरता भी है और विज्ञान की नवीनता भी. लालगंज वैशाली का श्री शारदा पुस्तकालय ऐसे ही समृद्ध पुस्तकालयों में एक है.

इसकी स्थापना स्वामी सत्यदेव परिव्राजक के द्वारा 27 जून 1914 में हुई थी. यह पुस्तकालय लालगंज बाजार के उतरी छोडर पर स्थित है. इसके सामने आर्य समाज का मंदिर और पूरब और दक्षिण की तरफ दो सड़कें हैं. प्रवेश द्वार दक्षिण की ओर पूरब मुख का है. इसके चारों ओर पहरेदार रूप में चाहरदीवारी है. यह पुस्तकालय एक जीवंत विद्या

मंदिर है. इसे जीवंत विद्या मंदिर कहने का तात्पर्य यह है कि यहां बड़ी संख्या में पाठक इसके सदस्य हैं, जो पुस्तकालय में आकर बहुविध विषयक पुस्तकों को पढ़कर अपनी योग्यता और ज्ञान के क्षितिज का विस्तार करते हैं, जीवन के नव निर्माण की दिशा में प्रेरणा ग्रहण करते हैं. यहां पुस्तकालय के कण-कण में मां शारदे के दर्शन होते हैं. विद्या प्रेमियों के लिए यह एक जीवित तीर्थ है. श्री शारदा पुस्तकालय लालगंज स्थानीय जन समुदाय की आशाओं और आकांक्षाओं का एक ऐसा पुण्य तीर्थ है, जिस पर नन्हें बालक अपनी श्रद्धा के फूल चढ़ाते हैं, तरुण वर्ग ज्ञान सरोवर में डुबकियां लगाकर आनंदित होते हैं, बुजुर्ग पढ़कर अपने समय का सदुपयोग करते हैं तथा महिलाएं घर बैठे मनोनुकूल पुस्तकें पाकर प्रफुल्लित होती हैं. यहां के प्रशांत, रम्य और सुव्यवस्थित वातावरण में जलती ज्ञान की ज्योति से पाठक अत्यंत प्रभावित होते हैं. वैशाली की धरती आधुनिक काल में ऐसे समृद्ध पुस्तकालय को पाकर अपने को गौरवान्वित है. यह पुस्तकालय बिहार में एक विशिष्ट स्थान रखता है. भारतवर्ष में भी इसका महत्व पूर्ण स्थान है. यह पुस्तकालय राष्ट्र की अमूल्य संपत्ति है. यह पुस्तकालय निर्माता स्व. जगन्नाथ प्रसाद साह की अमर जीवन कीर्ति ही नहीं, राष्ट्र के ज्ञान वर्द्धन के लिए समर्पित जीवन की आहुति है. 1934 में बिहार में आए भूकंप के बाद राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, प्रथम राष्ट्रपति देश रत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद और बहन मीरा बेन पुस्तकालय निरीक्षण के लिए पहुंचे थे. राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने पुस्तकालय की निरीक्षण पुस्तिका में लिखा है कि मकान तो गिरा, लेकिन विद्या का नाश नहीं हुआ. इसलिए लोग पुस्तकालय से विद्या धन प्राप्त करें. इस पुस्तकालय में पधारने वाले महापुरुषों और साहित्यकारों की लंबी सूची है, जिनमें राष्ट्रपिता महात्मा गांधी बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री बिहार केशरी डॉ. श्रीकृष्ण सिंह से लेकर राष्ट्र कवि रामधारी सिंह दिनकर के नाम सम्मान पूर्वक लिए जा सकते हैं. पुस्तकालय में अनेक विभाग हैं, जिनमें शिशु, छात्र, महिला, प्रकाशन और संगीत विभाग प्रमुख हैं. उक्त विभाग में 51 प्रकार के वाद्ययंत्र हैं. इन वाद्ययंत्रों का प्रयोग छोटे बच्चे से लेकर बड़े बड़े संगीतज्ञ करते हैं. पुस्तकालय में अनेक विषयों और विभिन्न भाषाओं की देश विदेश से प्राप्त पुस्तकें हैं. इस पुस्तकालय में लगभग 85 हजार पुस्तकें हैं. उक्त पुस्तकालय केवल मंगलवार को छोड़कर नियमानुसार सभी दिन प्रातः 8 बजे से 12 बजे तक और पुनः शाम 4 बजे से रात्रि 8 बजे तक खुला रहता है.मुझे लगता है जैसे वैशाली अपनी महान परंपराओं के कारण जानी और पहचानी जाती है, जहां से प्रजातंत्र की रोशनी सारी दुनिया में फैली, वहीं से अब यह पुस्तकालय अशिक्षा के अंधकार को हमेशा दूर करता रहेगा. श्री शारदा पुस्तकालय राष्ट्र की धरोहर है, जहां साहित्य की भरमार है.सच ही कहा गया है:-

अंधकार है वहां, जहां आदित्य नहीं है,
मुर्दा है वह देश, जहां साहित्य नहीं है.

मैलोनी बुलाए, चलो घूमके आएं

नश्तर
सुधीर राघव

सुबह की सैर बहुत उपयोगी है. यह बचपन से ही सिखाया जाता है. स्कूल में सुबह की सैर का महत्व बताया जाता है. बाकायदा प्रस्ताव रटाया जाता है. हर बड़ी क्लास में सुबह की सैर के फायदे बढ़ते जाते हैं. पांचवीं कक्षा में जो प्रस्ताव आधे पन्ने का होता है, दसवीं क्लास तक आते-आते पांच पेज का हो जाता है. सिर्फ हिंदी ही नहीं, अंग्रेजी में भी मॉर्निंग वॉक के फायदे रटाये जाते हैं. इतने ज्यादा फायदे रटा दिये जाते हैं कि ज्यादातर युवाओं का मन सुबह की सैर पर जाने का नहीं करता. सुबह उठना भी उनके लिए यातना हो जाता है. उन्हें समझ नहीं आता कि आखिर इतने फायदों का वे करेंगे क्या? ...वे बेचारे सुबह की सैर के नहीं, विदेश की सैर के सपने देखते हैं.

विदेश की सैर के फायदे किसी क्लास में नहीं पढ़ाते जाते, मगर सबसे फायदेमंद वही है. विदेश की सैर पर कोई प्रस्ताव नहीं लिखवाता, मगर आपकी विदेश यात्रा का अनुभव सारे पड़ोसी जानना चाहते हैं. हर कोई चाहता है कि बाइडेन उसे अमेरिका आने का न्योता दे. अगर बाइडेन नहीं तो इटली वाली मैलोनी ही बुला ले. यही इच्छा अच्छे भले इंसान को नेता बना देती है. तब वह शेख तमीम बिन हमाद अलथानी के बुलावे पर भी चला जाता है. बारबाडोस और निकारागुआ का भी चक्कर लगा लेता है. विदेश यात्रा ही उसके जीवन का एकमात्र ध्येय हो जाता है. विदेश की सैर के जीवन में अनेक फायदे हैं. इससे चेहरे पर चमक बढ़ती है. अड़ोस-पड़ोस में रुआब जमता है. आप हवा में उड़ते हुए बादलों की ओट में जाकर दुश्मन के राडार से बच सकते हैं. अगर विदेश की सैर थाईलैंड की हो तो उसके अलग ही फायदे हैं. पहले मालदीव की सैर के भी फायदे थे मगर अब यह देशभक्ति में बाधक मानी जाने लगी है. विदेश की सैर मन में उमंग पैदा करती है. तरंग पैदा करती है.

विदेश की सैर के इन फायदों को देखते हुए एनसीईआरटी को भी अपना घिसा-पिटा सिलेबस बदलना चाहिए. बच्चों को सुबह की सैर के नहीं, विदेश की सैर के फायदे बताए जाने चाहिए. बताना चाहिए कि सुबह का भूला अगर शाम को विदेश चला जाये तो भूला नहीं, दूल्हा कहलाता है. इसलिए एनआरआई मोस्ट इलीजिबल बैचलर होता है. वह डॉलर में कमाता है. मगर खेत बेचकर विदेश जाने वाले हमेशा डॉलर लेकर ही नहीं लौटते, इज्जत खोकर भी लौटते हैं. अतः ज़रूरी है कि विदेश की सैर से पहले जमकर सुबह की सैर की जाए.

पर्यावरण के पर्यवेक्षक हैं हरेन ठाकुर की कलाकृतियां

कला-संवाद
मनोज कुमार कपरदार

प्राचीन काल में ही हमारे ऋषि-मुनियों को यह अहसास था कि आने वाले समय में लोग प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाने की जगह उस पर अधिकार करने में लग जाएंगे.इसको लेकर सामान्य जन एवं प्रकृति के इस द्वंद्व-युद्ध होगा, जिसमें दोनों पक्षों का ही अहित होगा, लेकिन यह संघर्ष यदि बहुत लंबा चला तो इसका ज्यादा खामियाजा जीव जगत को ही भुगतना पड़ेगा. इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए हमारे आर्य ग्रंथों में प्रकृति के साथ संतुलन बनाये रखने, उसमें तादात्म्य स्थापित करने एवं उसके प्रति श्रद्धा तथा आदर भाव बनाये रखने की सलाह दी गई. लेकिन परिवर्तन की बयार में पर्यावरण चेतना प्रकारांतर से दूसरे रूपों में निरंतर विस्तार पा रही है. आज कलाकार भी अपनी कलाकृतियों के माध्यम से आम जनों में पर्यावरण को लेकर जागरूकता लाने का कार्य कर रहे हैं. ये अपने कैनवास पर पर्यावरण तर्क और भावनाओं से कला प्रेमियों को आकर्षित करते हैं. ये अपने कैनवास पर इस विषय पर पेंटिंग करते हुए विज्ञान और दर्शन के विचारों को भी अपनाते हैं. हमारा परिवेश हमारी कला को कैसे निर्देशित कर सकता है यह कलाकार अपनी कलात्मक शैली से ही आकार देकर व्यक्त करता है. हर मौसम तो अपनी अनूठी

संवेदनाएं लेकर आता है, जो एक कलाकार की शैली को प्रभावित करता है. निरंतर किए जा रहे पर्यावरण के विनाश से कलाकार को भी भविष्य की कितना चिंता सताती है, इसका रांची के हरेन ठाकुर जैसे कलाकार की कलाकृतियों को देखकर सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है. पर्यावरण के रूप में और साथ ही पर्यावरण के बारे में विचारों और

अवधारणाओं को बड़े दर्शकों तक पहुंचाने के लिए वरिष्ठ कलाकार हरेन ठाकुर ने एक मंच के रूप में अपने कैनवास को ही माध्यम बनाया और लोगों को प्रेरित किया. हमारे जनजातीय समाज के लोग आज भी प्रकृति के साथ जुड़े रहते हैं, जिस कारण प्रकृति की कुछ संपदा आज भी बची हुई है. जल, जंगल, नदियां भी शहर और कंक्रीट के जंजाल में सिमटते जा रहे हैं. आधुनिकता के नाम पर आज पर्यावरण दूषित होता जा रहा है. जीव जंतु के सामने संकट आने लगे हैं. इन्होंने अपनी एक पेंटिंग में दिखाया है कि किस तरह विकास के नाम पर हमलोग एक जिंदा मासूम मछली को इलेक्ट्रिक केतली में रख कर प्लग प्वांइट में करते हैं, इनकी यह सिम्बोलिक पेंटिंग बहुत कुछ संदेश दे सकता है.

पर्यावरण पर केन्द्रित हरेन ठाकुर की कलाकृतियां संवेदी अनुभवों और चुनौतियों की एक अनूठी मिसाल प्रदान करता है. वास्तव में इनकी कलाकृतियां पर्यावरण के गहन पर्यवेक्षक के रूप में दिखती

हैं. गर्मी के मौसम में पानी की कमी में सूखा पड़ जाने के कारण जीव-जन्तुओं की बदहाली का बयान भी इनकी कलाकृतियों में मिलता है. इनकी कलाकृतियां सामाजिक चिंताओं के संबंध में प्रणालियों, प्रक्रियाओं और घटनाओं के साथ गहरे संबंध की ओर भी चिंता व्यक्त करती नजर आती हैं. ये अपनी पेंटिंग के माध्यम से यह संदेश देना चाहते हैं कि यदि हमें अपना जीवन सुखमय बनाना है तो पर्यावरण को हर हाल में बचाये रखना होगा.

पिता की क़मीज़

विनय सौरभ

पिता की क़मीज़
खूंटी पर टंगी है
बरसों से पसीने से भीगी,
और पहाड़ों की तरफ़ से
हवा लगातार कमरे में आ रही है
पिता बरसों से इस मकान में नहीं हैं
हम इस क़मीज़ को देखकर
ऊर्जा और विश्वास से भर उठते हैं.

राम है, रमजान भी है

वीना श्रीवास्तव

पिता खुशियों का गुलदान, अरमानों का सुंदर जहान है
मां में बसते हैं प्राण बच्चों के, पिता भी बच्चों की जान है.
पिता मुरली की तान, गरीबों का धान, प्यारा-सा मकान है
जिसके होने से पल-पल महकता है जीवन, वो ऐसा धूपदान है.
पिता राम है, रमजान भी है, गीता है तो कुरान भी है
जहां पूरी होती हैं मन्नतें हमारी, वो ऐसा देवस्थान है.
ईश्वर ने भी जन्म लेकर जहां झुकाया हो सिर अपना
हमारे माता पिता के चरण ही वो पवित्र-पाक स्थान है.

उंगलियां थाम के उनकी ये दुनिया देखी

जून का तीसरा सप्ताह जमाना पितृ दिवस के रूप में इन दिनों मनाता है. इस मौके पर खास रचनाएं जिसमें हैं पिता से जुड़े भाव, स्मृतियां और भीगे-भीगे अहसास...

लघुकथाएं

कल-आज-कल

अनिता रश्मि

बच्चा किलकारी मार रहा था. खूब उछल रहा था. उतने ही उत्साह से बोल रहा था, "पापा!... पापा!... पापा!"
पापा की अथाह खुशियों को पर लग गए थे. वे निहाल हुए जा रहे थे. आज दो दिन से मुन्ने की जुबान से फूल झरकर पापा को मस्त किए दे रहे थे. बच्चे की किलकारी उनकी किलकारी में बदल गई थी.
एक कोने में दो मासूम, मिचमिची बूढ़ी आंखों से बूंदें गिर रहीं थीं- टपा... टप!... टप!!
"अरे! आप रो रहे हैं? क्या हुआ बाबूजी?...मुझसे कोई तकलीफ...? निशा ने कुछ कह दिया क्या?"
"...अरे, कुछ नहीं बेटे. बस, पहली बार तुम्हारी पापा बोलने की अदा याद आ गई."

भावनात्मक जुड़ाव

नीरज नीर

वैसे तो वर्मा जी मेरे ही मुहल्ले में रहते थे लेकिन उनसे बहुत मेल जोल नही था. पर हाल के दिनों में जबसे उनके पिताजी उनके यहां रहने आ गए थे, उनसे रोज गप शप होने लगी थी और इसी कारण से वर्मा जी से भी निकटता बढ़ गयी थी. आज जब सुबह टहल कर वापस आ रहा था तो देखा कि वर्मा जी अपने कुत्ते को टहला रहे थे. उनका लैबरोडोर कुत्ता बड़ा ही बीमार और बूढ़ा सा लग रहा था और बड़ी मुश्किल से चल पा रहा था.
वर्मा जी बैंक में बड़े अधिकारी हैं. उनके साथ बीमार, बूढ़े कुत्ते को देख कर उत्सुकतावश पूछ लिया कि वर्मा जी कोई अच्छे नस्ल का नया कुत्ता क्यों नहीं ले आते? वर्मा जी ने बड़ी गंभीरतापूर्वक इस पर जवाब दिया "भाई देखिए इतने सालों से मेरा यह कुत्ता मेरी सेवा करता आया है, अब जब बूढ़ा हो गया है तब कहां जाएगा? यह तो मानवता नहीं हुई कि इसके बुरे दिन में इसे छोड़ दें और सबसे बड़ी बात यह कि यह हमलोगों से भावनात्मक तौर पर इतना जुड़ा हुआ है कि अगर इसे छोड़ देंगे तो एक ही दिन में मर जाएगा. यही बात आप लोग समझ नहीं पाते हैं. पता नहीं कब आप लोग जानवरों के प्रति अपने व्यवहार में परिवर्तन ला पाएंगे."
मुझे उनकी बात बहुत अच्छी लगी और उनकी मानवतावादी विचारों से मैं अत्यंत बहुत प्रभावित हुआ. विदा लेते समय सोचा उनके पिताजी का हाल चाल पूछ लिया जाये. मैंने पूछा "और आपके पिताजी जी कैसे हैं? उन्हें मेरा प्रणाम कहिएगा."
उन्होंने कहा-"पिताजी की बीमारी से बहुत प्रॉब्लम हो रही थी. बच्चे भी डिस्टर्ब हो रहे थे. आप तो जानते ही हैं कि थ्री बेडरूम के फ्लैट में जगह की कितनी कमी होती है, इसलिए उनको गांव वापस भेज दिया है."
मैं अवाक् रह गया. हां! पिताजी भावनात्मक रूप से कुत्ते की तरह आपसे कहां जुड़े होंगे? मन ही मन यह सोचते हुए मैं अपने रास्ते चला आया और वर्मा जी अपने कुत्ते को प्यार से पुचकारते हुए अपने बंगले की ओर चल दिए.

सख़्त पिता

सारिका भूषण

"मैं आख़िरी बार बोल रहा हूं. कोई भी रिंकू को कुछ नहीं बोलेगा. कोई सवाल उससे नहीं पूछना है."
"नहीं पूछूंगी..कुछ भी नहीं ....कहां गया.... क्यों गया... बस मुझे मेरा बेटा चाहिए." रोते-रोते रिंकू की मां का बुरा हाल था.
"दोपहर वाली ट्रेन से मुंबई पुलिस का एक जवान रिंकू को लेकर आ रहा है. भगवान का शुक्र है कि किसी गलत हाथों में नहीं पड़ा. वरना 14 साल की उम्र में घर से भागने वाला बच्चा ....कुछ भी हो सकता था. पुलिस विभाग का यह अहसान हमेशा रहेगा मुझ पर, उन्होंने एड़ी-चोटी एक कर दी मेरे बेटे को खोजने में." बोलते-बोलते एक पिता की आवाज़ भर्रा गयी.
रात में सभी खाने के टेबल पर साथ थे. डरा सहमा रिंकू आंखें नीची किए हुए कुर्सी से चिपका हुआ था. मां ने रिंकू के पसंद का खाना बनाया था. एक अनुभवी और दूरदर्शी पिता ने घर में भीड़ बिलकुल जुटने नहीं दी थी ताकि रिंकू को किसी प्रकार की असहजता महसूस न हो. इससे सहानुभूति दिखाने और उपदेश देने आए कई रिश्तेदारों को काफी बुरा लगा था.
रिंकू भी धीरे-धीरे सहज हो रहा था. पूरा घर वैसा ही था. पर जिस पिता को वह अपना दुश्मन सोच रहा था, आज वही पिता उसके लिए रात-दिन ख़्याल रख रहे थे. रिंकू का किशोर मन अब एक पिता के छिपे प्यार को महसूस करने लगा था. वही पिता जिसके सख़्त अनुशासन ने उसे दोस्तों के बहकावे पर घर छोड़ने पर मजबूर किया था. रिंकू की अब यही कोशिश थी कि जीवन में कुछ ऐसा करे कि उसी पिता को एक दिन अपने इस भगोड़े बेटे पर गर्व हो सके. आज कई वर्षों बाद एक संवैधानिक पदभार ग्रहण करते वक्त रिंकू को ऐसा लगा मानो उसके सर पर वही सख़्त पिता गर्व से अपना हाथ फेर रहा है.

उनकी चिंता

रश्मि शर्मा

हममें बहुत बात नहीं होती थी उन दिनों
जब मैं बड़ी होने लगी
दूरी और बढ़ने लगी हमारे दरमियां
जब मां मेरे सामने
उनकी जुबान बोलने लगी थीं.

चटख रंग के कपड़े
घुटनों से ऊंची फ्रॉक
बाहर कर दिए गए आलमीरे से
सांझ ढलने के पहले
बाजार, सहेलियां और
ठंड के दिनों कॉलेज की अंतिम कक्षा भी
छोड़कर घर लौटना होता था.

चिढ़कर मां से कहती -
अंधेरे में कोई खा जायेगा?
क्या पूरी दुनिया में मैं ही एक लड़की हूं.
पापा कितने बदल गए हैं,
कह रूआंसी-सी हो जाती...

बचपन में उनका गोद में दुलराना
साईकिल पर घुमाना
सिनेमा दिखाना, तारों से बतियाना
अब कुछ नहीं, बस यही चाहते वो
हमेशा उनकी आंखों के सामने रहूं.

मेरा झल्लाना समझते
चुपचाप देखते, कुछ न कहते वो
हम सबकी इच्छाओं,जरूरतों और सवालों को ले
बरसों तक मां सेतु बन पिसती रहीं.

कई बार लगता
कुछ कहना चाहते हैं, फिर चुप हो जाते
मगर धीरे - धीरे एक दिन वापस
पुराने वाले पापा बन गए थे वो
खूब दुलराते, पास बुलाते, किस्से सुनाते
मां से कहते - कितनी समझदार बिटिया मिली है!

यह तो उनके जाने के बाद मां ने बताया -
थी तेरी कच्ची उमर और
गलियों में मंडराते थे मुहल्ले के शोहदे
कैसे कहते तुझसे कि सुंदर लड़की के पिता को
क्या - क्या डर सताता है...

बहुत कचोट हुई थी सुनकर
कि पिता के रहते उनको समझ नहीं पाई
आंखें छलछला आती हैं
जब मेरी बढ़ती हुई बेटियां करती हैं शिकायत
मम्मी, देखो न ! कितने बदल गए हैं पापा आजकल!

स्मृतियों में आप

स्मृतियों के संदूक की धूल को
जब हटा कर देखा तो
पिता कुछ ऐसे नजर आए...

नंदा पांडेय

पिता यानी मनुष्यता के इतिहास का
सबसे अजीब प्राणी, ऐसा फ़क़ीर
जिसकी फटी जेबों में भरे होते हैं
दर्द और पीड़ा से छटपटाते
मनःस्थितियों के खनकते सिक्के.
पिता यानी ऐसा कुशल बुनकर
जो हजार उधेड़बुनों के बावजूद
मेहनत के तानें -बानों से
बुनते हैं अपने बच्चों की तकदीर
हमेशा तैयार होते हैं
आने वाली चुनौतियों के लिए.
पिता यानी बेदम आवाज
खामोश वजूद, शिकंजों से घिरे
फिर भी आजाद
जिनकी चेतना शून्यता तक पहुंचने से पहले ही
लौट आती है घर की ड्योढ़ी तक
पिता यानी जीवन और संघर्षों के बीच झूलते
मृगमारिचिकाओं के अनगिनत गड्ढों वाला
ऐसा रेगिस्तानी दरिया जिसके किनारे
बहती है ठंडी शीतल बयार.
पिता यानी ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाला ऐसा समुद्री ढेप
जो अंतरिक्ष तक पहुंचाने की क्षमता रखता है
जिसकी उठती लहरों का पता
किसी समंदर को नहीं होता.
पिता यानी धैर्य, क्षमा और विश्वास
के बीच करवट लेते
आश्वास्ति की एक किरण.
हां, पिता का मतलब ही है
तपती-जलती दोपहरी में कोरे कागज पर लिखी
वृहत प्रेम की परिभाषा !

पिता कहीं जाते नहीं

प्रीता झा

नहीं लगाई आपकी तस्वीर घर की किसी दीवार पर
बस रख लिया है आपका चश्मा सम्भालकर
दिखती और देखती हूं
आपकी तरह अक्सर उसे पहन कर
नहीं रखा है मैंने आपको
किसी एक फ्रेम में जड़कर
पर महसूसती हूं आपका होना
हर क्षण हर कदम पर
अपने बेटे को समझाते दुलराते हुए
चौंक पड़ती हूं
अपनी आवाज में आपको सुनकर
पिता कहीं जाते नहीं
बस ठहर जाते हैं
हम सब के वजूद में उतरकर.

मेरे खाली हाथ

सत्या शर्मा ' कीर्ति'

जब जाती हूं
टाइटन के शोरूम में
वहां सुनहरे फ्रेम का कोई
चश्मा देख
चाहती हूं खरीद लूं
आपके लिए.

तब याद आता है
आपके सेल्फ में तो
ऐसे दर्जनों चश्में यूं ही
पड़े रहते हैं.

सोचती हूं इस जन्मदिन
आपके लिए बनवाऊं
आपकी पसंद का
तसर का कुर्ता
दुकान पर ढूंढ़ती हूं कुछ अलग
पर हर रंग के कुर्ते से
भरा है आपका वार्डरोब.

चीजें अनगिनत खरीदना
चाहती हूं पापा
पर, हर उस चीज से भरी हैं
आपकी अलमारियां.

याद आता है
कभी दबी जुबान
कहा था आपने
बच्चे कभी मुझे वक्त भी देते.

और मैं अपनी गरीबी पर
शर्मिंदा हो
फिर वो चीज ढूंढ़ने लगती हूं
जो पहले से आपके
पास यूं ही पड़ी है.

तुम थे हमारी छत

रानी सुमिता

दिन बीते
तुम्हें गये.
तब नहीं जानते थे
हम सब
तुम क्या क्या हो
हमारे पिता होने के सिवा
जाना तुम्हारे जाने के बाद
आंधी के तिनके
घर में समाने के बाद जाना.
तुम थे हमारी छत
हमें घेरने वाली मजबूत दीवार!
कहते थे तुम
हम सब तुम्हारी मन्नत हैं
पर तुम थे हमारी दुनिया
हमारे भगवान.
स्वप्न में तब तुम्हारा रोज आना
अलसुबह हम सबका यह बतियाना
लग गई थी एक होड़
देखूं आज पिता
किसके सपने में आते हैं.
उस होड़ को पकड़े जकड़े
सब भाई बहन ने पकड़ी
हथेली एक दूसरे की
थामा मां का कंधा
बन बैठे छत
खुद ही एक दूसरे की
आखिरकार तुम्हारे बिना
जी गये हम..
पिता! अब तुम सपने में नहीं आते
क्या ले लिया है तुमने पुनर्जन्म
या सबकी खैरियत पा
वहां आदतन मंद-मंद मुस्कुरा रहे हो
आरामकुर्सी को धूप में डाले
उनींदे से आराम फरमा रहे हो!

बदलते पिता

अरुणिमा अरुणकमल

भूमिकाएं बदल रही हैं
पिता की,
बदल गए हैं आजकल पिता भी!
गोद में लिए फिरते हैं छोटी सी जान को,
जैसे समेट रखा हो पूरे आसमान को,
बच्चों का हाथ ले
टहलते हैं हौले-हौले,
मजाल है किसी बच्चे को
पिता की गोद से कोई ले ले.
कूद जाते हैं बच्चे भी माता की गोद से
पिता की ओर बाहें फ़ैलाए,
सवाल नहीं कि उनके माथे पर
कभी एक शिकन भी आ जाए,
डांटती है मम्मी तो
पिता के पीछे छिप जाते हैं,
ऑफिस से लौटकर थके हारे पिता भी
आकर बच्चों में लिपट जाते हैं,
फिर से कार को निकाल कर
सैर पर निकल जाते हैं,
बच्चों का उदास चेहरा उन्हें नहीं भाता है,
टेबल पर रखा न्यूज़ पेपर
मुंह ताकता रह जाता है,
लैपटॉप पर खुला ऑफिस का
पेंडिंग असाइनमेंट मुंह बाए खड़ा है,
बॉस के सारे आदेश
स्विच्ड ऑफ मोबाइल में रखा है
और पिता कंधे पर बिटिया को डाले
लोरी गा रहा है,
उधर बेटा अपनी बारी की प्रतीक्षा में
धीरज खो रहा है.
आज के सभी पिता को
पिता के साथ मां भी बनना पड़ा है
न शब्दों की कठोरता,
न वाणी में ज्वाला दिखाई देती है.
अब पिता के हर पक्ष में
मां की सुकोमलता दिखाई देती है!

निश्चल हैं जज्बात

हिमकर श्याम

जीवन के आधार में
लयबद्ध संस्कार में
नाम में, पहचान में
झंझावतों, तूफान में
प्राणों पर उपकार पिता के.
डांट में, फटकार में
प्यार और दुलार में
बंदिशों, नसीहतों में
सबकी ज़रुरतों में
कांधे पर है हाथ पिता के.
मनचाहे वरदान में
हर आंसू, मुस्कान में
अनजाने विश्वास में
सुरक्षा के अहसास में
मत भूलो अहसान पिता के.
सादगी की सूरत में
करुणा की मूरत में
जीने के शऊर में
अम्मा के सिंदूर में
निश्छल हैं जज़्बात पिता के.
सिंधु सी लहक में
शौर्य की दमक में
अद्भुत संघर्ष में
अथाह सामर्थ्य में
अलहदा ख़्यालात पिता के.
देह के आवरण में
नेह के आचरण में
रिश्तों के बंधन में
वंदन और नमन में
चरणों में कायनात पिता के.

बाबूजी की वह सीख

हरिवंश प्रभात

चलते चलते पांव थके, उनको सहलाए बाबूजी.
सपने तो मेरे थे पर, रास्ता बतलाए बाबूजी.
कोई कैसे हो सकता, उनसे अच्छा मार्गदर्शक,
मूल्यों पर चलना हमको, हरदम बतलाए बाबूजी.
जीवन में कठिनाई जो, आती लड़ने और अड़ने को,
छोड़ना ना तुम कभी हौसला, ये सिखलाए बाबूजी.
जो ना खत्म कभी होता, वैसा वो ज्ञान दिए हमको ,
गुण अवगुण में अंतर भी, करना सिखलाए बाबूजी.

अच्छे ही आचरणों से, गौरवशाली होता कोई,
सदा से ही आगाह करे, अहसास दिलाए बाबूजी.
बचपन में जब हम रोते थे मतलब या बे मतलब से,
खूब खिलौने देकर भी, हमको बहलाए बाबूजी.
खुद पर संयम रखने वाले, वो कहां कभी आपा खोते,
परिस्थिति के सांचे में जब तब ढल जाए बाबूजी.

मृदु छांव निबिया की

माधवी उपाध्याय

पिता आशीष हो सर पर, सफल सब काम होता है.
पिता की छांव में जीवन सदा सुखधाम होता है.
सभी कहते मेरी सूरत, पिता से हूबहू मिलती,
पिता विस्तार बरगद सा, सुहृद आयाम होता है.
अडिग पर्वत सरीखा वो, लड़े तूफ़ान आंधी से,
न होते वो कभी विचलित, सुखद अभिराम होता है.
पिता संबल, पिता ताकत, हमारी शान हैं होते.
पिता मृदु छांव निबिया की, जहां विश्राम होता है.

पिता बिन कुछ नहीं संभव, सभी सपने अधूरे से,
चरण की धूल मे गोचर, कि चारो धाम होता है.
कभी हम हार जाते तब, पिता विश्वास से भरते.
पिता मुख ध्यान से देखो, नयन सुख राम होता है.

उन्हें शब्दों में कैसे बांधे

डॉ हरेन्द्र सिन्हा

मेरे बचपन में ही एहसास कभी मुझको हुआ,
धूप ख़ुद सह के मुझे अपने ही साए में रखा
घर की ऊंची सी वो मजबूत सी दीवार थी जो
वो मेरे बाप के साए की तरह लगती थी
उनके अंदर में बसे रंग थे वो बस दो थे
एक मोहब्बत का दूजा गुस्से का
गुस्से वाला तो कहीं दिल में ही दबा होगा
रंग मोहब्बत का झलकता था उनके चेहरे पे
उंगलियां थाम के उनकी ही ये दुनिया देखी,
कंधे पर चढ़कर के मगर दुनिया को मैं समझा था
जब तलक थे तो मेरी मां की वो बिंदी भी रही,
गए तो मां की वो बिंदी भी संग ले के गए
वो तो इक पेड़ थे साया था उनका हम-सब पे
फिर उनकी जड़ ही तो देवाला बन गया अपना
उसी देवाले में हम आज मिल के रहते हैं
पिता को शब्दों में सोचो तो कैसे बांधे कोई।

वटवृक्ष सी वह छांव

पद्मा मिश्रा

मेरे सपनों में, अपने सपनों के रंग घोलकर
हर कटकित राह पर, तुमने बिछाए फूल थे.
मैं जहां उलझी, वहां पर सुलझती हर बात थी,
जल उठे उम्मीद के, जब सैकड़ों दीपक वहां,
जगमगाई तमस की, फिर वो अंधेरी रात थी.
डगमगाते पांव थे, पर आप जैसे छांव थे,
मैं जहां रोई, वहां पर स्नेह की बरसात थी,
रह गई बातें अधूरी, कह सकी, न सुन सकी,
प्रबल निष्ठुर काल था, और ओस भींगी रात थी.
फिर न वो सूरज उगा, न रोशनी थी प्रात की
ढूंढती आंखें थकित हैं, खो गई जो राह थी.
हो कहां पर आप, कितनी दूरियां, उस गांव की,
याद आई आज फिर वटवृक्ष सी उस छांव की.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

व्यंग्य ›› बर्बरीक

बाप का टाइम आएगा

कहते हैं बारह बरस में घूरे के भी दिन फिरते हैं पर बापों के दिन अभी भी पूरी तरह फिरे नहीं हैं. मां के बारे में भावुक करने वाली कविताएं, कहानियां, शेर कहे जाते रहे हैं - मां खाना पूछती हैं, बेसन की रोटी पर खट्टी चटनी जैसी होती है मतलब शायरों ने कलम तोड़ दी है और बाप बेचारे कोने में पड़े बिसूरते रहते हैं कि हमने क्या कुछ नहीं किया बच्चों के लिए- कंधे पर बिठाकर पहली सवारी बने, खुद छेदवाली बनियान पहनते रहे और बच्चों के लिए नए कपड़े का जुगाड़ करते रहे, दो वक्त की रोटी के लिए धूप, जाड़ा बरसात झेलकर बाहर जाते रहे लेकिन हाय री किस्मत! सारा क्रेडिट माएं ही ले गई.

उल्टे बापों के हिस्से में कटु कठोर शब्दावली ही आई - ज्यादा बाप बनने की कोशिश मत कर, बपौती समझ रखा है क्या, बुड्ढा होगा तेरा बाप आदि आदि. अधिकतर कहानियों में भी बाप को विलेन दिखाने की परंपरा रही. दरअसल लेखक कवि ज्यादातर होते थे निकम्मे और उनके बाप चाहते थे कि यह सब फालतू काम छोड़कर किसी धंधे से लगें ताकि रोटी पानी का इंतज़ाम कर सके. आखिर बाप बूढ़े हों तो उसके पहले बच्चे अपने पैरों पर कम से कम खड़े हो जाएं. लेकिन यही बात उन्हें पसंद नहीं आती है. अब बाप है तो सीधे सीधे टक्कर तो नहीं ले सकते हैं न. कहानियों शायरी में विलेन बनाकर पेश कर दिया. बदला भी पूरा हुआ इज्ज़त भी बची रही. कितनी तकलीफ में बाप बेचारे के मुंह से यह शेर निकला होगा- मुझको थकने नहीं देता मेरी ज़रूरत का पहाड़/मेरे बच्चे मुझे बूढ़ा नहीं होने देते.

हर फील्ड में बाप बेचारे लगे रहते हैं कि बच्चे सेट हो जाएं. बाप डाक्टर है तो जी जान से लगा रहता है कि बेटा बेटी येन केन प्रकारेण डाक्टर बन ही जाए. सबसे मजेदार राजनीति का क्षेत्र है-परिवारवाद चिल्लाते चिल्लाते धीरे से अपने बच्चों की सेटिंग कर देते हैं. जिनके खुद के बच्चे न हों वे भी अपने भाई भतीजे, इष्ट मित्र, क्रोनी मित्र सबको सेट करने में लग जाते हैं. ऐसा त्यागी पुरुष होता है बाप. सारे आरोप अपमान झेलकर भी एकनिष्ठ भाव से लगा रहता है.

न्यू नार्मल में आते हैं मीडिया वाले जो सत्ता को ही बाप मान लेते हैं और योग्य संतान की तरह चरण चंपन में लगे रहते हैं. अब हर संतान एहसान फरामोश तो होती नहीं और जिधर से कृपा बरस रही हो तो ऐसे हाथ को कौन काटता है भला. तो किस्सा कोताह यह कि बाप भी इंपार्टेंट चीज है यह एहसास जल्द ही होगा और बापों के भी दिन फिरेंगे. बापों का भी टाइम आयेगा. अभी तो बस हैप्पी फादर्स डे.

स्पोर्ट्स+

आज के मैच : आयरलैंड पर जीत से अपने अभियान का अंत करने उतरेगा पाकिस्तान

भाषा। लॉडरहिल (फ्लोरिडा)

सुपर आठ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी पाकिस्तान की टीम आयरलैंड के खिलाफ जीत दर्ज करके टी20 विश्व कप में अपने अभियान का सकारात्मक अंत करने की कोशिश करेगी. अमेरिका और भारत से हारने के कारण पाकिस्तान ग्रुप ए से सुपर आठ में जगह नहीं बना पाया. उसे अपने प्रदर्शन पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है लेकिन इससे पहले उसे आयरलैंड की चुनौती से पार पाना होगा. आयरलैंड ने टी20 विश्व कप से पहले द्विपक्षीय मैच में पाकिस्तान को बड़े अंतर से हराया था और ऐसे में उनके बीच कड़ा मुकाबला होने की संभावना है. आयरलैंड ग्रुप में में एकमात्र ऐसी टीम है जिसने अभी तक एक भी मैच नहीं जीता है. उसकी निगाह भी जीत के साथ अपने अभियान का अंत करने पर टिकी होगी. लेकिन यह तभी संभव होगा जब मौसम इसकी इजाजत देगा क्योंकि पिछले कुछ दिन से यहां लगातार बारिश हो रही है. सह मेजबान अमेरिका इस कारण ही सुपर 8 में जगह बना पाया क्योंकि आयरलैंड के खिलाफ उसका मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था. इससे पाकिस्तान भी टूर्नामेंट से बाहर हो गया.

मैच का समय
भारतीय समयानुसार रात 8 बजे शुरू होगा.

टीमें इस प्रकार हैं

पाकिस्तान : बाबर आजम (कप्तान), अबरार अहमद, आजम खान (विकेट कीपर), फखर जमान, हारिस रऊफ, इफ्तिखार अहमद, इमाद वसीम, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद आमिर, मोहम्मद रिजवान (विकेट कीपर), नसीम शाह, सैम अयूब, शादाब खान, शाहीन शाह अफरीदी, उस्मान खान.

आयरलैंड : पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), मार्क अडायर, रॉस अडायर, एंडी बालबर्नी, कर्टिस कैंपर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, ग्राहम ह्यूम, जोश लिटिल*, बैरी मैकार्थी, नील रॉक (विकेट कीपर), हैरी टेक्टर, लोरकन टकर (विकेट कीपर), बेन व्हाइट, क्रेग यंग.

स्कॉटलैंड को हल्के से नहीं लेगा ऑस्ट्रेलिया

भाषा। ग्रॉस आइलेट

लगातार तीन जीत से सुपर आठ में जगह पक्की कर चुका ऑस्ट्रेलिया टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण में स्कॉटलैंड के खिलाफ अपने अंतिम मैच में किसी तरह की ढिलाई नहीं बरतेगा और जीत के साथ अगले चरण में कदम रखना चाहेगा. ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी में अपना पहला स्थान पहले ही पक्का कर चुका है लेकिन यह मैच स्कॉटलैंड और इंग्लैंड के लिए बेहद महत्वपूर्ण है जो इस ग्रुप से दूसरे स्थान पर रहने की दौड़ में हैं. ऑस्ट्रेलिया पर जीत या इस मैच के बारिश की भेंट चढ़ जाने पर स्कॉटलैंड अंतिम आठ में पहुंच जाएगा लेकिन अगर वह इस मैच में हार जाता है और इंग्लैंड एक अन्य मैच में नामीबिया को हरा देता है तो वह बाहर हो जाएगा. इंग्लैंड और नामीबिया का मैच बारिश की भेंट चढ़ जाने पर भी स्कॉटलैंड सुपर 8 में पहुंच जाएगा. ऐसी स्थिति में इंग्लैंड का सफर समाप्त हो जाएगा. ऑस्ट्रेलिया की टीम इस समय बेहतरीन फॉर्म में चल रही है और उसके लिए चिंता का कोई विषय नहीं है. नाथन एलिस के टीम में बने रहने की संभावना है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया सुपर 8 की कड़ी चुनौती से पहले अपने प्रमुख तीन गेंदबाजों पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और मिशेल स्टार्क में से किसी एक को विश्राम दे सकता है. स्कॉटलैंड के पास ऑस्ट्रेलिया को हराने का यह बेहतरीन मौका है और उसके खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में किसी तरह की चूक नहीं दिखाएंगे. स्कॉटलैंड की टीम इसके साथ ही बारिश की भी दुआ करेगी. स्कॉटलैंड के अभी पांच अंक हैं लेकिन इंग्लैंड का नेट रन रेट उससे बेहतर है.

टीमें इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलिया : मिशेल मार्श (कप्तान), एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस (विकेट कीपर), ग्लेन मैक्सवेल, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड (विकेट कीपर), डेविड वार्नर और एडम जाम्पा.

स्कॉटलैंड : रिची बेरिंगटन (कप्तान), मैथ्यू क्रॉस, ब्रैड करी, क्रिस ग्रीव्स, ओली हेयर्स, जैक जार्विस, माइकल जोन्स, माइकल लीस्क, ब्रैंडन मैकमुलेन, जॉर्ज मुन्से, सफ्यान शरीफ, क्रिस सोल, चार्ली टियर, मार्क वाट, ब्रैड व्हील.

मैच का समय : मैच भारतीय समयानुसार सुबह 6 बजे शुरू होगा

ब्रीफ खबरें

पाकिस्तान के क्रिकेटरों के वेतन में कटौती होगी!

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अपनी टीम के टी20 विश्व कप से जल्दी बाहर होने के बाद केंद्रीय अनुबंध की समीक्षा करके खिलाड़ियों के वेतन में कटौती कर सकता है. पाकिस्तान को विश्व कप में अमेरिका और भारत से हार का सामना करना पड़ा था जिससे वह टूर्नामेंट के सुपर 8 में जगह नहीं बना पाया. बोर्ड के विश्वसनीय सूत्रों ने बताया कि कुछ अधिकारियों और पूर्व खिलाड़ियों ने पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी को केंद्रीय अनुबंध की समीक्षा करने की सलाह दी है.

रंधावा अंतिम 16 दौर में, जीव बाहर हुए

हर्टफोर्डशर (इंग्लैंड)। ज्योति रंधावा ने लीजेंड्स टूर ऑफ सीनियर्स के पॉल लॉरी मैचप्ले टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जीत के साथ अंतिम 16 में अपनी जगह पक्की की.

पचास साल से अधिक उम्र के खिलाड़ियों के लिए लीजेंड्स टूर पर अपना पहला पूर्ण सत्र खेल रहे रंधावा ने मैल्कम मैकेंजी को हराया. तीसरे दौर में उनका मुकाबला कीथ हॉर्न से होगा.

दीक्षा इटालियन ओपन में संयुक्त चौथे स्थान पर

रोम। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इटालियन ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के पहले दौर में पांच अंडर 67 का कार्ड खेला जिससे वह संयुक्त चौथे स्थान पर हैं. दीक्षा ऑस्ट्रेलिया की कर्स्टन रूडगेली, स्पेन की फातिमा फर्नांडीज कैनो और स्विट्जरलैंड की टिफनी अराफी से एक शॉट पीछे हैं. इस टूर्नामेंट में भाग ले रही भारत की अन्य खिलाड़ियों का प्रदर्शन हालांकि अच्छा नहीं रहा. दीक्षा के बाद वाणी कपूर (72) का नंबर आता है जो संयुक्त 30वें स्थान पर हैं. प्रणवी उर्स और त्वेसा मलिक संयुक्त 41वें और रिधिमा दिलावरी (75) 76वें स्थान पर हैं.

टी20 विश्व कप : टिम साउथी की अगुवाई में गेंदबाजों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

न्यूजीलैंड ने युगांडा को हराया

भाषा। टरूबा (त्रिनिदाद)

टिम साउथी की अगुवाई में गेंदबाजों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से न्यूजीलैंड ने युगांडा को 88 गेंद शेष रहते हुए 9 विकेट से हराकर टी20 विश्व कप में अपनी पहली ही दर्ज की. न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए युगांडा को 18.4 ओवर में 40 रन पर आउट कर दिया. युगांडा की तरफ से केनेथ वैसवा ने सर्वाधिक 11 रन बनाए. वह युगांडा की तरफ से दोहरे अंक में पहुंचने वाले एकमात्र बल्लेबाज रहे. न्यूजीलैंड की तरफ से तेज गेंदबाज साउथी ने चार रन देकर तीन विकेट लिए. उनके अलावा तेज़ गेंदबाज़ ट्रेंट बोल्ट (2/7), स्पिनर मिशेल सेंटनर (2/8) और रचिन रवींद्र (2/9) ने दो-दो विकेट लिए. न्यूजीलैंड ने 5.2 ओवर में एक विकेट पर 41 रन बनाकर जीत हासिल की. सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे 15 गेंद पर चार चौकों की मदद से 22 रन बनाकर नाबाद रहे.

युगांडा की टीम एक समय टी20 विश्व कप में सबसे न्यूनतम स्कोर पर आउट होने के कगार पर थी. युगांडा ने पिछले सप्ताह ही वेस्टइंडीज के खिलाफ 39 रन बनाए थे जो टी20 विश्व कप में किसी टीम का सबसे कम स्कोर है. इससे उसके और बड़ी टीमों के बीच का अंतर पता चलता है. न्यूजीलैंड अपने पहले दो मैच अफगानिस्तान और मेजबान वेस्टइंडीज से हार गया था जिससे उसकी सुपर 8 में पहुंचने की संभावना भी खत्म हो गई थी. यह पिछले 10 वर्षों में पहला अवसर होगा जबकि न्यूजीलैंड की टीम किसी विश्व कप के सेमीफाइनल में नहीं होगी. मैन ऑफ द मैच साउथी ने कहा, यह वास्तव में शानदार प्रदर्शन था और जीत दर्ज करके अच्छा लग रहा है. टूर्नामेंट से बाहर होना बेहद निराशाजनक है. हमारी टीम काफी अनुभवी है लेकिन पहले दो मैच में हम अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए. पिछले 10 वर्षों में हमारा विश्व कप में शानदार रिकार्ड रहा है.

दक्षिण अफ्रीका ने नेपाल को उलटफेर करने से रोका

- एक रन से जीत दर्ज कर साउथ अफ्रीका ने विजय अभियान जारी रखा

किंग्सटाउन (सेंट विंसेंट)। नेपाल जीत के बेहद करीब पहुंचने के बावजूद टी20 विश्व कप में सबसे बड़ा उलटफेर करने से चूक गया और दक्षिण अफ्रीका ने आखिर में एक रन से जीत दर्ज करके टूर्नामेंट में अपना विजय अभियान जारी रखा. दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 115 रन ही बना पाई. उसकी तरफ से रीजा हेंड्रिक्स ने सर्वाधिक 43 रन बनाए. नेपाल की तरफ से कुशाल भुर्तेल ने 19 रन देकर चार और दीपेंद्र सिंह ऐरी ने 21 रन देकर 3 विकेट लिए. नेपाल को मैच की अंतिम गेंद पर जीत के लिए दो रन की जरूरत थी. अगर वह एक रन भी बना लेता तो मैच सुपर ओवर तक खिंच जाता लेकिन किशोर खिलाड़ी गुलशन झा तेजी से रन चुराने के प्रयास में रन आउट हो गए. इस तरह से नेपाल 7 विकेट पर 114 रन ही बना पाया. नेपाल को एक समय 24 गेंद पर 22 रन की जरूरत थी. उसे अंतिम तीन ओवर में जीत के लिए 18 रन चाहिए थे लेकिन उसने छह गेंद और एक रन के अंदर तीन विकेट गंवा दिए. इनमें से दो विकेट स्पिनर तबरेज शम्सी (19 रन देकर चार विकेट) ने लिए. नेपाल को अंतिम ओवर में आठ रन चाहिए थे. ओटनील बार्टमैन के इस ओवर में गुलशन पहली दो गेंद पर रन नहीं बना पाए. इसके बाद उन्होंने चौका लगाया. जब नेपाल को तीन गेंद पर चार रन चाहिए थे तब गुलशन ने सोमपाल कामी के साथ दौड़ कर दो रन लिए. पांचवीं गेंद पर कोई रन नहीं व अगली गेंद पर रन आउट हो गए.

टी20 वर्ल्ड कप : अंक तालिका

ग्रुप ए

टीम	मैच	जीत	हार	बेनतीजा	अंक	नेट रन रेट
भारत	3	3	0	0	6	+1.137
अमेरिका	4	2	1	0	5	+0.127
पाकिस्तान	3	1	2	0	2	+0.191
कनाडा	3	1	2	0	2	-0.493
आयरलैंड	3	0	2	0	1	-1.712

ग्रुप बी

टीम	मैच	जीत	हार	बेनतीजा	अंक	नेट रन रेट
ऑस्ट्रेलिया	3	3	0	0	6	+3.580
स्कॉटलैंड	3	2	0	0	5	+2.164
इंग्लैंड	3	1	1	0	3	+3.081
नामीबिया	3	1	2	0	2	-2.098
ओमान	4	0	4	0	0	-3.062

ग्रुप सी

टीम	मैच	जीत	हार	बेनतीजा	अंक	नेट रन रेट
अफगानिस्तान	3	3	0	0	6	+4.230
वेस्टइंडीज	3	3	0	0	6	+2.596
न्यूजीलैंड	3	1	2	0	2	-0.241
युगांडा	4	1	3	0	2	-4.510
पीएनजी	3	0	3	0	0	-0.886

ग्रुप डी

टीम	मैच	जीत	हार	बेनतीजा	अंक	नेट रन रेट
द. अफ्रीका	4	4	0	0	8	+0.470
बांग्लादेश	3	2	1	0	4	+0.478
नीदरलैंड	3	1	2	0	2	-0.408
नेपाल	3	0	2	0	1	-0.293
श्रीलंका	3	0	2	0	1	-0.777

मेस्सी के दो गोल से अर्जेंटीना की टीम ने ग्वाटेमाला को हराया

एजेंसी। लैंडओवर (अमेरिका)

लियोनेल मेस्सी ने नवंबर के बाद अपने पहले अंतरराष्ट्रीय मैच में दो गोल करने के साथ एक में सहायक की भूमिका निभाई जिससे अर्जेंटीना ने 2024 कोपा अमेरिका कप फुटबॉल के अभ्यास मैच में ग्वाटेमाला को 4-1 से हराया. मेस्सी पूरे 90 मिनट तक मैदान पर रहे, जिससे गुरुवार को ग्रुप चरण में कनाडा के खिलाफ अपना अभियान शुरू करने से पहले अर्जेंटीना के हौसले बुलंद होंगे. विश्व और कोपा अमेरिका के मौजूदा चैम्पियन के लिए लुटारो मार्टिनेज ने दो अन्य गोल किये. ग्वाटेमाला को मैच के चौथे मिनट में लिसेंड्रो मार्टिनेज के आत्मघाती गोल से बढ़त मिल गयी थी, लेकिन इसके आठ मिनट बाद ही मेस्सी ने गोल कर स्कोर बराबर कर दिया.उन्होंने मैच के 77वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया.

यह मेरा आखिरी टी20 विश्व कप है: बोल्ट

भाषा। तारोबा (त्रिनिदाद)

न्यूजीलैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने कहा कि मौजूदा टी20 विश्व कप खेल के सबसे छोटे प्रारूप में उनका आखिरी वैश्विक टूर्नामेंट होगा. बोल्ट 2011 में पदार्पण करने के बाद से न्यूजीलैंड टीम के अहम सदस्य रहे हैं. उन्हें टी20 विश्व कप, एकदिवसीय विश्व कप और टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल खेलने का अनुभव है. उन्होंने ने 2014 से चार टी20 विश्व कप में भाग लिया है. बोल्ट ने युगांडा पर न्यूजीलैंड की नौ विकेट की जीत के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं अपनी बात करूं तो यह मेरा आखिरी टी20 विश्व कप होगा. मुझे बस इतना ही कहना है. युगांडा के खिलाफ मैच से पहले ही न्यूजीलैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने कहा कि मौजूदा टी20 विश्व कप खेल के सबसे छोटे प्रारूप में उनका आखिरी वैश्विक टूर्नामेंट होगा. बोल्ट 2011 में पदार्पण करने के बाद से न्यूजीलैंड टीम के अहम सदस्य रहे हैं. उन्हें टी20 विश्व कप, एकदिवसीय विश्व कप और टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल खेलने का अनुभव है. उन्होंने ने 2014 से चार टी20 विश्व कप में भाग लिया है. बोल्ट ने युगांडा पर न्यूजीलैंड की नौ विकेट की जीत के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं अपनी बात करूं तो यह मेरा आखिरी टी20 विश्व कप होगा. मुझे बस इतना ही कहना है. युगांडा के खिलाफ मैच से पहले ही मैच होगा. उन्होंने सुपर आठ से बाहर होने पर कहा, निश्चित रूप से हम टूर्नामेंट में ऐसी शुरुआत नहीं चाहते थे. इसे पचा पाना कठिन है.

हम निराश है कि आगे नहीं बढ़ सके लेकिन जब भी आपको देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलता है, तो यह गर्व का क्षण होता है. इस प्रारूप के विश्व कप में न्यूजीलैंड ने शानदार प्रदर्शन किया है. इस सत्र से पहले टीम 2014 के बाद से हर बार सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रही है. उन्होंने कहा, देश के लिए खेलने को लेकर ड्रेसिंग रूम में बहुत गर्व का माहौल है. पिछले कई वर्षों में हमारे रिकॉर्ड बेहतरीन रहे हैं. दुर्भाग्य से बीते सप्ताह हम अच्छा नहीं खेल सके और क्वालीफिकेशन से बाहर हो गये.

न्यूजीलैंड की टीम विश्व कप के सुपर आठ दौर से बाहर हो गयी थी. टीम अब ग्रुप सी में अपने आखिरी मैच में पापुआ न्यू गिनी का सामना करेगी, जो टी20 विश्व कप में 34 साल के इस बायें हाथ के गेंदबाज का आखिरी

राष्ट्रीय जूनियर हॉकी शिविर के लिए 40 खिलाड़ियों का चयन

भाषा। बेंगलुरु

हॉकी इंडिया ने रविवार से यहां भारतीय खेल प्राधिकरण के परिसर में शुरू होने वाले 63 दिन के राष्ट्रीय जूनियर शिविर के लिए 40 खिलाड़ियों का चयन किया है. भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने पिछले महीने यूरोप का दौरा किया था. इस दौरे में उसने बेल्जियम, जर्मनी और नीदरलैंड के खिलाफ मैच खेले थे. यह शिविर कोच जनार्दन सीबी और हॉकी इंडिया के हाई परफॉर्मेंस निदेशक हरमन क्रुइस की देखरेख में आयोजित किया जाएगा. शिविर के लिए चुने गए खिलाड़ी इस प्रकार हैं:

गोलकीपर: प्रिंस दीप सिंह, बिक्रमजीत सिंह, अश्वनी यादव, आदर्श जी, अली खान डिफेंडर: शारदा नंद तिवारी, सुखविंदर, आमिर अली, रोहित, योगेंबर रावत, मनोज यादव, अनमोल एक्का, प्रशांत बारला, आकाश सोरोंग, सुंदरम राजावत, आनंद वाई, तालेम प्रियो बार्टा **मिडफील्डर:** अंकित पाल, रोसन कुजूर, थुनाओजम इंगलेम्बा लुवांग, मुकेश टोप्पो, थोकचोम किंग्सन सिंह, रितिक कुजूर, अंकुश, जीतपाल, चंदन यादव, मनमीत सिंह, वचन एचए, गोविंद नाग, बिपिन बिलवारा रवि **फॉरवर्ड:** मोहित कर्मा, सौरभ आनंद कुशवाह, अरिजीत सिंह हुंडल, गुरजोत सिंह, मोहम्मद कोनैन दाद, प्रभदीप सिंह, दिलराज सिंह, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद जैद खान, गुरसेवक सिंह.

महिला क्रिकेट भारत और दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम की वन डे सीरीज आज से

द. अफ्रीका के खिलाफ टीम इंडिया की कोशिश लय बरकरार रखने पर

भाषा। बेंगलुरु

भारत और दक्षिण अफ्रीका की महिला टीमें रविवार को यहां जब पहले एकदिवसीय के साथ तीन सप्ताह तक चलने वाली सभी प्रारूपों की श्रृंखला शुरू करेंगी तो उनकी कोशिश अक्टूबर में होने वाले महिला टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों को पुख्ता करने की होगी. टी20 विश्व कप का आयोजन बांग्लादेश में होगा.

टी20 विश्व कप के वर्ष में 50 ओवर के मैच थोड़े असंगत लग सकते हैं, लेकिन यह लय हासिल करने के दृष्टिकोण से दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण हैं. हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम इस जनवरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर वनडे और टी20 श्रृंखला हार गई थी, लेकिन उसने जोरदार वापसी करते हुए हाल ही में बांग्लादेश को उसके घरेलू मैदान पर टी20 श्रृंखला में 5-0 से शिकस्त दी. टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस लय को बरकरार रखना चहेगी. मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा कि टीम ने अच्छी तैयारी की है और जीत के लिए जोर लगायेगी.

एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की सपाट पिच, छोटी बाउंड्री और तेज आउटफील्ड पूरी तरह से बल्लेबाजी के लिए माकूल होगी. ऐसे में हरमनप्रीत, स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा जैसी खिलाड़ी कुछ बड़े स्कोर के साथ आत्मविश्वास हासिल करना चाहेंगे. भारतीय टीम को हालांकि मध्यक्रम की बल्लेबाज जेमिमाह रोड्रिग्स और मध्यमगति की गेंदबाजी करने वाली हरफनमौला पूजा वस्त्राकर की चोट पर नजर रखनी होगी. जेमिमाह एनसीए (राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) में रिहैबिलिटेशन से गुजर रही है और फिटनेस हासिल करने पर ही टीम से जुड़ेगी. टीम में चोटिल यास्तिका भाटिया की जगह उमा छेत्री को जगह मिली है जो रिचा घोष के साथ विकेटकीपर बल्लेबाज के लिए दावेदार होगी. भारत की गेंदबाजी इकाई में तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, स्पिनर आशा शोभना और श्रेयंका पाटिल शामिल हैं. इन गेंदबाजों के सामने दक्षिण अफ्रीका की मजबूत बल्लेबाजी को रोकने की चुनौती होगी.

टीमें

भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमाह रोड्रिग्स, रिचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), डी. हेमलता, राधा यादव, आशा शोभना, श्रेयंका पाटिल, सायका इशाक, पूजा वस्त्राकर, रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, प्रिया पुनिया.

दक्षिण अफ्रीका: लौरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), एनेके बॉश, ताजमिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लर्क, एनेरी डर्कसेन, मिके डी रिडर, सिनालो जाफ्टा, मारिजान कप्प, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, सुने लुस, एलिज-मारी मार्ज, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुकुने, नोंदुमिसो शांगासे, डेल्मी टकर.

अनुभवी व वरिष्ठ खेल पत्रकार हरपाल सिंह बेदी का निधन

भाषा। नयी दिल्ली

अपने चार दशक से अधिक लंबे करियर में भारतीय खेलों के कई उतार-चढ़ाव को कवर करने वाले अनुभवी खेल पत्रकार हरपाल सिंह बेदी का लंबी बीमारी के बाद शनिवार को यहां निधन हो गया. वह 72 वर्ष के थे और उनके परिवार में उनकी पत्नी रेवती और बेटी पल्लवी हैं. लंदन ओलंपिक (2012) में भारतीय प्रेस अताशे के रूप में अपनी सेवाएं देने वाले बेदी को भारतीय खेलों के अपार ज्ञान के साथ अपनी वाकपटुता, गर्मजोशी और व्यंग से मीडिया बॉक्स को मंत्रमुग्ध करने के लिए जाना जाता था. वह यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया (यूएनआई) के पूर्व खेल संपादक भारतीय खेल पत्रकारिता की सबसे बड़ी शख्सियतों में से एक थे और पिछले कुछ वर्षों से स्टेट्समैन अखबार के सलाहकार संपादक के रूप में काम कर रहे थे. उन्होंने अपने करियर में आठ ओलंपिक खेलों के अलावा कई एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेलों के कई सत्र को ऑन ग्राउंड कवर किया. उन्होंने इसके साथ ही क्रिकेट और हॉकी के विश्व कप और एथलेटिक्स और अन्य प्रमुख ओलंपिक खेलों की विश्व और राष्ट्रीय चैंपियनशिप को भी कवर किया था.

ब्रीफ खबरें

अज्ञात बदमाशों ने की युवक की हत्या

भागलपुर । जिले के नाथनगर थाना क्षेत्र के मुरारपुर जख बाबा स्थान के समीप जंगल में शनिवार को एक युवक का शव पुलिस ने बरामद किया है. शव मिलने की बात पूरे इलाके में आग की तरह फैल गई. उधर, घटना की सूचना मिलने पर सिटी एसपी श्रीराज और पुलिस घटनास्थल पर पहुंची. छानबीन के दौरान सिटी एसपी ने बताया कि अज्ञात बदमाशों ने एक युवक की हत्या कर दी है. इस हत्या का क्या कारण है इसका अभी पता नहीं चल पाया है. जल्द ही दोषियों को पकड़कर उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी.

हाइवा की चपेट में आकर बाइक चालक की मौत

पूर्वी चंपारण । जिले के सुगौली थाना क्षेत्र में शनिवार को लापरवाह हाइवा की चपेट में आने से बाइक सवार एक व्यक्ति की घटनास्थल पर हीं मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया. घटना सुगौली-रक्सौल पथ में सुगौली के अमीर खान टोला के समीप की है. बताया जा रहा है कि हाइवा पत्थर लदी हाइवा रामगढ़वा की ओर से आ रहा था. वही बाइक सवार सुगौली की ओर रामगढवा की ओर जा रहे थे. इसी दौरान हाइवा ने बाइक में जबरदस्त ठोकर मार दी. घटना के बाद हाइवा का चालक भागने में सफल रहा, जबकि उप चालक को ग्रामीणों ने पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया है.

चालक की ईंट-पत्थर से कुचल कर हत्या

बिहारशरीफ । नालंदा में एक टोटो चालक की विभत्स तरीके से अपराधियों ने जान ले ली. अपराधियों ने चालक के मृत शरीर को रहुई थाना क्षेत्र के पितौंजिया गांव कचड़ा संग्रहण केंद्र में फेंक दिया. बॉडी को देखने से ऐसा प्रतीत होता है कि ईंट पत्थर से वार कर उसकी जान ली गई हो. मृतक की पहचान दीपनगर थाना क्षेत्र के तुंगी गांव निवासी सिया पासवान का 32 वर्षीय पुत्र रंजय पासवान के रूप में की गई है. रंजय पासवान टोटो चलाकर अपने परिवार का भरण पोषण करता था. शुक्रवार से उसका टोटो और मोबाइल भी गायब था.

सारण में अयोध्या से दर्शन करके लौट रहे दंपती

कार में लगी आग,पत्नी की जिंदा जलकर मौत

संवाददाता । पटना

आग लगने के बाद दीपक तो किसी तरह से कार से बाहर निकल गया लेकिन पिछली सीट पर सो रही सोनी देवी अंदर ही फंस गई.

सारण जिले के तरैया थाना क्षेत्र के एसएच 104 स्थित बगही गांव के पास पति के सामने ही पत्नी की जिंदा जलकर मौत हो गई. दंपती अयोध्या से रामलला के दर्शन कर कार से लौट रहा था. रास्ते में कार में आग लग गई और पत्नी की जिंदा जलकर मौत हो गई जबकि पति की किसी तरह से जान बच गई. मृतका की पहचान अवतार नगर के पकवलिया गांव निवासी दीपक राय की पत्नी सोनी देवी के रूप में हुई है. बताया जा रहा है कि दीपक राय और उनकी पत्नी सोनी देवी अयोध्या गए थे. अयोध्या में रामलला के दर्शन करने के बाद दोनों घर लौट रहे थे. इसी दौरान बगही गांव के पास स्विफ्ट डिजायर कार में आग लग गई. कार में आग लगने के बाद दीपक तो किसी तरह से कार से बाहर निकल गया लेकिन पिछली सीट पर सो रही सोनी देवी अंदर ही फंस गई. आग लगने के बाद कार का दरवाजा लॉक हो गया था. लाख कोशिश के बाद भी दीपक पत्नी सोनी को कार से बाहर नहीं निकाल पाया और उसके सामने ही उसकी जलकर मौत हो गई.

मुख्यमंत्री की तबीयत बिगड़ी, मेदांता में भर्ती

पटना । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मेदांता अस्पताल पहुंचे हैं. शनिवार की सुबह खुद के स्वास्थ्य में हो रही समस्या को देखते हुए सीएम नीतीश कुमार हॉस्पिटल पहुंचे हैं. सीएम नीतीश कुमार सुबह जब सो कर उठे तो उनके हाथ में दर्द हुआ, जिसके इलाज के लिए सीएम पटना के मेदांता हॉस्पिटल गए हैं. मेदांता अस्पताल के ऑर्थो डिपार्टमेंट में उनका इलाज किया जा रहा है. उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी सीएम नीतीश कुमार लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान बीमार हो गए थे. इसके बाद उनका उपचार हुआ और तब स्वस्थ महसूस करने के बाद एक्टिव नजर आए. चुनाव रिजल्ट आने के बाद सीएम दिल्ली गए और सरकार गठन के साथ ही मंत्रिमंडल में अपनी पार्टी से दो नेताओं को जगह भी दिलवाएं.

नीट परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर हंगामा

सड़कों पर उतरे छात्र, पुलिस ने भांजी लाठियां

पटना । नीट परीक्षा में हुई कथित गड़बड़ी को लेकर छात्रों में आक्रोश देखा जा रहा. पटना में शनिवार को सैकड़ों छात्र परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे और जमकर प्रदर्शन किया साथ ही साथ बीच सड़क पर टायर जलाकर जमकर प्रदर्शन किया. प्रदर्शनकारी छात्रों को हटाने के लिए पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा. पुलिस ने लाठियां भांजी तब जाकर विरोध प्रदर्शन शांत हुआ. पटना में दिनकर गोलंबर के पास शनिवार को नीट के परीक्षार्थियों ने हंगामा किया. इस बीच उन्हें ओपेन बोर्ड के 12वीं के परीक्षार्थियों का साथ मिला. इस प्रदर्शन में भारी संख्या में छात्र जुटे हुए थे.

हथियार के बल पर कर्मियों को बनाया बंधक

दिनदहाड़े एक्सिस बैंक से 17 लाख से ज्यादा की लूट

संवाददाता । पटना

पटना एसपी बोले

पश्चिम पटना एसपी अभिनव धीमान ने बताया कि देवकुली मोड़ के पास एक्सिस बैंक है. वहीं से लूट की घटना हुई है. 4 अपराधी बैंक में घुसे और बैंक मैनेजर सहित बाकी लोगों को बंधक बनाकर मनेर रोड एक्सिस बैंक शाखा से तकरीबन 17 लाख रुपये लूट लिए. पुलिस सीसीटीवी की मदद से अपराधियों की पहचान कर रही है. सभी लोगों ने मुंह में गमछा लपेट रखा था. बदमाशों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है.

पटना में बेखौफ लुटेरों ने बिहटा के देवकुली स्थित एक्सिस बैंक की शाखा मौजूद कर्मियों को पहले बंधक बनाया फिर 17. 50 लाख लूटकर फरार हो गए. इसके बाद बैंककर्मियों ने लूट की जानकारी पुलिस को दी. सूचना के बाद घटनास्थल पर कई थानों की पुलिस और आला अधिकारी भी पहुंचे. पूरे मामले की छानबीन की गई. घटना बिहटा थाना से महज कुछ ही दूरी पर देवकुली की है. अपराधियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है. दिनदहाड़े हुई लूट की इस वारदात के बाद इलाके के लोगों में हड़कंप मच गया. बैंक कर्मियों ने बताया कि लुटेरों की संख्या चार थी, जो नकाबपोश थे. दो लुटेरों ने बैंककर्मी को हथियार दिखा कर तिजोरी में रखे रुपये लूट लिए. वहीं दो अन्य लुटेरों ने बैंक के ग्राहकों से लूटपाट की.

घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि देवकुली गांव स्थित एक्सिस बैंक में लगभग सुबह 11: 41 में चार की संख्या में नकाबपोश लोग घुसे और ग्राहक बनकर पैसा भरने को लेकर फॉर्म मांगा, इसके बाद सभी अपराधियों ने पहले हथियार निकालकर बैंक में मौजूद बैंककर्मी और ग्राहक को एक रूम में बंद कर दिया और बैंक के मैनेजर नजीर अहमद से बैंक के लॉकर की चाबी मांगी. इसके बाद बैंक के लॉकर में रखे 17 लाख 50 हजार साथ ही ग्राहक गणेश चौधरी से 41 हजार इसके अलावा बैंक में मौजूद माइक्रोफाइनेंस कर्मी से 1 लाख 45 हजार हथियार का भय दिखाकर लूट लिए. इस तरह तकरीबन 19 लाख 36 हजार लूटकर बदमाश फरार हो गए. ग्राहक ने बताया कि वो 41000 बैंक में जमा करने पहुंचे थे, तभी 4 की संख्या में लोग बैंक के अंदर घुसते हैं और पैसा जमा करने के लिए फॉर्म मांगते हैं. इसी दौरान एक अपराधी हथियार का भय दिखाकर मुझे डरता है और पैसा मांगता है. इसके साथ ही अन्य अपराधी सभी लोगों को बंधक बनाकर रूम में बंद कर देता है और सभी के मोबाइल को जब्त कर लेते हैं. मेरे पास 41 हजार थे, जो अपराधियों ने लूट लिया.

गौरतलब है कि गोखुलपुर गांव स्थित एक बैंक से बीते 3 जून को दिनदहाड़े अपराधियों ने बैंक कर्मी को बंधक बनाकर 14 लाख रुपये की लूट की थी, लेकिन इस मामले में अभी तक पुलिस के हाथ खाली हैं. अब बाद एक बार फिर अपराधियों ने पुलिस को खुली चुनौती देते हुए लूट बड़ी घटना को अंजाम दिया है.

राजद के टिकट पर ही चुनाव लड़ूंगी : भारती

पूर्णिया । मैं राजद की प्रत्याशी के रूप में रूपौली विधानसभा उपचुनाव लड़ूंगी. लोगों की बातों पर जाना बेकार है. उक्त बातें क्षेत्र में उठ रहे अटकलों को समाप्त करते हुए पूर्व मंत्री सह पूर्व विधायक बीमा भारती ने शनिवार को यहां कही. उन्होंने कहा कि क्षेत्र में क्या-क्या अटकलें लगाई जा रही हैं उससे उन्हें कोई मतलब नहीं है. वह राजद की सिपाही हैं. राजद के टिकट पर ही रूपौली विधानसभा से उपचुनाव लड़ेंगी. पूर्व विधायक बीमा भारती के द्वारा कहीं बातों से इतना तो स्पष्ट हो गया है कि वह राजद से चुनाव लड़ने जा रही हैं, बाकी सभी बातें अफवाह हैं.

शंकर ने एलजेपीआर से दिया इस्तीफा

पटना । लोजपा (आर) के पूर्व विधायक शंकर सिंह ने शनिवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया है. पप्पू यादव से इंस्पायर होकर वो भी निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे. उन्हें पप्पू यादव के समर्थन का पूरा भरोसा है. पूर्व विधायक की पत्नी प्रतिमा सिंह ने स्पष्ट रूप से पप्पू यादव के चुनावी रणनीति से प्रभावित होकर चुनाव लड़ने का इरादा जताया है. प्रतिमा सिंह रूपौली क्षेत्र से ही जिला परिषद की सदस्य हैं और पूर्व चेयरमैन हैं. पूर्णिया में शंकर सिंह और प्रतिमा सिंह ने प्रेसवार्ता कर आगामी रूपौली विधानसभा उपचुनाव में अपनी दावेदारी पेश कर दी है.

अपराधियों ने सीपीएम कार्यकर्ता को गोलियों से भून डाला, मौत

संवाददाता । खगड़िया

अमीन का काम करनेवाले सीपीएम कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या कर दी गई. घटना शुक्रवार की मोरकाही थाना इलाके के सबलपुर गांव की है. मृतक की पहचान 50 वर्षीय शंभू सिंह के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार शुक्रवार शाम वे जमीन की मापी कर अपने सहायक के साथ बाइक से सदर प्रखंड के दक्षिणी माड़र गांव की ओर लौट रहे थे. तभी रास्ते में दो बाइक से चार अपराधी आए और ने उन्हें घेरकर गोलियों से भून दिया. गोली लगने से शंभू गंभीर रूप से जख्मी हो गए. बताया जाता है कि शंभू सिंह सीपीएम के कार्यकर्ता थे. वहीं जानकारी मिलने पर इस बार के लोकसभा चुनाव में खगड़िया से सीपीएम के प्रत्याशी रहे संजय कुमार भी अस्पताल पहुंचे और परिजन को सांत्वना दी. सूचना मिलने पर मोरकाही थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और उन्हें खगड़िया सदर अस्पताल ले जाया गया. जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया. बेगूसराय ले जाते समय रास्ते में ही उनकी मौत हो गई. इसके बाद शव को वापस खगड़िया लाया गया. इस बारे में अलौली एसडीपीओ संजय कुमार ने बताया कि हत्या करने वाले बदमाशों की पहचान की जा रही है. जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

ट्रैक्टर चालक के विवाद में पीट-पीटकर बच्चू अंसारी की हत्या

अररिया । फारबिसगंज के रामपुर दक्षिण पंचायत के वार्ड संख्या-11 अंसारी टोला में पूर्व से चले आ रहे विवाद के बीच ट्रैक्टर चालक को लेकर हुए विवाद में शनिवार को 64 वर्षीय बच्चू अंसारी की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई. पिटाई के दौरान चाचा के बचाव में गए मुख्तार अंसारी की भी पिटाई की गई. जिससे वे बुरी तरह जख्मी हो गए. फारबिसगंज अनुमंडलीय अस्पताल में घायल का इलाज किया जा रहा है. घटना की सूचना मिलने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जमा हो गए. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल तीन आरोपियों को ग्रामीणों के सहयोग से पकड़ कर हिरासत में लिया है.

दो पक्षों में जमकर मारपीट, महिला की मौत

संवाददाता । गोपालगंज

खेत में बकरी जाने को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट में एक महिला की मौत हो गई. घटना जिले के कुचायकोट थाना क्षेत्र के शिवराजपुर गांव की है. जहां दो पक्षों के बीच हुई बहस मारपीट में बदल गई. इस घटना में एक महिला की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई. मृतका की पहचान शिवराजपुर गांव निवासी दिवंगत विद्या कुशवाहा की पत्नी रामवती देवी (49) के रूप में की गई है. वहीं सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल भेज दिया. जानकारी के मुताबिक, शिवराजपुर गांव निवासी मृतका रामवती देवी की बकरी उसके पाटीदार राम अयोध्या कुशवाहा के खेत में चली गई थी. इस बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच पहले बहस हुई. फिर मारपीट होने लगी. मृतका के परिजनों का आरोप है कि पड़ोसी ने महिला पर लात और घूंसे से हमला कर दिया. जिससे उसकी मौत हो गई. पुलिस ने सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया. इस मामले में कुचायकोट थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि खेत में बकरी चले जाने को लेकर दो महिलाओं में विवाद हुआ था. इसी बीच एक महिला की मौत हो गई है. प्रथम दृष्टया में हार्ट अटैक से मौत होने की आशंका जाहिर की जा रही है. फिलहाल परिजनों द्वारा कोई आवेदन नहीं दिया गया है. आवेदन मिलने पर मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

कारोबार

पाक में पेट्रोल 10.20 रु. प्रति लीटर सस्ता हुआ

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में महंगाई की मार झेल रहे लोगों को बड़ी राहत देते हुए सरकार ने ईद-उल-अजहा से पहले पेट्रोल और हाई-स्पीड डीजल (एचएसडी) की कीमतों में क्रमशः 10.20 पाकिस्तानी रुपये और 2.33 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर की कटौती की है. एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री कार्यालय के एक बयान के हवाले से बताया कि कटौती के बाद पेट्रोल की कीमत 258.16 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर और एचएसडी की कीमत 267.89 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर होगी.

कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर घटाया

नयी दिल्ली । सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर (विंडफॉल टैक्स) को 5,200 रुपये प्रति टन से घटाकर 3,250 रुपये प्रति टन कर दिया है. अप्रत्याशित लाभ कर, विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क के रूप में लगाया जाता है. डीजल, पेट्रोल और जेट ईंधन या एटीएफ के निर्यात पर एसएईडी को 'शून्य' पर बरकरार रखा गया है. आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया कि नयी दर 15 जून से प्रभावी हो गई है. भारत ने पहली बार एक जुलाई, 2022 को अप्रत्याशित लाभ पर कर लगाया.

ई-स्कूटर एम्पीयर की कीमत 1.09 लाख रु.

चेन्नई । ग्रीव्स कॉटन लिमिटेड के ई-मोबिलिटी खंड ग्रीव्स इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड ने यहां अपना नया इलेक्ट्रिक स्कूटर एम्पीयर नेक्सस पेश किया. इसकी चेन्नई में शोरूम कीमत 1.09 लाख रुपये है. ग्रीव्स इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ के विजय कुमार ने यहां एक कार्यक्रम में उत्पाद को औपचारिक रूप से बाजार में उतारा. कंपनी ने शनिवार को बयान में कहा कि इसके बाद यह ई-स्कूटर चेन्नई में एम्पीयर के 11 'टचपॉइंट' पर उपलब्ध होगा. एम्पीयर नेक्सस को पूरी तरह से कंपनी के तमिलनाडु के रानीपेट स्थित संयंत्र में डिजाइन और विकसित किया गया है.

चीन के साथ तनाव से भारत की इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री हो रही प्रभावित

भारतीय कंपनियों को 15 अरब डॉलर का प्रॉडक्शन लॉस

भाषा । नयी दिल्ली

भारत चीन

- भारत ने 10 अरब डॉलर का निर्यात अवसर खो दिया
- दस दिन में देनी है बिजेनस वीजा आवेदनों को मंजूरी

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संबंधों में तनाव हो तो इसका असर सीधा अर्थव्यवस्था पर पड़ता है. इससे व्यापार से लेकर रोजगार जुड़ा रहता है. यही भारत के साथ हो रहा है. दरअसल चीन के साथ जारी तनाव से भारत की इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री प्रभावित हो रही है. इस कारण पिछले चार साल में भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों को 15 अरब डॉलर का प्रॉडक्शन लॉस हुआ है. वहीं करीब एक लाख नौकरियों का मौका भी हाथ से निकला है. ऐसा चीन के नागरिकों को वीजा जारी करने में देरी और भारत में काम कर रही चीनी कंपनियों की जांच की वजह से हुआ है. विभिन्न मंत्रालयों को भेजे गए ज्ञापन में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्यूफैक्चरिंग इंडस्ट्री ने कहा कि भारत ने दो अरब डॉलर के वैल्यू एडिशन नुकसान के अलावा 10 अरब डॉलर का निर्यात अवसर भी खो दिया है. इंडस्ट्री के लोगों के मुताबिक चीनी अधिकारियों के 4,000-5,000 वीजा आवेदन सरकार की मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं. इससे देश में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री की विस्तार योजनाओं में बाधा आ रही है. यह स्थिति तब है जब सरकार ने दस दिन के भीतर बिजेनस वीजा आवेदनों को मंजूरी देने के लिए एक व्यवस्था बना रखी है.

इंडिया सेलुलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) और मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (एमएआईटी) लॉबी ग्रुप ने केंद्र सरकार से चीनी अधिकारियों के लिए वीजा मंजूरी में तेजी लाने का अनुरोध किया है. अभी इसमें एक महीने से अधिक समय लग रहा है. जानकारों का कहना है कि चीनी अधिकारियों की जरूरत टेक और स्किल ट्रांसफर, मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स की स्थापना और कमीशनिंग, एफिशियंसी प्रोसेसेज की स्थापना और मेंटनेंस के लिए है. साथ ही चीनी की उन कंपनियों के अधिकारियों के वीजा आवेदन भी लंबित हैं. जिन्हें स्थानीय कंपनियों के साथ पार्टनरशिप में यहां मैन्युफैक्चरिंग बेस बनाने के लिए बुलाया गया है.

आईसीईए ने कहा कि हमारी घरेलू मूल्य संवर्धन (डीवीए) योजना पर गंभीर असर पड़ा है. जब मोबाइल के लिए पीएलआई योजना (2020-21 में) शुरू की गई थी, तो उम्मीद थी कि आपूर्ति श्रृंखला चीन से हट जाएगी. लेकिन इस गतिरोध और प्रेस नोट तीन (भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से निवेश की अधिक जांच अनिवार्य करना) के कारण सप्लाई चेन के ट्रांसफर में भारी गिरावट आई है. यह एसोसिएशन ऐपल, ओप्पो, वीवो, डिक्सन टेक्नोलॉजीज और लावा जैसे टॉप मोबाइल ब्रांड्स और मैन्युफैक्चरर्स का प्रतिनिधित्व करता है. आईसीईए का अनुमान है कि अगर भारत और चीन के बीच बिजनस एक्टिवीज सामान्य होती तो भारतीय कंपनियों का वैल्यू एडिशन वर्तमान 18% से बढ़कर 22-23% होता. इससे घरेलू मोबाइल फोन ईकोसिस्टम में सालाना 15,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त डीवीए कंट्रीब्यूशन होता.

आईसीईए के चेयरमैन पंकज मोहिंद्रू कहते हैं कि हमें उम्मीद है कि एक संतुलित समाधान निकलेगा. इससे उद्योग की चिंताएं दूर होंगी और साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा हितों में संतुलन बना रहेगा. इंडस्ट्री किसी भी देश के आगे झुकने को नहीं कह रहा है लेकिन हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि आत्मनिर्भरता का रास्ता चीन के दबदबे वाली वैल्यू चेन पर निर्भर करता है. उन्होंने कहा कि भारत ने काफी हद तक अपने नुकसान की भरपाई कर ली है और वह अधिक प्रतिस्पर्धी बन गया है. फिर भी भारत को वियतनाम, मलेशिया और मैक्सिको जैसे देशों के मुकाबले नए प्रकार का नुकसान उठाना पड़ रहा है, जिनकी चीन से पूंजी, प्रौद्योगिकी और कौशल तक फ्री एक्सेस का फायदा मिल रहा है.

उद्योग के लोगों का कहना है कि चीनी नागरिक भी गिरफ्तारी और पूछताछ के डर से भारत आने से डरते हैं. सूत्र का कहना है कि अगर किसी फैक्ट्री को स्थापित करने में मदद के लिए पचास इंजीनियरों की जरूरत है, तो केवल दस या उससे कम ही लोग आने को तैयार हैं. उन्होंने कहा कि 2020 से भारत-चीन रिश्तों में आई तल्खी के कारण चीनी कंपनियों की गहरी जांच हो रही है. इस कारण इन कंपनियों ने भारत में आगे निवेश करना बंद कर दिया है. अगर ये कंपनियां भारत छोड़ने का फैसला करती हैं, तो इससे प्रॉडक्ट्स और सर्विसेज की उपलब्धता पर बड़ा असर पड़ेगा, रोजगार खत्म होगा और बड़ी संख्या में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स बंद हो जाएंगी. इसी तरह चीन के स्मार्टफोन ब्रांड्स भी भारत की प्रमुख मोबाइल पीएलआई योजना में भाग लेने से कतरा रहे हैं.

एसबीआईईपे, ईमाइग्रेट के एकीकरण के लिए एमओयू

एजेंसी । नयी दिल्ली

विदेश मंत्रालय और एसबीआई ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत ईमाइग्रेट पोर्टल के उपयोगकर्ताओं को एक अतिरिक्त डिजिटल भुगतान सेवा दी जाएगी. ईमाइग्रेट पोर्टल में भारतीय प्रवासी श्रमिक और भर्ती एजेंट शामिल हैं. अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि एसबीआई अपने भुगतान गेटवे एसबीआईईपे के जरिए उन्हें उक्त सेवाएं देगी.

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह समझौता भारतीय प्रवासी श्रमिकों के सुरक्षित और कानूनी प्रवास के दायरे को और सुविधाजनक बनाएगा. ईमाइग्रेट परियोजना की शुरुआत 2014 में हुई थी. इसके जरिए प्रवास प्रक्रिया को ऑनलाइन और पारदर्शी बनाया गया है. इससे प्रवासी भारतीय बीमा योजना जारी करने वाले विदेशी नियोक्ताओं, पंजीकृत भर्ती एजेंटों और बीमा कंपनियों को एक साझा मंच मिला है. समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर मंत्रालय की ओर से संयुक्त सचिव ब्रम्हा कुमार और एसबीआई की ओर से महाप्रबंधक नीलेश द्विवेदी ने हस्ताक्षर किए.

ईद अल-अधा

श्रीनगर : शनिवार को श्रीनगर में ईद अल-अधा से पहले एक बाजार में खरीदारी करती एक मुस्लिम महिला.

शेयर बाजार | सेबी के पास ड्राफ्ट-पेपर्स जमा किए, ₹25,000 करोड़ जुटाना चाहती है कंपनी

देश का सबसे बड़ा आईपीओ लाने की तैयारी में हुंडई

एजेंसी । नयी दिल्ली

एचएमआईएल ने भारत में 1996 में परिचालन शुरू किया था और वर्तमान में वह विभिन्न खंडों में 13 मॉडल बेचती है.

- दो साल पहले आए एलआईसी के 21,000 करोड़ रुपये के आईपीओ को भी पीछे छोड़ देगा.
- प्रस्तावित आईपीओ हुंडै मोटर कंपनी द्वारा पूरी तरह से 142,194,700 इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) है.

दक्षिण कोरियाई वाहन विनिर्माता कंपनी हुंदै की भारतीय इकाई हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) लाने के लिए शेयर बाजार नियामक सेबी के पास प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं. अगर कंपनी के आईपीओ को सेबी की मंजूरी मिल जाती है, तो यह भारत का सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम होगा. यह दो साल पहले आए एलआईसी के 21,000 करोड़ रुपये के आईपीओ को भी पीछे छोड़ देगा. मसौदा दस्तावेजों के अनुसार, प्रस्तावित आईपीओ हुंदै मोटर कंपनी द्वारा पूरी तरह से 142,194,700 इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) है. इसमें कोई नया शेयर जारी नहीं किया जाएगा.

सूत्रों ने इसी साल फरवरी में पुष्टि की थी कि मूल कंपनी हुंदै मोटर कंपनी आईपीओ के माध्यम से लगभग तीन अरब डॉलर (लगभग 25,000 करोड़ रुपये) जुटाना चाहती है. वह धन जुटाने के लिए एचएमआईएल में 15-20 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच सकती है. चूंकि यह सार्वजनिक निर्गम पूर्णतः ओएफएस है, इसलिए हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड को आईपीओ से कोई आय प्राप्त नहीं होगी. हुंदै मारुति सुजुकी इंडिया के बाद भारत की दूसरी सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी है. हुंदै का आईपीओ भारतीय उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा. मारुति सुजुकी के वर्ष 2003 में सूचीबद्ध होने के बाद हुंदै प्रारंभिक शेयर बिक्री की पेशकश करने वाली पहली वाहन विनिर्माता कंपनी होगी. इसी सप्ताह इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन कंपनी ओला इलेक्ट्रिक को आईपीओ लाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी की मंजूरी मिली है. एचएमआईएल ने भारत में 1996 में परिचालन शुरू किया था और वर्तमान में वह विभिन्न खंडों में 13 मॉडल बेचती है.

अगर हुंडई मोटर इंडिया शेयर मार्केट में लिस्ट होती है तो ये मारुति-सुजुकी, टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा के बाद चौथी बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनी होगी। हुंडई मोटर इंडिया मारुति के बाद देश की दूसरी सबसे बड़ी कार कंपनी है।

बटरफ्लाई गांधीमती एप्लायंसेज निदेशक श्रीराम ने दिया इस्तीफा

एजेंसी । नयी दिल्ली

रसोई और अन्य घरेलू सामान बनाने वाली कंपनी बटरफ्लाई गांधीमती एप्लायंसेज के प्रबंध निदेशक (एमडी) रंगराजन श्रीराम ने इस्तीफा दे दिया है. उनका इस्तीफा 14 जून, 2024 से प्रभावी हो गया है. बटरफ्लाई गांधीमती ने शनिवार को बयान में कहा कि कंपनी ने स्वेता सागर को प्रबंधक और मुख्य कारोबार अधिकारी नियुक्त किया है. कंपनी ने कहा गया है कि अपनी नई भूमिका में सागर बटरफ्लाई कारोबार का नेतृत्व करना जारी रखेंगी. उनकी नियुक्ति 15 जून, 2024 से प्रभावी हो गई है. उन्होंने वर्सुनी इंडिया, हिंदुस्तान कोका-कोला और हचिंसन एस्सार सहित कई कंपनियों में नेतृत्वकारी पदों पर कार्य किया है. क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के पास बटरफ्लाई की 75% हिस्सेदारी है. श्रीराम 2012 से क्रॉम्पटन से जुड़े हुए हैं और मार्च 2022 में इसके अधिग्रहण के बाद से बटरफ्लाई का नेतृत्व कर रहे हैं.

ब्रीफ खबरें

रामफोसा फिर बने द. अफ्रीका के राष्ट्रपति

जोहान्सबर्ग। सिरिल रामफोसा फिर से दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति बन गये. दो सप्ताह पहले हुए आम चुनाव में अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस को 40 प्रतिशत वोट मिला था. जिसके बाद संसद ने एएनसी के नेता सिरिल रामफोसा को गले पांच साल के लिए फिर से देश की जिम्मेवारी सौंपी. राष्ट्रपति चुनाव में रामफोसा को 283 वोट और इकोनॉमिक फ्रीडम फाइटर्स के उम्मीदवार जूलियस मालेमा को 44 वोट मिले थे. इसके बाद शुक्रवार आधी रात उन्हें राष्ट्रपति चुना गया.

गाजियाबाद में दो कारखानों में लगी आग

गाजियाबाद (उप्र)। गाजियाबाद के औद्योगिक क्षेत्र में दो कारखानों में शनिवार को आग लग गई. पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है. क्षेत्राधिकारी प्रशांत त्यागी ने बताया, ट्रॉनिका सिटी थाना क्षेत्र में एक रासायन कारखाने में सुबह 9.30 -10 बजे के बीच आग लग गई. इसके बाद आग पास स्थित सूखे मेवे के कारखाने तक फैल गई.उन्होंने बताया कि इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है.

अमरेली में बोरवेल में गिरने से बच्ची की मौत

अमरेली । गुजरात के अमरेली जिले के सूरजपुरा गांव में 50 फुट गहरे बोरवेल में गिरने के बाद डेढ़ साल की बच्ची की मौत हो गई. अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि डेढ़ साल की बच्ची आरोही शुक्रवार अपराह्न करीब साढ़े 12 बजे बोरवेल में गिर गई थी. राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के समन्वय वाले 17 घंटे के बचाव अभियान के बाद शनिवार को उसे बाहर निकाला गया,बच्ची उस वक्त बेसुध थी बाद में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

झूले में फंसे 30 लोगों को सुरक्षित बचाया गया

पोर्टलैंड। अमेरिका के ओरेगन राज्य में आपात सेवा के कर्मियों ने एक विशाल झूले में खराबी आने के कारण बीच हवा में करीब आधे घंटे तक लटके रहे 30 लोगों को सुरक्षित बचा लिया. यह झूला एक दशक पुराने 'एम्यूजमेंट पार्क' में लगा हुआ था. अग्निशमन सेवा पोर्टलैंड फायर एंड रेस्क्यू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि दमकल कर्मियों ने ओक्स पार्क के इंजीनियरों के साथ मिलकर झूले को नीचे उतारा और साथ ही जरूरत पड़ने पर रस्सी के सहारे लोगों को नीचे उतारने के भी इंतजाम किए गए थे. इसने कहा कि झूले पर सवार सभी लोगों को नीचे उतार लिया गया.

तिरुपत्तूर में स्कूल में घुसा तेंदुआ पकड़ा गया

तिरुपत्तूर। तमिलनाडु के तिरुपत्तूर स्थित एक स्कूल और फिर पार्किंग क्षेत्र में घुसे तेंदुए को वन विभाग की टीम ने रात भर अभियान चलाने के बाद आखिरकार पकड़ लिया. अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि वन विभाग की टीम ने शनिवार सुबह तेंदुए को बेहोश करके पकड़ लिया. उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी कार्यालय के पास स्थित एक स्कूल में अपने बच्चे को लेने पहुंचे एक अभिभावक ने शुक्रवार शाम करीब चार बजे स्कूल परिसर में तेंदुए को देखा था जिसके बाद अधिकारियों को सूचना दी गई.

प्रदर्शन राजधानी के 280 ब्लॉक में सुबह 10 बजे शुरू हुआ

कांग्रेस ने दिल्ली में किया मटका फोड़ प्रदर्शन

भाषा। नयी दिल्ली

कांग्रेस की दिल्ली इकाई ने राष्ट्रीय राजधानी में व्याप्त जल संकट को लेकर शनिवार को विभिन्न स्थानों पर मटका फोड़ प्रदर्शन किया. यह प्रदर्शन राजधानी के 280 ब्लॉक में सुबह 10 बजे शुरू हुआ. सिर पर मटके और हाथ में कांग्रेस के झंडे लेकर प्रदर्शनकारियों ने दिल्ली सरकार और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ नारेबाजी की. बाद में, उन्होंने मटकों को जमीन पर पटककर फोड़ दिया. कांग्रेस की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष देवेंद्र यादव भी इस प्रदर्शन में शामिल हुए. इस दौरान उन्होंने राजधानी में गहराए जल सकंट के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग की. उन्होंने शुक्रवार को आरोप लगाया था कि दिल्ली सरकार ने शहर में पानी की कमी को दूर करने के लिए उचित कदम नहीं उठाए हैं, जिसके कारण लोगों को पानी के टैंकरों के पीछे भागना पड़ रहा है. दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने शुक्रवार को कहा था कि यमुना नदी में कम पानी छोड़े जाने से दिल्ली में लगातार पानी की कमी हो रही है. आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित हरियाणा पर दिल्ली के हिस्से का पानी नहीं देने का आरोप लगाया है. आतिशी ने आंकड़े साझा करते हुए कहा कि छह जून को पानी की मात्रा 1002 एमजीडी थी, जो अगले दिन यानी सात जून को 993 एमजीडी और आठ जून को 990, नौ जून को 978 एमजीडी, 10 जून को 958 एमजीडी, 11 जून को 919, 12 जून को 951 और 13 जून को 939 एमजीडी रह गई.

दिल्ली में गहराया जल सकंट

केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने इंदिरा गांधी को 'मदर ऑफ इंडिया' करार दिया

भाषा। त्रिशूर (केरल)

एक कार्यक्रम में सुरेश गोपी.

केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को 'मदर ऑफ इंडिया' करार दिया. वहीं कांग्रेस के दिवंगत नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री के. करुणाकरण को साहसी प्रशासक बताया. भाजपा के नेता ने करुणाकरण और मार्क्सवादी नेता ईके नयनार को अपना राजनीतिक गुरु भी बताया. गोपी यहां पुनकुन्नम स्थित करुणाकरण के स्मारक मुरली मंदिर जाने के बाद संवाददाताओं से बात कर रहे थे. दिलचस्प बात है कि सुरेश गोपी ने करुणाकरण के बेटे एवं कांग्रेस नेता के मुरलीधरन को त्रिशूर लोकसभा क्षेत्र से हराया है. मुरलीधरन 26 अप्रैल के चुनावों में त्रिकोणीय मुकाबले में तीसरे स्थान पर रहे थे. भाजपा नेता ने मीडियाकर्मियों से करुणाकरण स्मारक के उनके दौरे का कोई भी राजनीतिक मतलब नहीं निकालने का आग्रह करते हुए कहा कि वह यहां अपने गुरु को श्रद्धांजलि देने आए हैं. गोपी ने कहा कि वह इंदिरा गांधी को मदर ऑफ इंडिया मानते हैं, जबकि करुणाकरण उनके लिए राज्य में कांग्रेस पार्टी के पिता थे.

इटली में जी7 शिखर सम्मेलन का समापन

भारत-प. शिया-यूरोप आर्थिक गलियारे पर जताई प्रतिबद्धता

भाषा। बारी (इटली)

जी7 शिखर सम्मेलन में विश्वभर के नेताओं, प्रतिनिधियों के साथ पीएम मोदी.

जी7 शिखर सम्मेलन के अंत में जारी विज्ञप्ति में सात औद्योगिक देशों के समूह ने भारत-पश्चिम-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) जैसे ठोस बुनियादी ढांचे के प्रस्तावों को आगे बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्धता जताई. इसके साथ जी7 ने कानून के शासन के आधार पर स्वतंत्र और मुक्त हिंद-प्रशांत के प्रति प्रतिबद्धता भी दोहराई.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेजबान इतालवी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी के निमंत्रण पर जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लिया. विज्ञप्ति में कहा गया, हम गुणवत्तापूर्ण अवसंरचना और निवेश की खातिर परिवर्तनकारी आर्थिक गलियारे विकसित करने के लिए जी7 पीजीआईआई (वैश्विक अवसंरचना और निवेश के लिए साझेदारी) के ठोस प्रस्ताव, प्रमुख परियोजनाओं और पूरक प्रस्तावों को बढ़ावा देंगे, जैसे कि लोबिटो कॉरिडोर, लुजोन कॉरिडोर, मिडिल कॉरिडोर और भारत-पश्चिम एथिया-यूरोप आर्थिक कॉरिडोर के लिए हमारे समन्वय तथा वित्तपोषण कार्यक्रम को मजबूत करना, इसके साथ ही ईयू ग्लोबल गेटवे, ग्रेट ग्रीन वॉल पहल और अफ्रीका के लिए इटली द्वारा शुरू की गई मैटेई योजना को तैयार करना. भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) परियोजना के तहत सऊदी अरब, भारत, अमेरिका और यूरोप के बीच एक विशाल सड़क, रेलमार्ग और पोत परिवहन तंत्र की परिकल्पना की गई है ताकि एशिया, पश्चिम एशिया और पश्चिम के बीच जुड़ाव सुनिश्चित किया जा सके.

आईएमईसी को समान विचारधारा वाले देशों द्वारा चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के समक्ष रणनीतिक प्रभाव हासिल करने की पहल के रूप में भी देखा जा रहा है. बीआरआई एक विशाल संपर्क परियोजना है जो चीन को दक्षिण-पूर्व एशिया, मध्य एशिया, रूस और यूरोप से जोड़ती है.

भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा

भाषा। बारी (इटली)

मोदी और मेलोनी ने मुलाकात की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी इतालवी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी ने द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा की और भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे सहित वैश्विक मंचों तथा बहुपक्षीय प्रस्तावों में सहयोग को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की. मोदी की दक्षिणी इटली के अपुलिया की एक दिवसीय यात्रा के अंत में शुक्रवार को दोनों नेताओं के बीच मुलाकात हुई.

इस दौरान मोदी ने जी7 शिखर सम्मेलन में आमंत्रित करने के लिए इटली की प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया. विदेश मंत्रालय ने बैठक के बारे में जारी विज्ञप्ति में कहा कि नेताओं ने खुले एवं मुक्त हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए अपने साझा दृष्टिकोण को पूरा करने की प्रतिबद्धता जताई तथा भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे पर भी चर्चा की. क्षेत्र में चीन की आक्रामक गतिविधियों के बीच विदेश मंत्रालय ने कहा, दोनों नेता मुक्त एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए अपने साझा दृष्टिकोण को पूरा करने की खातिर तैयार रूपरेखा के तहत क्रियान्वित की जाने वाली संयुक्त गतिविधियों के लिए तत्पर हैं.

मेलोनी ने पीएम मोदी के साथ साझा किया वीडियो

बारी (इटली)। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने हाल में संपन्न जी7 शिखर बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपना एक सेल्फी वीडियो साझा किया है. मेलोनी ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपनी मित्रता को जाहिर करते हुए इस वीडियो का शीर्षक नमस्ते दोस्तों, मेलोडी की ओर से दिया है. दोनों नेताओं ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी की दक्षिणी इटली के अपुलिया की एक दिवसीय यात्रा के अंत में मुलाकात की थी. इस दौरान मोदी ने जी 7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के वास्ते निमंत्रण देने के लिए मेलोनी को धन्यवाद दिया.

मोदी -किशिदा बुनियादी ढांचे को आगे बढ़ाने पर सहमत

बारी (इटली)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान के प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा से मुलाकात की और कहा कि शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए भारत तथा जापान के बीच मजबूत संबंध महत्वपूर्ण हैं. मोदी और किशिदा दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंध आगे बढ़ाने पर भी सहमत हुए.

सुनीता केजरीवाल को अदालती कार्यवाही का वीडियो हटाने का निर्देश

नयी दिल्ली । दिल्ली उच्च न्यायालय ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल को आबकारी नीति मामले से संबंधित अदालती कार्यवाही की वीडियो रिकॉर्डिंग सोशल मीडिया मंच से हटाने के लिए शनिवार को निर्देश जारी किया. वीडियो में आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल एक अधीनस्थ अदालत में अपनी बात रखते नजर आते हैं. न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा और न्यायमूर्ति अमित शर्मा की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाने वाली याचिका पर सुनीता केजरीवाल समेत छह लोगों और सोशल मीडिया मंच एक्स, मेटा'और यूट्यूब को नोटिस जारी किए हैं. उच्च न्यायालय ने सोशल मीडिया मंचों को यह भी निर्देश दिया कि यदि उनके संज्ञान में आता है कि ऐसी ही सामग्री दोबारा पोस्ट की गई है तो वे उसे भी हटा दें.

आज युद्ध सिर्फ लड़ाई के मैदान तक सीमित नहीं : वायुसेना प्रमुख

भाषा। हैदराबाद

वायुसेना प्रमुख वी. आर. चौधरी ने शनिवार को कहा कि आधुनिक युग का युद्ध सिर्फ लड़ाई के मैदान तक सीमित नहीं है बल्कि यह जटिल डेटा नेटवर्क और नयी साइबर प्रौद्योगिकियों से प्रभावित होने वाला तथा निरंतर बदलने वाला एक परिदृश्य है. यहां डुंडीगल स्थित वायुसेना अकादमी (एएफए) में 213 ऑफिसर्स कोर्स की संयुक्त स्नातक परेड को संबोधित करते हुए चौधरी ने यह भी कहा कि भविष्य के संघर्षों को अतीत की मानसिकता के साथ नहीं लड़ा जा सकता. आधुनिक युग का युद्ध गतिशील है और लगातार बदलने वाला परिदृश्य है. यह अब केवल लड़ाई के मैदान तक सीमित नहीं है. यह जटिल डेटा नेटवर्क और उन्नत साइबर प्रौद्योगिकियों से तेजी से प्रभावित हो रहा है. अधिकारी के रूप में आप सभी को युद्ध जीतने में निर्णायक साबित होने के लिए यह जरूरी है कि आप प्रौद्योगिकी को प्रभावी ढंग से अपनाएं, नवाचार करें और उसका लाभ उठाएं.

चौधरी ने कहा कि किसी अधिकारी में दक्षता, आक्रामकता और पहल करने जैसे तीन सबसे प्रशंसनीय गुण होते हैं और साथ ही ऐसे अधिकारियों की भी जरूरत है जो विचारक भी हों. जब आप इस असाधारण यात्रा की शुरुआत करने जा रहे हैं तो ऐसे में भारतीय वायुसेना के मूल मूल्यों- अभियान, समग्रता और उत्कृष्टता को अपना मार्गदर्शक बनाएं.

कुपवाड़ा में आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों ने मादक पदार्थ-आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया और उनके पास से हथियार, गोला-बारूद और प्रतिबंधित सामग्री बरामद दी. पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति हेरोइन बेचने के लिए खरीदार तलाश रहा है, इसके बाद पुलिस और सेना ने उत्तरी कश्मीर जिले के करनाह इलाके में अभियान चलाया. प्रवक्ता ने बताया कि दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 500 ग्राम से अधिक हेरोइन जब्त किया गया. प्रवक्ता ने बताया कि आरोपियों की पहचान खावरपरब करनाह निवासी शफीक अहमद शेख और बाघबल्ला निवासी तारिक अहमद मलिक के रूप में हुई है. प्रवक्ता ने बताया कि जांच में पता चला कि एक अन्य व्यक्ति भी इनके गिरोह में, जिसकी पहचान साधपुरा निवासी परवेज अहमद पठान के रूप में हुई है. उन्होंने बताया कि पठान को पुलिस और सेना की संयुक्त छापेमारी में गिरफ्तार किया गया और उसके पास से तीन पिस्तौल, 76 कारतूस, छह मैग्जीन और लगभग पांच किलोग्राम संदिग्ध विस्फोटक बरामद किया गया. प्रवक्ता ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है.

भारत-पाक सीमा पर ड्रोन और हेरोइन बरामद

चंडीगढ़। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब के अमृतसर में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास एक खेत से एक ड्रोन और हेरोइन का एक पैकेट बरामद किया है. अर्धसैनिक बल के एक प्रवक्ता ने शनिवार को यह जानकारी दी. प्रवक्ता ने बताया कि अभियान के दौरान कहानगढ़ गांव से चीन निर्मित ड्रोन और 557 ग्राम हेरोइन का पैकेट बरामद हुआ.

सर्वसम्मति से अरुणाचल विधानसभा के अध्यक्ष चुने गए तेसम पोंगटे

ईटानगर। भाजपा के विधायक तेसम पोंगटे को शनिवार को सर्वसम्मति से अरुणाचल प्रदेश विस का अध्यक्ष चुना गया. पोंगटे ने कार्यभार संभालने के तुरंत बाद सदन के सदस्यों से कहा कि वह बिना किसी पक्षपात के अपना कर्तव्य निभाएंगे तथा सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को बहस और विचार-विमर्श में भाग लेने का समान अवसर देंगे. वह राज्य की चांगलांग उत्तर सीट से विधायक हैं. लिकाबाली सीट से भाजपा के विधायक कार्दो न्यिग्योर को सदन का उपाध्यक्ष चुना गया.पोंगटे और न्यिग्योर दोनों ही अपने-अपने पदों के लिए अकेले उम्मीदवार थे.

भाजपा ने चार सांसदों की समिति गठित की

भाषा। नयी दिल्ली

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पश्चिम बंगाल में कथित राजनीतिक हिंसा की जांच के लिए शनिवार को चार सदस्यीय समिति गठित की. पार्टी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर मूकदर्शक बने रहने का आरोप लगाया. इस समिति में पार्टी सांसद बिप्लब कुमार देब, रविशंकर प्रसाद, बृजलाल और कविता पाटीदार शामिल हैं. देब इस समिति के संयोजक हैं. पार्टी ने एक बयान में कहा, ममता बनर्जी मूकदर्शक बनी हुई हैं, उनकी पार्टी के अपराधी बेखौफ होकर विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं और मतदाताओं पर हमला करते हैं और उन्हें डराते-धमकाते हैं. यहां तक कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने भी इन ज्यादतियों पर संज्ञान लिया है और 21 जून तक केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी है तथा मामले की सुनवाई 18 जून को तय की है. भाजपा ने कहा कि देशभर में लोकसभा चुनाव हुए, लेकिन पश्चिम बंगाल को छोड़कर कहीं से भी राजनीतिक हिंसा की कोई घटना सामने नहीं आई. भाजपा ने आरोप लगाया, राज्य चुनाव बाद की हिंसा की चपेट में है. इसी तरह की हिंसा हमने 2021 के विधानसभा चुनावों के बाद देखा थी.

इरोड में हाथी ने एक किसान को कुचला

इरोड (तमिलनाडु)। तमिलनाडु के इरोड जिले में सत्यमंगलम बाघ अभयारण्य (एसटीआर) में शनिवार तड़के एक हाथी ने किसान को कुचल दिया. वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, यह घटना उस दौरान हुई जब भवानीसागर के सुजिलकुट्टई इलाके का निवासी वेंकटचलम रात जंगली जानवरों से अपनी फसलों की रखवाली करने के लिए खेत में गया था.

फ्लाइट कैडेटों की ट्रेनिंग संपन्न, मार्च पास्ट किया

शनिवार को हैदराबाद के पास वायु सेना अकादमी, डंडीगल में भारतीय वायु सेना की विभिन्न शाखाओं के फ्लाइट कैडेटों के प्रशिक्षण के सफल समापन को चिह्नित करने के लिए संयुक्त स्नातक परेड के दौरान फ्लाइट कैडेटों ने मार्च किया.

गुड न्यूज मॉडर्ना ने संयुक्त टीके के अपने चरण 3 नैदानिक परीक्षण के परिणाम की घोषणा की

कोविड और फ्लू संयुक्त वैक्सीन के परिणाम आशाजनक

वैक्सीन सार्वजनिक स्वास्थ्य को लाभ पहुंचा सकता है

एजेंसी। बेंटले (ऑस्ट्रेलिया)

इस सप्ताह की शुरुआत में, मॉडर्ना ने कोविड और इन्फ्लूएंजा के खिलाफ संयुक्त टीके के अपने चरण 3 नैदानिक परीक्षण के सकारात्मक परिणामों की घोषणा की. तो परीक्षण में वास्तव में क्या पाया गया? और टू-इन-वन कोविड और फ्लू वैक्सीन का सार्वजनिक स्वास्थ्य पर किस प्रकार का प्रभाव पड़ेगा? चलिए एक नज़र मारते हैं. संयोजन टीके पहले से ही अन्य बीमारियों के लिए उपयोग किए जाते हैं. ऑस्ट्रेलिया और दुनिया भर में कई दशकों से संयोजन टीकों का सफलतापूर्वक उपयोग किया जा रहा है. उदाहरण के लिए, डीटीपी वैक्सीन, एक शॉट जो डिप्थीरिया, टेटनस और पर्टुसिस (काली खांसी) के खिलाफ सुरक्षा देती है, पहली बार 1948 में दिया गया था. उसके बाद से डीटीपी वैक्सीन को अन्य बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करने के लिए जोड़ा गया. एक हेक्सावलेंट टीका, जो छह बीमारियों - डिप्थीरिया, टेटनस, पर्टुसिस, पोलियो, हेपेटाइटिस बी और हेमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप बी (एक संक्रमण जो मस्तिष्क में सूजन का कारण बन सकता है) से बचाता है - आज ऑस्ट्रेलिया और अन्य जगहों पर नियमित शिशु टीकाकरण कार्यक्रमों का हिस्सा है. एक अन्य महत्वपूर्ण संयोजन टीका एमएमआर टीका है, जो बच्चों को खसरा, कण्ठमाला और रूबेला से बचाने के लिए दिया जाता है. तो परीक्षण में क्या पाया गया? मॉडर्ना के चरण 3 परीक्षण में दो आयु समूहों के लगभग 8,000 प्रतिभागी शामिल थे. आधे लोग 50 से 64 वर्ष की आयु के वयस्क थे. शेष आधे लोग 65 वर्ष और उससे अधिक आयु के थे.

अध्ययन में सुरक्षा का किया गया मूल्यांकन

अध्ययन में सुरक्षा का मूल्यांकन किया गया, जिसमें टीकाकरण के बाद होने वाली कोई भी प्रतिक्रिया और टीकों से उत्पन्न होने वाली सुरक्षात्मक प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया शामिल है. मॉडर्ना ने बताया कि संयुक्त टीके ने मिलाकर दिए गए शॉट्स की तुलना में, दोनों आयु समूहों में कोविड और तीन इन्फ्लूएंजा उपभेदों के खिलाफ उच्च प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया प्राप्त की. सुरक्षा के दृष्टिकोण से, संयुक्त टीका अच्छी तरह से अपनाया गया था. प्रायोगिक और नियंत्रण समूहों में प्रतिकूल प्रतिक्रियाएं समान थीं. सबसे आम दुष्प्रभावों में मांसपेशियों में दर्द, थकान और इंजेक्शन स्थल पर दर्द शामिल है. हालांकि परीक्षण के परिणाम आशाजनक हैं, फिर भी उन्हें किसी सहकर्मी-समीक्षा पत्रिका में प्रकाशित किया जाना बाकी है, जिसका अर्थ है कि स्वतंत्र विशेषज्ञों ने अभी तक उन्हें सत्यापित नहीं किया है.

पीएम 18 को वाराणसी में किसानों के लिए जारी करेंगे 20,000 करोड़

भाषा। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सत्ता संभालने के बाद पहली बार 18 जून को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी का दौरा करेंगे. इस दौरान वह देश भर के 9.26 करोड़ लाभार्थी किसानों के लिए 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की पीएम-किसान योजना की 17वीं किस्त जारी करेंगे. मोदी स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के 30,000 से अधिक सदस्यों को प्रमाण पत्र भी प्रदान करेंगे, जिन्हें कृषि सखियों के रूप में प्रशिक्षित किया गया है, ताकि वे पैरा-विस्तार कार्यकर्ता के रूप में काम कर सकें और साथी किसानों को खेती में मदद कर सकें. केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने संवाददाताओं से बात करते हुए कृषि क्षेत्र के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई. चौहान ने कहा, पिछले दो कार्यकालों में कृषि हमेशा से ही प्रधानमंत्री की प्राथमिकता रही है. उन्होंने किसानों के हित में कई अहम फैसले लिए. प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद मोदी जी ने सबसे पहले पीएम-किसान योजना की 17वीं किस्त जारी करने से जुड़ी फाइल पर हस्ताक्षर किए. साल 2019 में शुरू की गई पीएम-किसान एक प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) पहल है. इसके तहत लाभार्थी किसानों को उनकी वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए तीन समान किस्तों में 6,000 रुपये की वार्षिक राशि प्राप्त होती है. चौहान ने कहा कि योजना की शुरुआत के बाद से केंद्र ने देश भर में 11 करोड़ से अधिक किसानों को 3.04 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि वितरित की है. उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्य के विभिन्न मंत्री वाराणसी में होने वाले कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)